THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 302 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.10, 2082 बुधवार, 28 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

राज्यपाल के अपमान के खिलाफ बीजेपी-जेडीएस का प्रदर्शन

बंगलूरू, 27 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में राज्यपाल के अपमान को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है। बेंगलुरु में मंगलवार को विधानसभा के बाहर विपक्षी पार्टियों बीजेपी और जेडीएस ने महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने प्रदर्शन किया। इस दौरान नेताओं ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विरोध प्रदर्शन में विपक्षी पार्टियों ने कांग्रेस के कुछ विधायकों को सस्पेंड करने की मांग रखी। इन विधायकों पर राज्यपाल थावरचंद गहलोत के साथ बदसलूकी और अपमान करने का आरोप है। यह घटना विधानसभा की संयुक्त बैठक के दौरान हुई थी। बीजेपी और जेडीएस के नेता इसी बात को लेकर नाराज हैं और कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

इतिहास की सबसे बड़ी ट्रेड डील : पीएम

> वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन मजबूत होगी

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और यूरोपियन यूनियन ने फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर साइन कर लिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे भारत के इतिहास का सबसे बड़ा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करार देते हुए साझा समृद्धि का नया ब्लूप्रिंट बताया है। मोदी ने यूरोपीय काउंसिल के प्रेसिडेंट एंटोनियो कोस्टा और यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन की मौजूदगी में इसका ऐलान किया।

बहुप्रतीक्षित भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता एक अत्यधिक महत्वपूर्ण समझौता है जिसे मदर ऑफ ऑल द डील्स कहा जा रहा है। इससे दोनों देशों के बीच संबंधों की समग्र दिशा में महत्वपूर्ण विस्तार होने की उम्मीद है क्योंकि यह विविध क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसर खोलेगा। भारत और यूरोपीय संघ 2004 से रणनीतिक साझेदार रहे हैं। मोदी ने कोस्टा और वॉन डेर लेयेन के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, आज भारत ने अपने इतिहास का सबसे बड़ा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पूरा किया है। 27 जनवरी को भारत ने 27 यूरोपीय देशों के साथ यह एफटीए साइन किया है। इससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा, नए इनोवेशन पार्टनरशिप बनेंगी और वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन मजबूत होंगी। यह सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं है, बल्कि साझा समृद्धि का एक ब्लूप्रिंट है।

क्यों है ऐतिहासिक?

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस डील से भारत और यूरोप के लोगों के बीच परस्पर संबंध गहरे होंगे। यह समझौता एक स्पष्ट एजेंडा देगा और दोनों पक्षों के साझा समृद्धि को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने साथ ही कहा कि इस डील के तहत हम साथ मिलकर इंडिया-मिडिल ईस्ट इकनॉमिक कॉरिडोर को आगे बढ़ाएंगे। मोदी ने कहा, आज से एक नया युग शुरू हुआ है। भारत-ईयू की ये समिट अहम क्षण है। आज 27 तारीख है और ये ऐतिहासिक इसलिए है क्योंकि आज ही यूरोपीय संघ के 27 देशों के साथ समझौता हो रहा है। इस मौके पर एंटोनियो कोस्टा ने कहा कि इस डील से भारत और यूरोप के लोगों के बीच संबंध मजबूत होंगे। उन्होंने कहा 'यह एक ऐतिहासिक पल है। हम ट्रेड, सिक्योरिटी और दोनों पक्षों के बीच संबंधों को लेकर रिश्तों में एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं। खुद का भारत से रिश्ता बताते हुए उन्होंने कहा कि वह भारत के ओवरसीज नागरिक हैं। उन्होंने कहा, मेरी जड़ें गोवा में हैं।

मैं एक ओवरसीज भारतीय हूं। यूरोपीय आयोग की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भारत-ईयू फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर के बाद कहा, प्रधानमंत्री मोदी, हमने कर दिखाया। हमने मदर ऑफ ऑल डील्स डिलीवर की है। यूरोप भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। दोनों पक्षों के बीच यह डील ऐसे समय हुई है जब अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील पर बातचीत अटकी हुई है। माना जा रहा है कि अमेरिका को निर्यात में होने वाले नुकसान की भरपाई यूरोप से की जा सकती है।

पीएम मोदी बोले-एनर्जी सेक्टर में भारत अवसरों की जमीन

पणजी, 27 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली इंडिया एनर्जी वीक (आईईडब्ल्यू) 2026 के चौथे एडीशन का उद्घाटन किया। पीएम ने अपने वर्चुअल मैसेज के जरिए कहा कि एनर्जी सेक्टर के लिए भारत मौकों की जमीन है, क्योंकि इसमें मांग तेजी से बढ़ रही है।

उन्होंने कहा-भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसका मतलब है कि यहां एनर्जी प्रोडक्ट्स की मांग लगातार बढ़ रही है। इसके अलावा, भारत दुनिया की मांग को पूरा करने के लिए बेहतरीन मौके देता है। अपने मैसेज में पीएम ने इंडिया-ईयू फ्री ट्रेड डील की भी चर्चा की। उन्होंने कहा-भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते का पूरक है। यह मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा देगा, सेवाओं को सपोर्ट करेगा। इसे मदर ऑफ ऑल डील्स कहा जा रहा है। यह समझौता ग्लोबल जीडीपी का लगभग 25% और ग्लोबल ट्रेड का लगभग एक-तिहाई हिस्सा है। यह समझौता (फ्री ट्रेड एग्रीमेंट) भारत के 140 करोड़ लोगों और यूरोपीय देशों के करोड़ों लोगों के लिए जबरदस्त मौके लाता है। यह लोकतंत्र और रूल ऑफ लॉ के लिए हमारे कमिटमेंट को भी मजबूत करता है।

तेलंगाना में नगरपालिका व नगर निगम चुनाव 11 फरवरी को

> 116 नगरपालिकाओं और 7 निगमों के लिए चुनाव कार्यक्रम जारी

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में 116 नगरपालिकाओं और 7 नगर निगमों के चुनावों का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। राज्य चुनाव आयोग ने मंगलवार को एक चरण में चुनाव कराने का कार्यक्रम जारी किया।

चुनाव आचार संहिता तत्काल प्रभाव से पूरे राज्य में लागू हो गई है (जीएचएमसी क्षेत्र को छोड़कर)। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार मतदान 11 फरवरी, मतगणना 13 फरवरी, नामांकन प्रक्रिया 28 जनवरी से शुरू, नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि: 30 जनवरी, नामांकन की जांच 31 जनवरी, नामांकन वापसी 3 फरवरी को होगा। यदि कहीं पुनः मतदान आवश्यक हुआ तो 12 फरवरी को मतदान होगा। मतदान के लिए 8,195 मतदान केंद्र बनाए गए है। कुल मतदाता संख्या 52.43 लाख है ।

मतदान समय सुबह 7:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक होगा। राज्य चुनाव आयुक्त रानी कुमुदिनी ने सभी जिला कलेक्टरों, एसपी, डीजीपी और मुख्य सचिव के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कर चुनाव की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया।

वित्त मंत्री ने 'हलवा सेरेमनी' के साथ बजट को दिया अंतिम रूप

1 फरवरी को खुलेगा पिटारा

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। नॉर्थ ब्लॉक में 'यूनियन बजट 2026-27' की तैयारी अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हलवा बांटकर टीम के परिश्रम का सम्मान किया, जो इस बजट की गोपनीयता और कड़ी मेहनत का प्रतीक है। यह रस्म 'लॉक-इन' पीरियड की शुरुआत है।

इसमें बजट से जुड़े अधिकारी अगले कुछ दिनों तक बाहरी दुनिया से कटकर नॉर्थ ब्लॉक में ही रहेंगे। इस बार का बजट 'डिजिटल इंडिया' की ताकत को और बढ़ाएगा। 1 फरवरी, 2026 को संसद में पेश होने वाला बजट 'यूनियन बजट मोबाइल ऐप' के जरिए आम

आदमी तक हिंदी और अंग्रेजी में आसानी से पहुंचेगा। यह बजट केवल पैसों का हिसाब-किताब नहीं, बल्कि गोपनीयता और अनुशासन का भी प्रमाण है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने खुद नॉर्थ ब्लॉक की बजट प्रेस का दौरा किया। उन्होंने वहां की सुरक्षा व्यवस्था और छपाई की तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया। यह सुनिश्चित किया गया कि सब कुछ पूरी तरह से तैयार है। इस बार का बजट 'डिजिटल इंडिया' के मिशन को और मजबूत करेगा। 1 फरवरी, 2026 को जब वित्त मंत्री संसद में बजट भाषण देंगी तो पूरा देश उनकी ओर देखेगा।

लेकिन, इस बार आम लोगों को बजट की मोटी-मोटी फाइलें खोजने की जरूरत नहीं पड़ेगी। 'यूनियन बजट मोबाइल ऐप' के जरिए बजट के हर आंकड़े आम आदमी की जेब में यानी उनके स्मार्टफोन पर हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध होंगे। यह पूरी प्रक्रिया सिर्फ पैसों के लेन-देन का हिसाब-किताब नहीं है।

तेलंगाना में चलते ऑटो से 4 छात्राएं गिरीं-एक की मौत

ड्राइवर ने गाड़ी नहीं रोकी; बच्चियों से प्रिंसिपल के घर कुर्सियां ढुलवा रहा था

कामारेड्डी, 27 जनवरी (एजेंसियां)। तेलंगाना के कामारेड्डी जिले में एक सरकारी रेजिडेंशियल गुरुकुल स्कूल की 4 छात्राएं चलते ऑटो से गिर गईं। इनमें 8वीं क्लास की एक छात्रा की मौत हो गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें छात्राएं चलते ऑटो एक-एक करके गिरती दिख रही हैं। इसके बावजूद ऑटो ड्राइवर ने गाड़ी नहीं रोकी। बताया जा रहा है कि ऑटो में कुर्सियां रखी थीं। छात्राओं से प्रिंसिपल के घर कुर्सियां पहुंचवाने का काम कराया जा रहा था।

स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्कूल स्टाफ गणतंत्र दिवस समारोह के लिए कुर्सियां लेकर आया था। बच्चियों से ही कुर्सियां उतारने और चढ़ाने का काम कराया जा रहा था। मृतक छात्रा की पहचान संगीता के रूप में हुई है। वह बनसवाड़ा मंडल स्थित अनुसूचित जाति समुदाय के छात्रों के लिए संचालित गुरुकुल स्कूल में पढ़ती थी। वह चौथी बच्ची थी, जो चलते ऑटो से गिर पड़ी। इसके बावजूद ऑटो चालक ने वाहन नहीं रोका और वहां से चला गया। चलते वाहन से गिरने के बाद संगीता को गंभीर हालत में बनसवाड़ा के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले पर प्रशासन की ओर से अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। घटना के बाद स्कूल प्रबंधन और स्टाफ की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं।

बीजेपी से जुड़े मानहानि केस में अरविंद केजरीवाल-आतिशी की याचिका

21 अप्रैल तक टाल दी सुनवाई

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी की उस याचिका पर सुनवाई 21 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी, जिसमें उन्होंने मतदाताओं के नाम हटाने संबंधी कथित टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ दायर मानहानि के मामले को रद्द करने से इनकार करने वाले आदेश को चुनौती दी है। जस्टिस एम. एम. सुंदरेश और एन. के. सिंह की पीठ ने यह कहते हुए मामले की सुनवाई स्थगित कर दी कि इसमें विस्तृत सुनवाई की आवश्यकता है। आम आदमी पार्टी के नेताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने बताया कि पीठ ने कहा था कि इस मामले को नियमित मामलों की सुनवाई वाले दिन (मंगलवार, बुधवार और बृहस्पतिवार) को सुना जाना चाहिये और इसी आधार पर उन्होंने मामले की सुनवाई को स्थगित करने का अनुरोध किया।

'क्या रिटायर्ड जजों के पास अपने विमान हैं-हमें आदेश न देना पड़े'

> क्यों भड़के सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बार काउंसिल ऑफ इंडिया से सवाल किया कि वह राज्य बार काउंसिल चुनावों के संचालन की निगरानी करने वाली उच्च स्तरीय चुनाव समितियों के सदस्य हाईकोर्ट के रिटायर्ड न्यायाधीशों को पर्याप्त मानदेय और यात्रा भत्ता क्यों नहीं दे रही है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस आर महादेवन और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने उच्च स्तरीय चुनाव पर्यवेक्षण समिति के सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता वी गिरि द्वारा मौखिक रूप से उल्लेख किए जाने पर इस मामले पर सुनवाई की।

लाइव लॉ की एक स्टोरी के अनुसार, एडवोकेट गिरि ने निवेदन किया कि मानदेय चुनाव समिति के सदस्यों के पद के अनुरूप होना चाहिए, जो पूर्व में हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश या न्यायाधीश रह चुके हैं। गिरि ने कहा-जब यह सुझाव बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) को दिया गया, तो हमें जवाब मिला कि यह बहुत अधिक है और उनके लिए ऐसा करना संभव नहीं होगा। गिरि ने अनुरोध किया कि या तो न्यायालय कोई आदेश पारित करे या न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सुधांशु धूलिया को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने के लिए अधिकृत करे। उन्होंने बीसीआई द्वारा न्यायमूर्ति धूलिया को दिए गए जवाब को पीठ को सौंप दिया।

गिरि ने यह भी मुद्दा उठाया कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने राजस्थान बार काउंसिल चुनावों के लिए अपनी अलग समिति का गठन इस बहाने से किया है कि 18 नवंबर, 2024 को पारित आदेश में राजस्थान का उल्लेख नहीं था, जिसके तहत समितियों का गठन किया गया था। गिरि ने कहा कि बीसीआई की यह कार्रवाई आदेश के शाब्दिक और भावना दोनों के विपरीत है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने बीसीआई का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील से पूछा-आपने राजस्थान को क्यों शामिल नहीं किया और आप अलग से समिति का गठन क्यों कर रहे हैं? गिरि ने बताया कि इस समिति ने चुनावों की अधिसूचना भी जारी कर दी है।

एसिड अटैक के मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त

राज्य-केंद्र शासित प्रदेशों से मांगी विस्तृत जानकारी

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। देशभर में एसिड अटैक के मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती सामने आई है। कोर्ट ने देश में एसिड अटैक की घटनाओं को लेकर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से विस्तृत जानकारी मांगी है। अदालत ने निर्देश दिया है कि राज्य सरकारें साल-दर-साल एसिड अटैक की घटनाओं का पूरा ब्योरा उपलब्ध कराएं। इतना ही नहीं सर्वोच्च न्यायालय यह भी जानकारी मांगी है कि इनमें कुल कितने मामलों में चार्जशीट दाखिल की गई, कितने मामलों का ट्रायल कोर्ट में निपटारा हो चुका है और कितने मामले अभी लंबित हैं।

इसके अलावा अदालत ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से यह विवरण भी देने को कहा है कि एसिड अटैक से जुड़े मामलों में अपील कितनी बार दायर की गई, जिनमें हाईकोर्ट सहित अन्य अपीलीय अदालतें शामिल हैं। अदालत ने एसिड अटैक पीड़ितों से जुड़ी जानकारी भी तलब की है। इसमें पीड़ितों की शैक्षणिक योग्यता, वैवाहिक स्थिति, चिकित्सा उपचार, मुआवजा और पुनर्वास से संबंधित विवरण भी शामिल हैं।

पीड़ितों की सहायता के लिए मददगार

इसके साथ ही कोर्ट ने इस पूरे घटनाक्रमों में उन मामलों की जानकारी भी मांगी है, जिनमें पीड़ितों को जबरन एसिड पिलाया गया। अदालत का कहना है कि इन आंकड़ों के आधार पर एसिड अटैक से जुड़े मामलों में प्रभावी कदम उठाने और पीड़ितों को बेहतर न्याय व सहायता देने में मदद मिलेगी।

रक्षा मंत्री ने यूरोपीय आयोग की उपाध्यक्ष से की मुलाकात

तीनों सेनाओं के प्रमुख भी रहे साथ

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को रक्षा मंत्रालय, साउथ ब्लॉक में यूरोपीय आयोग की उच्च प्रतिनिधि एवं उपाध्यक्ष (एचआर) काजा कालास से मुलाकात की। इस महत्वपूर्ण बैठक में भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच सुरक्षा और रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की गई। इस महत्वपूर्ण चर्चा में भारतीय सशस्त्र बलों के प्रमुख यानी आर्मी, नेवी और एयरफोर्स के चीफ भी शामिल रहे।

साझा मूल्यों में रखते हैं विश्वास

बैठक में रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ लोकतंत्र, बहुलवाद और कानून के शासन जैसे साझा मूल्यों में विश्वास रखते हैं। ये दोनों पक्षों के बीच लगातार सशक्त होते जा रहे साझेदारी संबंधों की आधारशिला हैं। भारत इन

मूल्यों को वैश्विक स्थिरता, सतत विकास और समावेशी समृद्धि के लिए व्यावहारिक सहयोग में परिवर्तित करना चाहता है।

रक्षा मंत्री से मिलीं काजा कालास

बैठक के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि नई दिल्ली में काजा कालास से मुलाकात कर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हुई। उन्होंने बताया कि बातचीत के दौरान द्विपक्षीय सुरक्षा एवं रक्षा से जुड़े कई अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। विशेष रूप से विश्वसनीय रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण, आपूर्ति श्रृंखलाओं के एकीकरण तथा भविष्य के लिए तैयार रक्षा क्षमताओं के विकास में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

क्या है रक्षा विशेषज्ञों का मानना

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भारत और यूरोपीय संघ के देशों के बीच रक्षा क्षेत्र में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं और आने वाले समय में दोनों पक्षों के बीच साझेदारी और अधिक सुदृढ़ होगी। उन्होंने भारत-ईयू सहयोग को वैश्विक सुरक्षा और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण बताया। इस उच्चस्तरीय बैठक में भारतीय सशस्त्र बलों के शीर्ष नेतृत्व की उपस्थिति भी रही। बैठक में थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह तथा चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान (सीडीएस) भी शामिल हुए।

'आत्मनिर्भर भारत' को मजबूती देता है सहयोग

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय और यूरोपीय संघ के रक्षा उद्योगों को बड़े वैश्विक हित के लिए अपने प्रयासों का समन्वय करना चाहिए। यह सहयोग 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना को मजबूती प्रदान करता है और साथ ही यूरोपीय संघ की रणनीतिक स्वायत्तता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के अनुरूप भी है। वहीं काजा कालास ने भारत के 77वें गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड में यूरोपीय संघ की उपस्थिति को गौरवपूर्ण बताया।

ईरान में मेडिकल छात्रों के पासपोर्ट रोके गए

जम्मू कश्मीर संस्था ने एमईए को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान में तेजी से बिगड़ती स्थिति को देखते हुए ईरान में रहने वाले कई भारतीय मेडिकल छात्रों ने वापस भारत लौटने की इच्छा जताई है। इस बीच जम्मू और कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने कुछ यूनिवर्सिटीज पर गंभीर आरोप लगाया है। जम्मू और कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने दावा किया कि भारत वापस लौटने की इच्छा जताने के बावजूद कई यूनिवर्सिटीज ने अभी तक पासपोर्ट रोक रखे हैं। स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने कहा कि वो ईरान में भारतीय छात्रों के साथ संपर्क में हैं,जिनमें से कई जम्मू कश्मीर के हैं। एसोसिएशन ने ईरान की यूनिवर्सिटीज पर आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ यूनिवर्सिटीज ने अभी तक अपनी सेमेस्टर परीक्षाएं जारी रखी हुई हैं, हालांकि ईरान भर में तेजी से बिगड़ते हालात को देखते हुए कई ने अपनी परीक्षाएं 24 मार्च तक के लिए टाल दी हैं।

'सुझावों का स्वागत है, लेकिन हंगामे से बचें'

बजट सत्र से पहले सरकार की विपक्ष को दो-टूक

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होगा। इससे पहले मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई। जिसके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि केंद्र सरकार संसद के बजट सत्र से पहले सभी राजनीतिक दलों के सुझाव सुनने को तैयार है। उन्होंने कहा कि चर्चा संसदीय नियमों के मुताबिक ही होनी चाहिए।

बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए रिजिजू ने कहा, 'नियमों के अनुसार, चर्चा सिर्फ बजट पर ही होनी चाहिए। सत्र की शुरुआत में राष्ट्रपति संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगी। उसके बाद राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस होगी, जिसमें सभी दल हिस्सा लेंगे। सरकार हमेशा किसी भी सुझाव को सुनने के लिए खुश है।' उन्होंने आगे कहा कि सरकार हमेशा सुनने को तैयार है, लेकिन अगर हर बार विपक्षी दल हंगामा करते हैं और सदन नहीं चलने देते, तो समस्या पैदा होती है। इसके अलावा, टीडीपी संसदीय दल के नेता लावु श्री कृष्ण देवरायलु ने बताया कि उनकी पार्टी ने बैठक में तीन राष्ट्रीय मुद्दे और पांच आंध्र प्रदेश से जुड़े मुद्दे उठाए। इनमें भारत के एफटीए समझौते, 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया नियम और अमरावती राजधानी विधेयक शामिल हैं। पत्रकारों से बातचीत में देवरायलु ने कहा कि हम तीन राष्ट्रीय मुद्दे और आंध्र प्रदेश से जुड़े पांच मुद्दे उठाना चाहते थे। पहला राष्ट्रीय मुद्दा भारत के एफटीए समझौतों से जुड़ा है, जिसमें भारत-ईयू एफटीए भी शामिल है। हम इस पर चर्चा चाहते हैं। दूसरा मुद्दा 16 साल से कम उम्र के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध का है। अगर ऑस्ट्रेलिया यह कर सकता है, तो भारत क्यों नहीं? राज्य का प्रमुख मुद्दा अमरावती राजधानी विधेयक है। हम चाहते हैं कि आंध्र प्रदेश की राजधानी को कानूनी समर्थन मिले। यह बैठक संसद के मुख्य समिति कक्ष में हुई, बजट सत्र की रूपरेखा पर चर्चा की गई। इस बैठक में राजनाथ सिंह, किरेन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, कांग्रेस नेता जयराम रमेश और प्रमोद तिवारी, एआईटीसी नेता शताब्दी रॉय, एमएनएम संस्थापक कमल हासन, तमिल मणिला कांग्रेस नेता जीके वासन, एसपी नेता रामगोपाल यादव समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

मलाड में गैस सिलेंडर फटा, 6 लोग घायल

मुंबई, 27 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई के मलाड इलाके में एक बड़ा हादसा हुआ है। मंगलवार की सुबह एक चॉल में गैस सिलेंडर फट गया। इस धमाके में 6 लोग घायल हो गए। धमाका इतना जोरदार था कि पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई। लोगों ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया। यह हादसा सुबह करीब 9 बजकर 25 मिनट पर हुआ। यह हादसा मलाड वेस्ट के मालवणी इलाके में हुआ। यहां भारत माता स्कूल के पास एक चॉल है। इसी चॉल में सिलेंडर फटा था। अधिकारियों ने बताया कि सिलेंडर से गैस लीक हो रही थी। इसी वजह से यह जोरदार धमाका हुआ। इस ब्लास्ट में 6 लोगों के घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए आगे आए। उन्होंने पुलिस को सूचना दी और सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया।

यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका दाखिल

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। उच्च शिक्षा संस्थानों को लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों का लगातार विरोध हो रहा है। इन नियमों को सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती दी गई है। इसी क्रम में मंगलवार को एक और याचिका दाखिल की गई, जिसमें आरोप लगाया गया कि ये नियम सामान्य वर्ग के लिए भेदभावपूर्ण हैं। वकील विनीत जिंदल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। उन्होंने कहा कि ये नियम सामान्य वर्ग के लिए भेदभावपूर्ण हैं और उनके मौलिक अधिकारों का हनन करने वाले हैं। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से मांग की गई है कि यूजीसी रेगुलेशंस-2026 के प्रावधान 3(सी) को लागू करने पर रोक लगाई जाए।

इसके अलावा, 2026 के नियमों के अंतर्गत बनाई गई व्यवस्था सभी जाति के व्यक्तियों के लिए लागू हो। इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट में सामान्य वर्ग के साथ भेदभाव का आरोप लगाते हुए नियम 3(सी) को चुनौती दी गई। एक जनहित याचिका (पीआईएल) में यूजीसी के नए नियम के नियम 3(सी) को मनमाना, भेदभावपूर्ण और असंवैधानिक बताते हुए रद्द करने की मांग की गई।

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि यह प्रावधान उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नाम पर कुछ वर्गों (खासकर सामान्य वर्ग) के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देता है और इससे कुछ समूहों को शिक्षा से बाहर किया जा सकता है। याचिका में कहा गया कि नियम 3(सी) संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार), अनुच्छेद 19 (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) और अनुच्छेद 21 (व्यक्तिगत स्वतंत्रता) का उल्लंघन करता है। साथ ही, यह यूजीसी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के विपरीत है और उच्च शिक्षा में समान अवसर सुनिश्चित करने के मूल उद्देश्य को नुकसान पहुंचाता है।

बता दें कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 13 जनवरी को 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन 2026' लागू किया। इसके तहत कई संस्थानों को इक्विटी कमेटी बनाने और भेदभाव विरोधी नीति लागू करने के निर्देश दिए गए। यूजीसी के नए नियमों का उद्देश्य कैंपस पर जाति, धर्म, लिंग, जन्मस्थान, विकलांगता आदि के आधार पर होने वाले भेदभाव को पूरी तरह समाप्त करना है।

इन नियमों के तहत सभी उच्च शिक्षा संस्थानों (विश्वविद्यालयों और कॉलेजों) में इक्विटी कमेटी गठित करने का प्रावधान है, जो शिकायतों की जांच करेगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई (जैसे डिग्री रोकना, संस्थान की मान्यता रद्द करना आदि) कर सकेगी।

यूजीसी के आंकड़ों के अनुसार, पिछले पांच साल में विश्वविद्यालयों में जातिगत भेदभाव की शिकायतें 118 प्रतिशत बढ़ी हैं। ये नियम सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर तैयार किए गए थे, जहां एक पुरानी याचिका में कैंपस पर भेदभाव रोकने के लिए मजबूत तंत्र की मांग की गई थी।

दिल्ली के 5 स्टार होटल में खाना खाते ही बीमार पड़ी महिला, शिकायत पर एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी के बाराखंभा रोड स्थित फाइव स्टार होटल द ललित के खिलाफ महिला के बीमार पड़ने के मामले में दिल्ली पुलिस ने एफआइआर दर्ज की है। आरोप है कि होटल में परोसे गए भोजन को खाने से महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई और उसे फूड पॉइजनिंग की आशंका के चलते अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। पुलिस के अनुसार, महिला ने पीसीआर कॉल कर बताया कि होटल के कमरे में मंगवाए गए भोजन को खाने के बाद उसकी हालत खराब हो गई है। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि वह अस्वस्थ हालत में कमरे के भीतर ही फंसी हुई है और उसे तत्काल सहायता की जरूरत है।

खरगे ने बताया राहुल गांधी ने कब उतारा था गमछा

सरकार पर लगाया अपमान करने का आरोप

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। बीजेपी नेताओं ने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति की ओर से आयोजित एट-होम रिसेप्शन में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गमोसा (असामी मफलर) नहीं पहना, जबकि कथित तौर पर राष्ट्रपति ने उनसे दो बार इसे पहनने पर विचार करने के लिए कहा था। हालांकि कांग्रेस नेताओं ने इस आरोप से इनकार किया है।

अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। गमोसा विवाद पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, "उन्होंने (राहुल गांधी) 'गमोसा' पहना था। जब वह खाना खा रहे थे, तो उन्होंने उसे मोड़कर रख दिया। बीजेपी इसे मुद्दा बना रही है। खरगे के अलावा कांग्रेस के कई नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी ने गमोसा पहना था, लेकिन शायद खाने की जगह पर इसे उतार दिया होगा।

खड़गे ने बीजेपी पर साधा निशाना

वहीं खरगे ने विपक्ष नेताओं के अपमान का आरोप लगाते हुए कहा कि वे (गणतंत्र दिवस परेड के दौरान) दो विपक्षी नेताओं को तीसरी लाइन में बिठाकर संविधान का अपमान करते हैं। हमने भी भारत के राष्ट्रपति से मिलने के लिए राज्य मंत्रियों के साथ लाइन में इंतज़ार किया। वे जानबूझकर विपक्ष का इतना अपमान कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, "मैं इसकी निंदा करता हूं जब वे कहते हैं कि कांग्रेस नॉर्थ ईस्ट का अपमान करने के लिए ऐसा कर रही है। वे यह सिर्फ़ कांग्रेस का अपमान करने और आने वाले चुनावों के लिए कर रहे हैं।

वे मणिपुर में फिर से सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं, राहुल जी ने मणिपुर में 'पदयात्रा' की है।" खरगे ने कहा, "मैं सबसे सीनियर नेता हूं, वे मुझे तीसरी लाइन में और राज्य मंत्रियों के साथ कैसे बिठा सकते हैं। आपने मेरा, कांग्रेस का और संविधान का अपमान किया है।"

सीटिंग अरेंजमेंट को लेकर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

सीटिंग अरेंजमेंट को लेकर विवाद फिर से शुरू होने के बाद कांग्रेस ने पीएम मोदी और अमित शाह के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कई कांग्रेस नेताओं ने कर्तव्य पथ पर सालाना गणतंत्र दिवस परेड में विपक्ष के नेता (लोकसभा) राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सीटिंग पर सवाल उठाया है।

कार में पुजारी का शव मिला

इंदौर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर के महालक्ष्मी नगर इलाके में मंगलवार सुबह 5 बजे एक पुजारी का शव कार में मिला है। बताया जा रहा है कि कार अंदर से लॉक थी, जिसे पुलिस ने कांच तोड़कर खोला। मौके से एक पिस्टल भी बरामद हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। खजराना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सतीश शर्मा (36), पुत्र कैलाश शर्मा का शव सुबह करीब 5 बजे महालक्ष्मी नगर के एक सुनसान इलाके में खड़ी कार में मिला। उनके सिर में गोली लगी थी। शव को बाहर निकालकर एमवाय अस्पताल पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। सतीश शर्मा लसूड़िया मोरी स्थित एक मंदिर में पुजारी के रूप में कार्यरत थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं, जो साथ रहते हैं।

सतीश सोमवार देर शाम पत्नी से पाटनीपुरा से पूजा का सामान लेने की बात कहकर घर से निकले थे, लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटे। रात करीब 11 बजे उनके रिश्तेदारों को सतीश का फोन आया, जिसके बाद परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की और पुलिस को भी सूचना दी। इसके बाद मंगलवार सुबह करीब 5 बजे उनकी कार महालक्ष्मी नगर क्षेत्र में मिली।

महाकाल मंदिर में वीवीआईपी सिस्टम बंद हो

विष्णु शंकर जैन की एससी में दलील, सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- यह हमारा काम नहीं

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। उज्जैन के फेमस महाकाल मंदिर में वीवीआईपी व्यवस्था के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट आज यानी मंगलवार को सुनवाई हुई। सीनियर वकील विष्णु शंकर जैन ने चीफ जस्टिस सीजेआई सूर्यकांत की बेंच के समक्ष दलील दी कि मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश के लिए एक समान और एकीकृत नीति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वीवीआईपी या विशेष दर्जे के आधार पर किसी को प्रवेश मिलना और आम भक्तों को रोकना स्पष्ट भेदभाव है।

विष्णु शंकर जैन ने जोर दिया कि धार्मिक स्थलों में भेदभाव नहीं होना चाहिए, सभी भक्तों को समान अवसर मिलना चाहिए। इस पर सीजेआई ने कहा कि यह तय करना कोर्ट का काम नहीं है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में कर्नाटक के अंजनेय मंदिर से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान सामने आई। विष्णु शंकर जैन इस मामले में विद्यादास बाबा का पक्ष रख रहे थे।

उन्होंने अदालत को बताया कि महाकाल मंदिर में वीवीआईपी सिस्टम के कारण आम श्रद्धालुओं को लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ता है, जबकि प्रभावशाली लोग बिना इंतजार के दर्शन कर लेते हैं। जैन ने कहा, 'यह व्यवस्था संविधान की समानता की भावना के खिलाफ है। गर्भगृह में प्रवेश की नीति पारदर्शी और एक समान होनी चाहिए, न कि किसी विशेष वर्ग के लिए अलग।' सीजेआई सूर्यकांत ने इस पर साफ जवाब दिया कि यह मुद्दा तय करना अदालत का काम नहीं है। सीजेआई ने कहा, 'हम धार्मिक स्थलों की आंतरिक व्यवस्था में हस्तक्षेप नहीं कर सकते।

यह सक्षम प्राधिकार (जैसे मंदिर ट्रस्ट या राज्य सरकार) का विषय है। आप उचित प्राधिकारी के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज कराएं।' सीजेआई ने आगे कहा कि मंदिर प्रबंधन की नीतियां स्थानीय कानूनों और परंपराओं पर आधारित होती हैं, जिनमें न्यायालय सीधे दखल नहीं दे सकता।

सुनवाई के दौरान विष्णु शंकर जैन ने अपने मुवक्किल विद्यादास बाबा के अधिकारों पर भी जोर दिया। उन्होंने दलील दी कि उनके मुवक्किल का अर्चक (पुजारी) के तौर पर अधिकार नहीं छीना जाना चाहिए। हालांकि, सीजेआई ने मामले को हाईकोर्ट में लंबित बताते हुए कहा कि हाईकोर्ट पहले से इस पर गौर कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका का निपटारा करते हुए याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने की सलाह दी और कहा कि उच्च न्यायालय ही इस मामले में उचित फैसला सुना सकता है।

दरअसल, उज्जैन के महाकाल मंदिर जैसे प्रमुख तीर्थस्थलों में लाखों श्रद्धालु रोज दर्शन के लिए आते हैं, लेकिन वीवीआईपी व्यवस्था से आम लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। कई संगठन और भक्त पहले भी इस व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठा चुके हैं। अब देखना है कि क्या राज्य सरकार या मंदिर ट्रस्ट इस मुद्दे पर कोई कदम उठाते हैं।

दर्दनाक सड़क हादसा

हाईवे पर तेज रफ्तार बस ने बाइक को मारी टक्कर, चार की मौत

उधमपुर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाइवे पर मंगलवार को एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना उधमपुर जिले के शारदा माता के पास हुई, जहां एक बस और एक मोटरसाइकिल के बीच जोरदार टक्कर हो गई। अधिकारियों ने बताया कि बस उधमपुर की ओर जा रही थी और कथित तौर पर तेज रफ्तार में थी। हादसे की गंभीरता के कारण मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जिसमें बस सवार चार लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए नजदीक अस्पताल ले जाया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

वही बस सड़क किनारे खड़े महिंद्रा लोड कैरियर की मरम्मत कर रहे दो मैकेनिकों को भी टक्कर मार दी। दोनों मैकेनिकों को भी गंभीर चोटें आईं और वे घटनास्थल पर ही दम तोड़ गए। सीआरपीएफ के दूसरे कमांडर करतर सिंह 137 बटालियन ने बताया श्रीनगर की ओर मीलस्टोन 68 के पास एक दुर्घटना हुई है। बस एक पिकअप से टकराई जिसमें चार लोग और 52 बटालियन का एक सीआरपीएफ जवान की मौत हुई। अभी तक मृतकों की पहचान आधिकारिक रूप से जारी नहीं हुई है, लेकिन पुलिस ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

बाथरूम में बंद करते, मारते-पीटते थे,10 लाख रुपये के लिए टॉर्चर, शादी के 2 साल बाद महिला ने की आत्महत्या

बेंगलुरु, 27 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरु में एक महिला ने आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि वह अपने पति और ससुराल वालों से परेशान हो गई थी। उसके ससुराल वाले उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। आरोप है कि मृतका का पति कभी उसे बाथरूम में बंद कर देता था तो कभी उसके साथ बहुत ज्यादा मारपीट करता था। उसका पति और ससुराल वाले उससे लाखों रुपयों की डिमांड कर रहे थे। ये मामला बेंगलुरु के तुमकुर जिले के येदियूर से सामने आया है। मृतका की पहचान 24 साल की कीर्ति श्री के रूप में हुई है।

उसकी शादी महज दो साल बाद पहले ही हुई थी और अब उसने खुदकुशी कर अपने जान दे दी। आरोप है कि कीर्ति को उसके पति और ससुराल वालों ने दहेज के लिए प्रताड़ित किया। इसी वजह से उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया, जिसके बाद कीर्ती के परिवार वालों ने बनाशंकरी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

वन विभाग के अधिकारियों की घोर लापरवाही हाथी के शव को 32 टुकड़ों में काटा

कालाहांडी, 27 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा में संदिग्ध रूप से करंट लगने से एक हाथी की मौत हो गई। हैरानी की बात ये रही कि मारे गए जंगली हाथी के शव को 32 टुकड़ों में काटा गया। इसके बाद उसे कंधमाल और कालाहांडी जिलों की अलग-अलग जगहों पर दफनाया गया। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों के बताया कि कंधमाल जिले के बालिगुडा वन प्रभाग में एक जंगली हाथी की मौत हो गई। विभागीय कार्रवाई से बचने के लिए वन अधिकारियों ने बिना किसी सूचना या उच्च अधिकारी की अनुमति के शव का निपटान कर दिया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि शव को आसानी से ले जाने के लिए 32 टुकड़ों में काटा गया था।

ब्रह्मपुर के क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक (आरसीसीएफ) विश्वनाथ नीलन्नवर ने बताया कि वन अधिकारियों ने कालाहांडी और कंधमाल जिलों में क्रमशः ताहनसिर और झिरीपानी से टुकड़े बरामद किए। नीलन्नवर ने बताया कि बेलघर के प्रभारी रेंजर बिनय कुमार बिशी और अन्य लोगों के खिलाफ तथ्यों को छिपाने व सबूतों से छेड़छाड़ करने के आरोप में वन्यजीव अपराध का मामला दर्ज किया गया है। बिशी को निलंबित कर दिया गया और वह फरार है।

नीलन्नवर ने बताया कि बिशी पर वन्यजीव अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और उसकी गिरफ्तारी के लिए तलाशी अभियान जारी है। वन अधिकारी ने कहा कि शव के टुकड़ों को ले जाने के लिए कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए तीन वाहन जब्त किए गए हैं और वाहन मालिकों में से एक हृषिकेश पांडा को गिरफ्तार कर लिया गया है।

विजय की फिल्म 'जना नायकन' को बड़ा झटका हाई कोर्ट ने सर्टिफिकेट संबंधी आदेश किया रद्द

चेन्नई, 27 जनवरी (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट की डिविजन बेंच ने 'जना नायकन' फिल्म से जुड़े सेंसर सर्टिफिकेशन विवाद में बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने सिंगल जज द्वारा सीबीएफसी (सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन) को फिल्म को प्रमाणित करने के निर्देश को रद्द कर दिया है। हालांकि, अदालत ने पूरा मामला वापस सिंगल जज को भेज दिया है।

डिविजन बेंच ने कहा कि शिकायत में उठाए गए बिंदुओं को देखते हुए सीबीएफसी को पूरा अवसर दिए बिना सिंगल जज को मामले के मेरिट्स में नहीं जाना चाहिए था। इसके साथ ही कोर्ट ने ये भी टिप्पणी की कि सीबीएफसी को अपना पक्ष रखने का मौका मिलना जरूरी था। चेयरपर्सन के आदेश को चुनौती दिए बिना सिंगल जज मेरिट्स पर नहीं जा सकते थे। डिविजन बेंच ने निर्देश दिया कि मामला दोबारा सिंगल जज के पास भेजा जाए, सिंगल जज जल्द से जल्द मामले का निपटारा करें। सभी संबंधित पक्षों को उचित अवसर दिया जाए। कोर्ट ने फिल्म के प्रोडक्शन हाउस को भी निर्देश दिया।

मद्रास हाईकोर्ट ने और क्या-क्या कहा

मद्रास हाईकोर्ट ने टीवीके प्रमुख विजय की फिल्म 'जना नायकन' को 'यूए' प्रमाणपत्र देने वाले एआदेश को चुनौती देने वाली सीबीएफसी की अपील को स्वीकार कर लिया है। पीठ ने टिप्पणी की कि आदेश में प्रतिवाद दाखिल करने के लिए समय दिया जाना चाहिए था। मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए वापस भेज दिया गया है, साथ ही यह टिप्पणी भी की गई है कि निर्माता याचिका में अपनी प्रार्थना में संशोधन करने के लिए स्वतंत्र हैं।

गुजरात एटीएस की बड़ी कार्रवाई, जैश और अल-कायदा से जुड़े फैजान शेख को किया गिरफ्तार

अहमदाबाद, 27 जनवरी (एजेंसियां)। एटीएस गुजरात ने आतंकी गतिविधियों में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान फैजान शेख के रूप में हुई है, जो जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और अल-कायदा की विचारधारा से प्रभावित होकर कट्टरपंथी बन गया था। यह गिरफ्तारी गुजरात के नवसारी जिले में की गई है, जहां से आतंकी साजिश को अंजाम देने की तैयारी सामने आई। जांच में सामने आया है कि फैजान शेख नवसारी चारपुल इलाके में रह रहा था, जबकि उसका मूल निवास उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के नरपत नगर, डुंडावाला क्षेत्र में है। एटीएस के अनुसार आरोपी लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की नजर में था और उसकी गतिविधियों पर तकनीकी निगरानी रखी जा रही थी। मिली जानकारी के अनुसार, फैजान शेख ने अपनी पहचान छिपाकर अलग-अलग जगहों पर रहकर नेटवर्क खड़ा करने की कोशिश कर रहा था। एटीएस गुजरात की जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि फैजान शेख आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और अल-कायदा की विचारधारा से गहराई से प्रभावित था।

वह इन संगठनों के कट्टरपंथी विचारों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रचारित करता था। सोशल मीडिया अकाउंट के अनुसार, फैजान युवाओं को कट्टरपंथ की ओर प्रेरित करने की कोशिश कर रहा था। इसके साथ ही आतंकी हिंसा को वैचारिक समर्थन दे रहा था। एटीएस की प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि फैजान शेख ने हत्या की नीयत से अवैध रूप से हथियार और गोला-बारूद हासिल किए थे। सुरक्षा एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपी को हथियार कहां से मिले और उसके संपर्क किन-किन लोगों से थे। एटीएस गुजरात का कहना है कि इस गिरफ्तारी से एक बड़ी आतंकी साजिश को समय रहते नाकाम किया गया है

दक्षिणी राज्यों में बारिश की संभावना, मछुआरों को समुद्र के किनारे न जाने की सलाह

चेन्नई, 27 जनवरी (एजेंसियां)। चेन्नई मौसम विभाग के अनुसार, केरल तट के पास दक्षिण-पूर्वी अरब सागर में एक कम दबाव का सिस्टम बना है और उम्मीद है कि आने वाले दिनों में यह दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में मौसम को प्रभावित करेगा। मौसम विभाग ने अनुसार मंगलवार को दक्षिणी जिलों में एक या दो जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। खासकर, दक्षिणी तमिलनाडु के कुछ हिस्सों और पश्चिमी घाट के किनारे वाले जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। बाकी इलाके में मौसम ज्यादातर सूखा रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया गया कि 28 जनवरी से 30 जनवरी तक तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में मौसम सूखा रहने की संभावना है। हालांकि, इसके बाद हालात में बदलाव की उम्मीद है। 31 जनवरी और 1 फरवरी को, कम दबाव वाले सिस्टम के असर के कारण, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

इसके साथ ही बारिश के अलावा, इस सिस्टम से समुद्र में तेज सतही हवाएं चलने की भी उम्मीद है। मंगलवार और बुधवार को दक्षिणी तमिलनाडु के तटीय इलाकों, मन्नार की खाड़ी और कोमोरिन सागर में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ खराब मौसम की संभावना है। 29 और 30 जनवरी को भी कोमोरिन सागर क्षेत्र में इसी तरह की हवाएं चलने की संभावना है। इन स्थितियों को देखते हुए, मौसम विभाग ने मछुआरों के लिए सलाह जारी की है। मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे बताए गए दिनों में प्रभावित इलाकों में समुद्र में न जाएं, क्योंकि खराब समुद्री हालात और तेज़ हवाओं से जान और माल को काफी खतरा हो सकता है। मौसम अधिकारियों ने लोगों, खासकर तटीय और पहाड़ी इलाकों में रहने वालों से सतर्क रहने और आधिकारिक अपडेट फॉलो करने का आग्रह किया है। हालांकि इस समय बड़े पैमाने पर भारी बारिश की उम्मीद नहीं है, लेकिन रुक-रुक कर होने वाली बारिश और तेज हवाओं से थोड़ी दिक्कतें हो सकती हैं, खासकर कमजोर इलाकों में।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र कम दबाव वाले सिस्टम के विकास पर करीब से नजर रख रहा है और उसने भरोसा दिलाया है कि अगर मौसम के पैटर्न में कोई बड़ा बदलाव होता है, तो आगे और सलाह जारी की जाएगी। लोगों से अनुरोध है कि वे आधिकारिक पूर्वानुमानों और चेतावनियों पर भरोसा करें और जरूरी सावधानियां बरतें, खासकर तेज हवाओं और खराब मौसम की स्थिति के दौरान।

सबरीमाला सोना चोरी मामले में विपक्ष ने की देवस्वोम मंत्री के इस्तीफे की मांग

तिरुवनंतपुरम, 27 जनवरी (एजेंसियां)। केरल विधानसभा में कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष (यूडीएफ) ने मंगलवार को साफ किया कि वह सबरीमाला मंदिर से सोना गायब होने के मामले में अपना विरोध जारी रखेगा। विपक्ष देवस्वोम मंत्री वी।एन। वासववन के इस्तीफे की मांग कर रहा है। हालांकि, विपक्ष ने यह भी कहा कि वे सदन की कार्यवाही चलने देंगे और उसमें सहयोग करेंगे। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी।डी। सतीशन ने बताया कि विरोध जताने के लिए यूडीएफ के दो विधायक, नजीब कंथापुरम और सी।आर। महेश, सदन के दरवाजे के बाहर सत्याग्रह करेंगे। इस पर मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि केरल हाई कोर्ट इस मामले की जांच पर खुद नजर रख रहा है। इसलिए विपक्ष के इस विरोध को विधानसभा नहीं, बल्कि कोर्ट के खिलाफ माना जाएगा। इसके बाद, विपक्ष सदन के बाहर चला गया और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूअमएल) के विधायक कंथापुरम और कांग्रेस विधायक महेश के 'सत्याग्रह' में शामिल हो गया।इससे पहले 22 जनवरी को भी विपक्ष ने मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर हंगामा किया था।

इसके बाद स्पीकर ने मुख्यमंत्री की सलाह पर 23 जनवरी का सत्र रद्द कर दिया था। यह मामला सबरीमाला मंदिर में रक्षक देवता की मूर्तियों और गर्भगृह के दरवाजों से सोना चोरी होने का है। मामले की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अब तक 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें मुख्य आरोपी बेंगलुरु का बिजनेसमैन उन्नीकृष्णन पोट्टी और त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के दो पूर्व अध्यक्ष शामिल हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सु वि चा र — मंजर धुंधला हो सकता है, मंजिल नहीं, दौर बुरा हो सकता है, जिंदगी नहीं!

सार्वजनिक सेवा में सुधार के उद्देश्य से राजस्व प्रणाली में व्यापक परिवर्तन : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के नागरिकों को तेज़, पारदर्शी और उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से राजस्व प्रणाली में व्यापक सुधार किए जा रहे हैं, यह जानकारी राज्य के राजस्व, आवास और सूचना जनसंपर्क विभाग मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने दी। उन्होंने बताया कि पिछले दशकों में पिछली सरकारों के स्वार्थपरक निर्णयों के कारण राजस्व प्रणाली पूरी तरह से भ्रष्ट हो गई थी। लेकिन पिछले दो वर्षों में माननीय मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के मार्गदर्शन और सुझावों के अनुसार, भ्रष्ट प्रणाली को सुधारते हुए राजस्व सेवाओं को जनता के नजदीक लाया गया है।

इंटीग्रेटेड कार्यालयों के निर्माण पर मंगलवार को सचिवालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। इस अवसर पर मंत्री ने बताया कि बाहरी रिंग रोड के क्षेत्र में 39 सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों को 11 क्लस्टरों में विभाजित किया गया है और यह निर्माण निजी निर्माण कंपनियों के माध्यम से सरकार पर कोई आर्थिक भार डाले बिना किया जा रहा है। निर्माण के साथ-साथ पांच वर्षों की संचालन जिम्मेदारी भी इन कंपनियों ने ली है। उन्होंने कहा कि तीन से पांच एकड़ क्षेत्र में कार्यालयों का निर्माण किया जा रहा है।

विवाह पंजीकरण के लिए मिनी मैरिज हॉल, गर्भवती महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सुविधाएँ, महिलाओं के लिए फीडिंग रूम, बच्चों के लिए क्रेच और वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांगों के लिए आधुनिक लिफ्ट जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष कार्यालयों के शंखनाद समारोह के लिए आवश्यक तैयारी जल्द पूरी की जाए। दूसरी चरण में जिला मुख्यालयों में इंटीग्रेटेड भवनों का निर्माण किया जाएगा और इसके लिए आवश्यक कार्यवाही तैयार की जाए। मंत्री ने बताया कि तालिम में इंटीग्रेटेड भवन निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और 2 जून तक जनता को उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। हाल ही में मेडचल जिले में भवन का शंखनाद किया गया और पठानचेरुवु-शंकरपल्ली मुख्य मार्ग के पास राजपुष्प कंस्ट्रक्शन द्वारा निर्मित इंटीग्रेटेड भवन का शंखनाद बुधवार को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्टाम्प और रजिस्ट्रेशन विभाग में स्लॉट बुकिंग और आधार सिग्नेचर जैसी सुविधाओं से जनता का समय काफी बचा है। राजस्व विभाग में ये सुधार केवल कार्यालयों के बदलाव तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जनता के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले सुधार भी हैं।

ध्यान की कमी अवांछित घटनाओं के मूल कारण : संजय श्रीवास्तव

कर्मचारियों को मिला महीने का सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एससीआर ने ट्रेन संचालन में सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए मंगलवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की। महाप्रबंधक एससीआर संजय कुमार श्रीवास्तव ने महीने का सुरक्षा पुरस्कार बारह कर्मचारियों को उनके समर्पण और सतर्कता के लिए प्रदान किए, जिन्होंने असुरक्षित परिस्थितियों को रोकने में योगदान दिया। इस बैठक में सत्यम प्रकाश, अतिरिक्त महाप्रबंधक, एससीआर सहित सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकाल, गुंटूर और नांदेड़ डिवीजनों के डिविजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए।

महाप्रबंधक ने स्टेशन मास्टर, लोको पायलट, पॉइंट्स मैन और की-मैन जैसे महत्वपूर्ण स्टाफ को महीने का सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। पुरस्कार सिकंदराबाद डिवीजन के 3, गुंटूर डिवीजन के 2, विजयवाड़ा डिवीजन के 2 और गुन्तकाल डिवीजन के 5 कर्मचारियों को दिए गए। महाप्रबंधक ने पुरस्कृत कर्मचारियों को बधाई दी और उनकी समर्पित सेवा की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार अन्य कर्मचारियों को सतर्क रहने और ट्रेन संचालन में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करेंगे। संजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि अनुमान और ध्यान की कमी अवांछित घटनाओं के मूल कारण हैं और कर्मचारियों को शॉर्टकट अपनाने से सावधान रहने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को नियमित सुरक्षा अभियान चलाने और कर्मचारियों को कार्य प्रक्रियाओं का पालन करने के महत्व पर ध्यान केंद्रित करने का आदेश दिया। महाप्रबंधक ने यह भी निर्देश दिया कि सुरक्षा अभियान के दौरान कार्यस्थलों/निर्माण स्थलों पर अधिकारी और पर्यवेक्षक अचानक निरीक्षण करें और सुनिश्चित करें कि सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन हो। उन्होंने जोर देकर कहा कि कार्यस्थल की सुरक्षा आवश्यकताओं से कभी समझौता नहीं किया जाना चाहिए और वहां के कर्मचारियों को सुरक्षा के सभी पहलुओं के प्रति संवेदनशील बनाया जाना चाहिए।

बैंक कर्मचारियों की हड़ताल, 5 दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग

खम्मम, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक कर्मचारियों ने मंगलवार को पांच दिवसीय कार्य सप्ताह को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर हड़ताल की और सड़कों पर प्रदर्शन किया, जिससे पूर्व खम्मम में बैंकिंग परिचालन प्रभावित हुआ। खम्मम और कोथागुडेम में यह विरोध प्रदर्शन यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के तत्वावधान में आयोजित किए गए। यह कदम मुख्य श्रम आयुक्त के साथ पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने के संबंध में बातचीत के विफल होने के बाद उठाया गया।

यूएफबीयू के प्रतिनिधित्व में नौ बैंक यूनियनों ने कहा कि इंडियन बैंक्स एसोसिएशन के साथ पूर्व समझौतों के बावजूद सरकार ने सभी शनिवारों को अवकाश घोषित नहीं किया। उन्होंने बेहतर कार्य-जीवन संतुलन और कर्मचारियों पर कार्यभार कम करने के लिए पांच दिवसीय बैंकिंग प्रणाली लागू करने की आवश्यकता बताई। हड़ताली कर्मचारियों ने नवप्रवर्तनीय श्रम संहिता और लाभ-आधारित प्रोत्साहनों को समाप्त करने, साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण का विरोध करने की भी मांग की।

मेडाराम जातरा के लिए टीजीएसआरटीसी ने शुरू की विशेष बस सेवाएं

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेडाराम जातरा में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने हैदराबाद और राज्य के अन्य हिस्सों से बड़े पैमाने पर विशेष बस सेवाएं शुरू की हैं। टीजीएसआरटीसी के जोनल कार्यकारी निदेशक एम. राजशेखर ने बताया कि अकेले हैदराबाद से 31 जनवरी के बीच 400 विशेष बसें चलाई जा रही हैं। ये बसें उप्पल, जगगदगिरिगुट्टा, जेबीएस और एमजीबीएस जैसे प्रमुख स्थानों से सीधे मेडाराम गड्डेलू तक जाएंगी।

उन्होंने बताया कि राज्य भर के 51 बस स्टेशनों से विशेष सेवाएं संचालित की जा रही हैं और जतारा के लिए लगभग 4,000 बसें तैनात की गई हैं। यात्रियों की संख्या बढ़ने पर अतिरिक्त बसों की भी व्यवस्था की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, जतारा के दौरान करीब 20 लाख श्रद्धालुओं के आरटीसी बसों से यात्रा करने की संभावना है। निर्बाध संचालन के लिए 10,400 से अधिक कर्मचारियों को चौबीसों घंटे तैनात किया गया है। मेडाराम में सीसीटीवी निगरानी के साथ एक कमांड और कंट्रोल सेंटर स्थापित किया गया है तथा चिकित्सा, पेयजल और सुरक्षा के लिए पुलिस व जिला प्रशासन के साथ समन्वय किया गया है।

मंत्री श्रीधर बाबू ने 'गुप्त बैठक' की अफवाहों को खारिज किया

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी और उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने मंगलवार को उन रिपोर्टों को खारिज किया, जिनमें हाल ही में मंत्रियों की एक बैठक को 'गुप्त बैठक' बताया गया था। उन्होंने इसे भ्रामक बताया। मंत्री ने बयान में कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवैधानिक जिम्मेदारी निभा रहे लोगों के बीच चर्चा को गलत रूप में पेश नहीं किया जाना चाहिए और न ही इसे राजनीतिक रंग देना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया और कुछ मीडिया द्वारा फैलायी जा रही झूठी कहानियों पर चिंता व्यक्त की। 'कैबिनेट एक संयुक्त इकाई के रूप में काम करती है। वरिष्ठ मंत्रियों के बीच प्रशासन संबंधी मुद्दों पर समन्वय करना हमारी जिम्मेदारी का हिस्सा है ताकि प्रशासन सुचारू रूप से चले' । उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह बैठक उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का के आवास पर हुई थी और इसमें केवल प्रशासनिक मामलों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि 'एट होम' कार्यक्रम के बाद मंत्री सार्वजनिक रूप से एक ही वाहन में यात्रा कर रहे थे और कोई भी गोपनीयता नहीं थी। बैठक में आगामी नगर निगम चुनावों की तैयारियों पर भी चर्चा हुई, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सामान्य और वैध हिस्सा है। उन्होंने कहा, ऐसी चर्चाओं को गुप्त बताना अनुचित है।' मंत्री ने कहा कि सरकार रचनात्मक आलोचना का स्वागत करती है, लेकिन अटकलें और व्यक्तिगत हमले लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करते हैं। उन्होंने मीडिया से जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने और राज्य के विकास में सकारात्मक योगदान देने का अनुरोध किया।

मवेशियों का शिकार करते बाघ की कैमरा में ट्रैप तस्वीरें

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यादाद्री भुवनगिरी जिले के तुरकापल्ली मंडल के जंगलों में मवेशियों का शिकार कर रहे बाघ को कैमरा की मदद से फिल्माया गया है। बाघ लगभग पाँच साल का और 250 किलोग्राम वजन का बताया गया है। वन अधिकारी के अनुसार, यह स्वस्थ बाघ मानव बस्तियों के आसपास घूम रहा है और हिरण, जंगली मवेशी या सूअर की अनुपलब्धता में मवेशियों का शिकार कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यह सात दशकों में पहली बार इस क्षेत्र में देखा गया बाघ है, जबकि वन विभाग का कहना है कि इस विशेष क्षेत्र में बाघ की उपस्थिति का कोई रिकॉर्ड नहीं है।

राज्य के विभिन्न आरक्षित वनों से पशु ट्रैकर जिले में पहुंचे हैं और स्थानीय वन अधिकारियों के साथ बाघ की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। इस दौरान विशेष टीमें गठित की गई हैं। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंगलवार को दत्ताइपल्ली, इब्राहिमपुर और रल्ला जनागांव का दौरा किया और 'पशु वध' स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों और ग्रामीणों को सतर्क रहने और वन क्षेत्र में निरंतर निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

साइबर जालसाजों ने की तीन लोगों से 3.26 करोड़ की ठगी

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर जालसाजों ने फर्जी ऑनलाइन नौकरी और शेयर बाजार निवेश योजनाओं के जाल में फंसाकर हैदराबाद के तीन निवासियों से कुल 3.26 करोड़ रुपये की ठगी की है।

एक मामले में, मियापुर के रक्षा विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी को टेलीग्राम पर घर से काम करने का झांसा देकर 91.03 लाख रुपये का चूना लगाया गया। दूसरे मामले में, दुंडीगल की एक गृहिणी ने व्हाट्सएप पर बनाए गए "वीआईपी" स्टॉक निवेश क्लब में 1.09 करोड़ रुपये गंवा दिए। तीसरे मामले में, मदीनागुडा के पूर्व आईटी कर्मचारी को सोशल मीडिया पर ट्रेडिंग मार्गदर्शन के झांसे में 1.26 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। साइबरबाद साइबरक्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायतों के आधार पर मामले दर्ज कर उनकी जांच की जा रही है। पुलिस ने नागरिकों से सतर्क रहने और ऐसे ऑनलाइन नौकरी और निवेश प्रस्तावों से दूर रहने का अनुरोध किया है, जो सुनिश्चित या त्वरित लाभ का वादा करते हैं।

छात्र संघ चुनावों की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (एमएएनयू) के छात्रों ने मंगलवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। छात्रों ने लंबे समय से लंबित छात्र संघ चुनावों को तत्काल बहाल करने की मांग की है। छात्र नेता स्वलेह अंसारी ने कहा कि पूरे शैक्षणिक वर्ष के दौरान बार-बार निवेदन के बावजूद प्रशासन उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं ले रहा। उन्होंने बताया कि शिक्षक और कर्मचारियों के संघ चुनाव तो हो चुके हैं, लेकिन छात्रों को प्रतिनिधित्व के उनके लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित रखा गया है।

छात्र नेता राफे आज़मी ने प्रशासन की धमकियों की निंदा करते हुए कहा कि निरीक्षक ने सोमवार देर रात परिसर में शांति भंग करने के आरोप में छात्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की धमकी दी। उन्होंने बताया कि विरोध शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनका आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक छात्र संघ चुनाव की आधिकारिक घोषणा नहीं होती और अधिकारियों के साथ बातचीत पारदर्शी और छात्रों की उपस्थिति में हो।

विंग्स इंडिया 2026 से पहले हैदराबाद में सूर्य किरण टीम का हवाई पूर्वाभ्यास

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एशिया के सबसे बड़े नागरिक उड्डयन कार्यक्रम "विंग्स इंडिया 2026' के शुरू होने से एक दिन पहले हैदराबाद में भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने मंगलवार को रोमांचक हवाई करतबों का पूर्वाभ्यास किया। सटीक उड़ान और समन्वित संरचनाओं ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विंग्स इंडिया 2026 का आयोजन बुधवार 28 जनवरी से शनिवार 31 जनवरी 2026 तक किया जाएगा। यह कार्यक्रम नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा एफआईसीसीआई के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस चार दिवसीय आयोजन के दौरान प्रतिदिन हवाई करतबों की श्रृंखला देखने को मिलेगी। 28 जनवरी को सूर्य किरण टीम सुबह 11 बजे से 11.30 बजे तक प्रदर्शन करेगी, जबकि मार्क जेफरी एरोबेटिक टीम दोपहर और शाम में हवाई करतब दिखाएगी। इसी दिन शाम को ड्रोन शो भी आयोजित किया जाएगा। 29 से 31 जनवरी तक सूर्य किरण टीम और मार्क जेफरी टीम प्रतिदिन निर्धारित समय पर प्रदर्शन करेंगी। कार्यक्रम में वैश्विक विमानन क्षेत्र के दिग्गजों की भागीदारी के साथ भारत की विमानन क्षमताओं और नवाचार का प्रदर्शन किया जाएगा।

कविता का बड़ा आरोप: सीएम रेवंत के जासूस हैं संतोष राव

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष कविता ने पूर्व सांसद और बीआरएस नेता संतोष राव पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के लिए जासूसी करने का सनसनीखेज आरोप लगाया। कविता ने कहा कि संतोष राव ने तेलंगाना आंदोलन के कार्यकर्ताओं को बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के . चंद्रशेखर राव से मिलने से रोका। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संतोष राव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को जानकारी दी कि केसीआर ने अपने फार्महाउस में आधा इडली खाया या पूरा। कविता ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं है कि रेवंत रेड्डी अपने जासूस पर कोई कार्रवाई करेंगे। कविता ने यह भी कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि केटी रामाराव और हरीश राव जैसे लोग संतोष राव जैसे व्यक्ति का समर्थन क्यों कर रहे हैं।

कविता ने एक्साइज और वन अधिकारियों के लिए हथियार की मांग की

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष और पूर्व एमएलसी के . कविता ने राज्य सरकार से एक्साइज और वन अधिकारियों को हथियार उपलब्ध कराने की मांग की। कविता ने मंगलवार को एक्साइज कांस्टेबल सौम्या की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली, जो गांजा गिरोह के हमले में गंभीर रूप से घायल हुई हैं और निम्स अस्पताल में उपचाराधीन हैं। उन्होंने परिवार के प्रति संवेदना भी व्यक्त की। कविता ने कहा कि राज्य में कानून और व्यवस्था बिगड़ गई है और अपराधी निडर होकर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने घरेलू हिंसा और महिला अधिकारियों की असुरक्षा की भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि गांजा सप्लाई और तस्करों को एक्साइज पुलिस से कोई डर नहीं है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि अधिकारियों को सुरक्षा दी जाए और पहले की तरह उन्हें हथियार उपलब्ध कराए जाएँ।

आबकारी कांस्टेबल सौम्या की हालत बनी हुई है गंभीर

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 23 वर्षीय आबकारी कांस्टेबल जी. सौम्या, जो 23 जनवरी को ड्यूटी के दौरान एक तस्कर कार द्वारा कुचली गई थीं, की स्वास्थ्य स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। उन्हें 25 जनवरी को निज़ाम आयुर्वेद संस्थान (एनआईएमएस) में भर्ती कराया गया। स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, सौम्या फिलहाल वेंटिलेटर पर हैं, होश में हैं और निर्देशों का पालन कर रही हैं। उन्हें गुर्दे की सहायता सीआरआरटी (निरंतर गुर्दा प्रतिस्थापन चिकित्सा) के माध्यम से दी जा रही है, और लगातार हृदय निगरानी और अल्ट्रासाउंड किया जा रहा है। उनके लीवर, पसलियों और आंतरिक अंगों में चोटें आई हैं और कई यूनिट खून चढ़ाया जा चुका है।

घटना उस समय हुई जब आबकारी दल ने तस्करी के संदेह में एक कार को रोका और सौम्या उसके सामने खड़ी हुई, तब चालक ने वाहन की रफ्तार बढ़ा दी और उन्हें कुचल दिया। सर्जरी के दौरान उनकी तिल्ली और एक गुर्दा निकालना पड़ा। एनआईएमएस की बहु-विषयक टीमों में आपातकालीन चिकित्सा, नेफ्रोलॉजी, सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, कार्डियोलॉजी, यूरोलॉजी और कार्डियो थोरेसिक सर्जरी शामिल हैं, जो उनकी बारीकी से निगरानी कर रही हैं। अस्पताल के अनुसार, हालांकि उनकी स्थिति में कुछ सुधार हुआ है, फिर भी उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

भाजपा महिला मोर्चा की बैठक में चुनाव को लेकर हुई चर्चा

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में आगामी नगर पालिका एवं नगर निगम चुनावों को ध्यान में रखते हुए आज भाजपा राज्य कार्यालय में महिला मोर्चा के नेतृत्व में एक तैयारी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव, राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं चुनाव सह-प्रभारी अशोक परनामि, राज्यसभा सांसद एवं चुनाव सह-प्रभारी रेखा शर्मा, प्रदेश महामंत्री वीरेंद्र गौड़ सहित अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

विशेष रूप से इस बैठक में आगामी चुनावों की रणनीतियों की समीक्षा की गई। साथ ही पार्टी के नेतृत्व में चलाए जाने वाले कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने, तथा पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बनाकर प्रचार अभियान को मजबूत करने के लिए सभी को सक्रिय रूप से कार्य करने का मार्गदर्शन दिया गया।

सार्वजनिक सूचना

इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि, मेरे मुवक्किल (क्लायंट) ने, अधोलिखित प्रापर्टी-- बोग्गुलकुंटा, तिलक रोड, हैदराबाद, तेलंगाना स्थित संपत्ति जायदाद--प्रापर्टी संख्यक.4-1-898, 4-1-898/ए & 4-1-898/बी, तत्संबंधित कुल अधिमापन क्षेत्र 6817 स्के.याड्र्स, या 5699.69 स्के.मीटर्स है (जिसमें भूमि विस्तार अधिमापन 432.39 स्के.याड्र्स, या 361.52 स्के.मीटर्स शामिल है, जिसे सडक चौडीकरण हेतु आवंटित किया गया है) तथा इस प्रापर्टी की उत्तर दिशा में- मेथोडिस्ट हायस्कूल प्लेग्राउण्ड, दक्षिण दिशा में- सड़क, पूर्व दिशा में- पडोसी की प्रापर्टी, पश्चिम दिशा में-पडोसी प्रापर्टी स्थित उक्त संपत्ति जायदाद को, मेसर्स जेएमजे गणपतिजी महाराजा हास्पिटालिटी प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में इसे मेसर्स असरानी इन्न्स एण्ड रिसार्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) से खरीदने का इरादा किया है।

अतः समस्त व्यक्ति, व्यक्तिगण या इन्डीवीड्यूअल्स, संस्थाएं या कारपोरेट्स निकाय, यदि कोई भी, उपरोक्त प्रापर्टी पर या उसके भीतरी भाग में बिक्री, बिक्री अनुबंध या एग्रीमेंट आफ सेल, गिफ्ट, विनिमय या एक्सचेंज, लीज, सब-लीज, विरासत, उत्तराधिकार, इनहेरिटेंस,, मार्टगेज, चार्ज, लाइन, ट्रस्ट,इजमेंट स्वामित्व, अधिकार या पजेशन, किराएदारी, एटैचमेंट, जब्ती, निषेधाज्ञा, इंजक्शन, लिटिगेशन या अन्य के माध्यम से अपना दावा करते हैं या अधिकार, टायटल, डिमांड जताते हैं या इस प्रापर्टी के हिस्से पर दावा आदि जताते हैं तो, ऐसे व्यक्तियों द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को, इस नोटिस की प्रकाशन की तिथि से लेकर 7 (सात) दिनों के भीतर, जैसे दावा, तत्संबंधित दस्तावेजी सबूत के समर्थन में लिखित रूपमें, अधिसूचित करना होगा।

उपरोक्त निर्धारित अवधि के भीतर दावों या क्लेम प्रस्तुत न करने की स्थिति में यह निश्चित तौर पर समझा जायेगा कि, उक्त प्रापर्टी पर किसी का भी कोई भी दावा या रुचि कदापि नही हैं तथा इसके चलते प्रस्तावित बिक्री /लेनदेन की प्रक्रिया, बिना किसी संदर्भ या ऐसे किसी दावे की मान्यता के पूरी की जायेगी, और इसे सभी उद्देश्यों के लिए त्याग, परित्यक्त किया गया और समाप्त मान लिया जाएगा।

हस्ता./--
मेसर्स पुरुषोत्तमलाल
एडवोकेट्स एण्ड एसोसिएट्स
पुरुषोत्तमलाल, अंकित सोंथालिया, आयुष सोंथालिया, के. दिलीप रेड्डी, आकर्ष अगरवाल, जी. कीर्ति, एम. विजिता, आलिया अख्तर, वंशिका शर्मा
#104, एलबीके निवास, म.नं.3-4-758, बरकतपुरा, हैदराबाद, तेलंगाना
सेल: 9246349717

आदर्श योजना विभाग
संस्कृत संवर्धन की योजना
अन्तर्गत
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली
संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित
56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

विज्ञापन संख्या: 01/2026 — दिनांक: 28.01.2026

भर्ती की अधिसूचना 01/2026

संस्कृत संवर्धन के लिए भारत सरकार की केंद्रीय योजनाओं को कार्यान्वित करने हेतु शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की नोडल एजेंसी के रूप में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली (CSU) कार्यरत है। केंद्रीय योजनाओं में से एक, अर्थात "आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों (ASMs) / आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों (ASSSs) के रूप में मान्यता प्राप्त संस्थानों को वित्तीय सहायता की योजना (संशोधित आदर्श योजना-2022)" के अंतर्गत, देश के विभिन्न राज्यों में विभिन्न संस्थानों को वित्तीय सहायता के लिए ASM/ASSS के रूप में मान्यता दी गई है। इस संदर्भ में, इस योजना में निहित प्रावधानों के अंतर्गत, देश के विभिन्न भागों में स्थित मान्यता प्राप्त ASMs/ASSSs में निम्नलिखित गैर शैक्षणिक/अन्य शैक्षणिक पदों पर सीधी भर्ती के लिए भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं: -

पदों का नाम एवं स्तर (7वें वेतन आयोग के अनुसार)	पदों की संख्या	आरक्षण, पात्रता, योग्यता एवं अन्य आवश्यक शर्तें
कॉलेज लाइब्रेरियन (शैक्षणिक स्तर 10)	04	पात्रता मानदंड, योग्यता, आयु सीमा, क्षेत्रवार भर्ती प्रक्रिया, रिक्तियों का संस्थावार विभाजन, आरक्षण तथा अन्य आवश्यक शर्तें एवं आवेदन प्रक्रिया इत्यादि का विवरण विस्तृत अधिसूचना में उपलब्ध है। यह अधिसूचना सीएसयू (CSU) की वेबसाइट www.sanskrit.nic.in पर Recruitment/Notification (भर्ती/अधिसूचना) शीर्षक के अंतर्गत उपलब्ध है साथ ही संबंधित संस्था की वेबसाईट पर भी उपलब्ध है।
अनुभाग अधिकारी (स्तर 7)	01	
सहायक (स्तर 6)	15	
प्रोफेशनल असिस्टेंट (स्तर 6)	01 *	
यूडीसी (स्तर 4)	02	
एलडीसी (स्तर 2)	20	
आवेदन की प्रारंभिक तिथि 28.01.2026 है तथा विज्ञापन की अंतिम तिथि 27.02.2026 को रात 11.30 बजे (IST) तक है।		

यह विज्ञापन उन 19 अनुदान प्राप्त आदर्श संस्थानों की ओर से केवल एक संक्षिप्त अधिसूचना है, जो संबंधित चयनित उम्मीदवारों के लिए नियुक्ति प्राधिकारी है। अतः इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे सभी आवश्यक जानकारी के लिए विस्तृत विज्ञापन देखें।

cbc 21212/12/0004/2526

हस्ता./-
कुलसचिव (प्र.)

यूपी सरकार की बड़ी कार्रवाई

इस्तीफे के बाद सिटी मजिस्ट्रेट अग्निहोत्री निलंबित

> शामली के कलेक्टर ऑफिस से अटैच

बरेली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री को प्रदेश सरकार ने निलंबित कर दिया। उन्हें शामली के कलेक्टर ऑफिस से अटैच किया गया है। मामले की जांच मंडलायुक्त बरेली को सौंपी गई है। इससे पहले, बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट के पद से अलंकार अग्निहोत्री ने सोमवार को इस्तीफा देकर पूरे प्रदेश के प्रशासनिक वर्ग में खलबली मचा दी थी। इस्तीफा उन्होंने 26 जनवरी जैसे मौके पर दिया, जब पूरा देश गणतंत्र दिवस मना रहा था।

अलंकार अग्निहोत्री ने प्रयागराज के माघ मेले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हुई घटना को लेकर अपना विरोध जताने के लिए हर किसी को हैरत में डालने वाला तरीका अपनाया है। उन्होंने राज्यपाल और निर्वाचन आयोग को भेजे गए सात पेज के अपने इस्तीफा में सबसे नीचे स्पष्ट लिखा है कि अब केंद्र एवं राज्य सरकार में न ही जनतंत्र है और न ही गणतंत्र है, बस भ्रमतंत्र है। देश में अब देशी सरकार नहीं विदेशी जनता पार्टी की सरकार है। उन्होंने यूजीसी बिल पर भी विरोध जताया है।

इस्तीफे में क्या लिखा?

अलंकार अग्निहोत्री ने अपने इस्तीफा में उत्तर प्रदेश सिविल सेवा वर्ष 2019 बैच का अपने को राजपत्रित अधिकारी बताया है। साथ ही उन्होंने अपनी शिक्षा दीक्षा बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में होने का जिक्र किया है।

अलंकार अग्निहोत्री ने शासन-प्रशासन के खिलाफ खोला मोर्चा

कहा-डीएम से एक सवाल पूछना था

बरेली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट पद से इस्तीफा देने के बाद दूसरे दिन मंगलवार को अलंकार अग्निहोत्री काफी आक्रामक नजर आए। सुबह उन्हें सरकारी आवास पर समर्थकों के साथ बैठक करने से रोके जाने और हाउस अरेस्ट किए जाने के बाद अलंकार 11:30 बजे डीएम से मिलने के लिए कलक्ट्रेट पहुंचे। लेकिन कलक्ट्रेट का गेट बंद होने से वह समर्थकों के साथ गेट के पास ही जमीन पर बैठकर धरना देने लगे। लगभग घंटे भर वह जमीन पर ही बैठे रहे और उनके समर्थक नारेबाजी भी करते रहे। इस बीच एडीएम सिटी सौरभ दुबे, एडीएम न्यायिक देश दीपक सिंह, एडीएम प्रशासन पूर्णिमा सिंह और पुलिस के अधिकारी कलक्ट्रेट गेट पर ही मौजूद रहे, लेकिन वह लोग मीडिया के कैमरों से बचते नजर आए।

करते रहे इंतजार, नहीं आए डीएम

दोपहर 12:30 बजे के दौरान अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री को डीएम से वार्ता के बहाने कलक्ट्रेट सभागार में लेकर गए, जहां पुलिसकर्मी सभागार के अंदर मीडिया कर्मियों को जाने से रोकने लगे थे। जिस पर अलंकार अग्निहोत्री ने नाराजगी जताई और कहा कि बिना मीडिया के वह किसी अधिकारी से बात नहीं करेंगे। फिर कुछ देर तक सभागार में डीएम का इंतजार किया गया, लेकिन वह नहीं आए।

उन्होंने सीधे राज्यपाल को संबोधित करते हुए कहा है कि प्रयागराज में माघ मेले में मौनी अमावस्या के स्नान के दौरान ज्योतिष पीठ ज्योर्तिमठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द एवं उनके शिष्य, बटुक, ब्राह्मणों से स्थानीय प्रशासन ने मारपीट की। वृद्ध आचार्यों को मारते हुए बटुक ब्राह्मण को जमीन पर गिराकर एवं उसकी शिखा को पकड़कर घसीटकर पीटा गया और उसकी मर्यादा का हनन किया गया, चूंकि चोटी/शिखा ब्राह्मण, साधु संतों का धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रतीक है और मैं (अलंकार अग्निहोत्री) स्वयं ब्राह्मण वर्ग से हूं।

पत्र में आगे लिखा है कि प्रयागराज की घटना से यह स्पष्ट है कि स्थानीय प्रशासन द्वारा ब्राह्मणों का अपमान किया गया है। अलंकार अग्निहोत्री ने यह भी कहा है कि प्रयागराज में हुई घटना एक चिंतनीय एवं गंभीर विषय है और ऐसे प्रकरण इस सरकार में होना एक साधारण ब्राह्मण की आत्मा को कंपा देता है। इस प्रकरण से यह प्रतीत होता है कि स्थानीय प्रशासन एवं वर्तमान की राज्य सरकार एक ब्राह्मण विरोधी विचारधारा के साथ काम कर रही है एवं साधु संतों की अस्मिता के साथ खिलवाड़ कर रही है।

योगी के समर्थन में अयोध्या जीएसटी डिप्टी कमिश्नर का इस्तीफा

प्रशांत सिंह बोले-योगी का अपमान बर्दाश्त नहीं, मैं यहां का नमक खाता हूं

अयोध्या, 27 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी में शंकराचार्य का विवाद अब बढ़ता जा रहा है। अब सीएम योगी के समर्थन में अयोध्या के जीएसटी डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य की सीएम पर की गई टिप्पणी से उन्हें बहुत बुरा लगा। मैं इससे आहत हूं। मुख्यमंत्री का अपमान मैं अब बर्दाश्त नहीं कर सकता।"

प्रशांत कुमार सिंह ने कहा, "जिस प्रदेश से मुझे वेतन मिलता है, उसी का नमक खाता हूं, मैं उसी का साथ दूंगा। मैं तीन दिनों से परेशान था, इसलिए राज्यपाल को इस्तीफा भेज दिया है। इस्तीफा मंजूर होते ही मैं सामाजिक कामों में लग जाऊंगा।"

इससे पहले सोमवार को बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट ने भी इस्तीफा दिया था। इसकी वजह यूजीसी का नया कानून और अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों की पिटाई बताई थी।

18 जनवरी को माघ मेले में स्नान के लिए जा रहे अविमुक्तेश्वरानंद की पुलिस ने पालकी रोकी। विरोध पर शिष्यों से धक्का-मुक्की हुई, शिखा पकड़कर घसीटने का आरोप लगा। इसके बाद शंकराचार्य शिविर के बाहर धरने पर बैठ गए। 10 दिनों से शिविर में प्रवेश नहीं किया है। प्रशासन ने दो दिनों में दो नोटिस जारी कर शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा, जिनका अविमुक्तेश्वरानंद ने जवाब दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिना नाम लिए 'कालनेमि' कहा, जिससे विवाद और गहरा गया। जवाब में अविमुक्तेश्वरानंद ने योगी की तुलना कालनेमि और औरंगजेब से कर दी। शंकराचार्य विवाद पर संत समाज दो हिस्सों में बंट गया, जबकि तीनों शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में हैं। शंकराचार्य की मांग है कि प्रशासन माफी मांगे, तभी वह स्नान करेंगे।

रील विवाद में मक्का कारोबारी सूरज बिहारी की हत्या

पूर्णिया, 27 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्णिया जिले में मक्का व्यवसायी और सोशल मीडिया पर चर्चित चेहरे सूरज बिहारी की अपराधियों ने दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी। इस वारदात ने पूरे इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है, क्योंकि हत्या की वजह महज एक इंस्टाग्राम रील से उपजा मामूली विवाद बताया जा रहा है। पुलिस लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पूर्णिया जीएमसीएच भेज दिया और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान हो चुकी है और उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन कर संभावित ठिकानों पर छापामारी की जा रही है। यह घटना मरंगा थाना क्षेत्र के नेवालाल चौक के समीप घटित हुई। सूरज बिहारी हाल ही में अपनी नई लैंड रोवर कार और सोशल मीडिया रील्स को लेकर काफी चर्चा में थे, जिससे उनकी पहचान एक रसूखदार युवा व्यवसायी के रूप में बन गई थी।

बीपीएससी महिला टीचर का सुसाइड नोट-बेटी से मुखाग्नि दिलवाना, मम्मी, भइया मैं हार गई, सॉरी

पोस्टमॉर्टम मत करवाना; पति बैंक में डिप्टी मैनेजर

हाजीपुर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। वैशाली एक सरकारी स्कूल की महिला टीचर का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। मौके से सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। जिसमें टीचर ने लिखा- 'मम्मी-पापा सॉरी! मुझे किसी से भी कोई विवाद नहीं है।' स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी कटहरा थाना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर भेज दिया।

घटना जिले के कटहरा थाना क्षेत्र के सेहान गांव की है। मृतका की पहचान जंदाहा थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव निवासी दीपक राज की पत्नी प्रिया भारती के रूप में हुई है। टीचर की 3 महीने की एक बेटी है। मृतका टीचर हाई स्कूल खाजेचांद छपरा चेहरा काला प्रखंड में पोस्टेड थी। स्कूल के नजदीक किराए के मकान में रह रही थी।

रिटायर्ड सिविल सर्जन के घर 50 लाख की लूट

डॉक्टर बोले-पत्नी के मुंह में पिस्टल डाली, नशे का इंजेक्शन देकर बेहोश किया

जमुई, 27 जनवरी (एजेंसियां)। जमुई में रिटायर्ड सिविल सर्जन के घर 50 लाख की लूट हुई है। बताया जा रहा है कि सोमवार की सुबह 5 बजे बदमाश अचानक घर में घुसे और हथियार के बल पर डॉक्टर, उनकी पत्नी और बेटे को बंधक बनाया।

नशे का इंजेक्शन देकर बेहोश किया। इसके बाद आराम से लूटपाट कर गहने और कैश लेकर फरार हो गए। घटना गिद्धौर थाने से महज 15 मीटर दूर की है, लेकिन किसी को भनक तक नहीं लगी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज खंगाला। घटना के बाद डॉ. विजयेंद्र सत्यार्थी, उनकी पत्नी और बेटे को जमुई सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

कांग्रेस छोड़ने वाले शकील अहमद की बढ़ाई गई सुरक्षा

> राहुल गांधी पर लगाए थे गंभीर आरोप

पटना, 27 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस छोड़ चुके वरिष्ठ नेता शकील अहमद के पटना स्थित आवास के बाहर बिहार पुलिस ने सुरक्षा कड़ी कर दी है। यह कदम उस समय उठाया गया है, जब शकील अहमद ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर उनके पटना और मधुबनी स्थित आवासों पर हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया है।

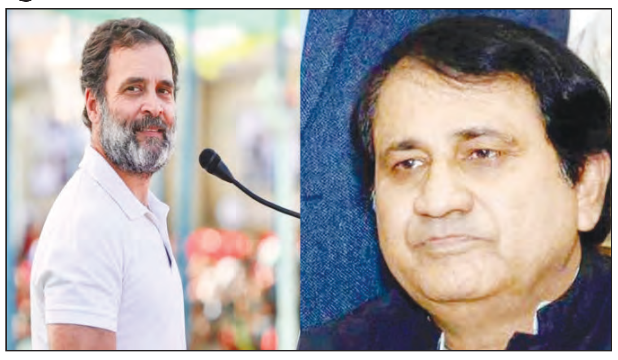

शकील अहमद ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट कर दावा किया कि कांग्रेस के कुछ सहयोगियों ने उन्हें "गुप्त रूप से" जानकारी दी है कि 27 जनवरी को उनके पटना और मधुबनी स्थित घरों पर हमला किया जा सकता है। उन्होंने कथित साजिश के सबूत के तौर पर कुछ व्हाट्सऐप मैसेज के स्क्रीनशॉट भी साझा किए हैं। इस मामले पर शकील अहमद ने मंगलवार को समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व, विशेषकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में अब शीर्ष नेतृत्व सिर्फ राहुल गांधी तक सीमित रह गया है और पार्टी पर उनका पूर्ण नियंत्रण है। अपने सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला देते हुए शकील अहमद ने कहा कि मैंने लिखा है कि कांग्रेस के कुछ सहयोगियों ने मुझे गुप्त रूप से बताया कि कल मेरे मधुबनी और पटना स्थित घर पर हमला हो सकता है। उन्होंने दावा किया कि यह कथित साजिश उनके द्वारा राहुल गांधी पर दिए गए बयानों के बाद रची गई है। शकील अहमद ने राहुल गांधी पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा के कई नेता रोजाना राहुल गांधी पर बयान देते हैं, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करता।

'लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया था'

शकील अहमद ने कहा कि अमित शाह जी हर दिन राहुल गांधी पर बयान देते हैं। उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं होती? मैं तो अब कांग्रेस में भी नहीं हूं। कांग्रेस से अपने संबंधों को स्पष्ट करते हुए शकील अहमद ने कहा कि वह कांग्रेस के दुश्मन नहीं, बल्कि शुभचिंतक हैं। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने किसी अन्य पार्टी में शामिल न होने का संकल्प लिया है और उनका अंतिम वोट भी कांग्रेस को ही जाएगा। कांग्रेस से अलग हुए शकील अहमद ने राहुल गांधी पर वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा करने और पार्टी के भीतर आंतरिक लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी ने यूथ कांग्रेस और एनएसयूआई को एकजुट कर वरिष्ठ और स्थापित नेताओं को पार्टी से बाहर करने की रणनीति बनाई है। एएनआई से बातचीत में शकील अहमद ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी यूथ कांग्रेस और एनएसयूआई को इसलिए आगे बढ़ा रहे हैं।

'यूजीसी की वजह से एक जाति के लोग दूसरी के खिलाफ होंगे खड़े'

नए नियम वापस ले सरकार

प्रयागराज, 27 जनवरी (एजेंसियां)। यूजीसी के नए नियमों को लेकर विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। नेताओं के बाद अब साधु-संतों ने भी इसका विरोध शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में साधु-संतों ने इसे वापस लेने की मांग की। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, कोई भी जाति जन्म से ही अन्यायपूर्ण नहीं होती। कोई भी व्यक्ति जन्म से ही न्यायप्रिय नहीं होता। हर जाति में अच्छे लोग और बुरे लोग होते हैं। कोई व्यक्ति अन्याय कर सकता है, लेकिन कोई भी जाति पूरी तरह से न्यायप्रिय या अन्यायपूर्ण नहीं होती। यूजीसी पर निशाना साधते हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि आप एक जाति को दूसरी जाति के खिलाफ खड़ा कर रहे हैं। इस गलत कदम से हिंदू धर्म को बहुत नुकसान हो सकता है। इसलिए इस कानून को तुरंत रद्द किया जाना चाहिए। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, आप सभी यूजीसी के बारे में जानते हैं। यह एक जाति को दूसरी जाति से लड़वाकर हिंदू समाज को खत्म करने की योजना है। यह सरकार चाहती है कि हिंदू आपस में लड़ें और खत्म हो जाएं। यह कैसा शासन है? ऐसा कानून क्यों लाया गया? एक जाति को दूसरी जाति के खिलाफ क्यों भड़काया जा रहा है? इसके पीछे क्या तर्क है? बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री के इस्तीफे पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद शंकराचार्य ने कहा, ₹बात यह है कि उनके दिल में दुख कितना गहरा होगा।

प्रेमिक का कत्ल और लाश के टुकड़े...कटा सिर न मिला

इसलिए अलग किए थे पैर; एचआर मैनेजर हत्याकांड में नया अपडेट

आगरा, 27 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा के पार्वती नगर (ट्रांस यमुना) की एक कंपनी की एचआर मिंकी हत्याकांड में पुलिस को अभी तक उसका सिर नहीं मिल सका है। आरोपी ने प्रेमिका मिंकी का सिर झरना नाले में फेंक दिया था। य

ुवती का धड़ पुलिस ने बरामद कर लिया, लेकिन सिर अभी तक पुलिस को नहीं मिला है। पुलिस ने सिर की तलाश में गोताखोरों को नाले में उतारा। सिर नहीं मिलने से परिजनों में आक्रोश है। वहीं, पुलिस ने धड़ का पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौंप दिया है। घरवालों ने बिना सिर के ही अंतिम संस्कार कर दिया है। पोस्टमार्टम में आरोपी की क्रूरता दिखाई दी। आरोपी ने सिर धड़ से अलग करने के अलावा दोनों पैर पर काटे थे। मिंकी के शरीर पर कई जगह चोट के निशान भी मिले हैं।

दरअसल, उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के थाना एत्माद्दौला स्थित जवाहर पुल पर 23 जनवरी की रात एक बजे युवती का सिर कटा शव बोरे में बंद मिला था। उसकी शिनाख्त पार्वती विहार, टेढ़ी बगिया की मिंकी शर्मा (25) के रूप में हुई। वह संजय प्लेस के मारुति प्लाजा की छठवीं मंजिल पर स्थित प्राइवेट कंपनी में एचआर मैनेजर थीं।

किसी और से बात करने लगी थी मिंकी

प्रेमी को गिरफ्तार कर पुलिस ने 24 घंटे में हत्याकांड का खुलासा किया। हत्या त्रिकोणीय प्रेम के शक में की गई थी। पुलिस ने बताया कि कंपनी के ही ट्रांस यमुना कॉलोनी निवासी कंप्यूटर ऑपरेटर विनय राजपूत ने मिंकी की हत्या कर शव को फेंका था। दोनों के बीच प्रेम संबंध थे, मगर छह महीने से मिंकी किसी और से भी बात करने लगी थी। यह बात विनय को नागवार लगी।

छह फरवरी को मिंकी के भाई की शादी

पार्वती विहार निवासी अशोक शर्मा एक कोल्ड स्टोरेज में कार्यरत हैं। उनकी तीन बेटियों में मिंकी सबसे छोटी थी। दो विवाहित हैं। छोटा भाई दीपक है। वह प्राइवेट जॉब करता है। उसकी 6 फरवरी की शादी है।

शादी का कार्ड कूरियर करने की बात कहकर घर से निकली थी मिंकी

मिंकी होटल मैनेजमेंट का कोर्स करने के बाद संजय प्लेस में मारुति प्लाजा की छठवीं मंजिल पर एक कंपनी में एचआर थी। 23 जनवरी की दोपहर 2 बजे वो घर से निकली थीं। उन्होंने परिजन से भाई की शादी का कार्ड कूरियर करने के लिए जाने की बात कही थी। रात आठ बजे तक नहीं आने पर परिजन ने तलाश की। फोन मिलाया, लेकिन वो बंद था। परिजन ऑफिस गए, मगर बंद मिला।

बालिका संरक्षण गृह से पांच लड़कियां फरार

मथुरा, 27 जनवरी (एजेंसियां)। राजकीय बालिका संरक्षण गृह से पांच लड़कियां सोमवार रात को फरार हो गईं। लड़कियों के गायब होने से संरक्षण गृह अफरा-तफरी मच गई। एसएसपी एवं पुलिस बल ने मौके पर पहुंच जांच के साथ तलाश शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि दो लड़कियां अपने घर पहुंच गई है। जबकि तीन लड़कियों के बारे में कुछ पता नहीं चल सका है। वृंदावन के चैतन्य विहार कालोनी स्थित राजकीय बालिका संरक्षण गृह की अधीक्षिका गायत्री मिश्रा ने पुलिस को सूचना दी कि संरक्षण गृह में रह रही पांच लड़कियां गायब हो गई है। सीसीटीवी एवं सुरक्षा गार्ड के बावजूद 14 से 17 वर्ष उम्रजी की लड़कियों के भाग जाने पर पुलिस विभाग में खलबली मच गई।

'आप दंगा कराना चाहते हैं-हर बार करते हैं ड्रामा'

चंदौली में सीओ और पूर्व विधायक के बीच तू-तू मैं मैं

चंदौली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। चंदौली जिले के सैयदराजा में सोमवार की रात मां सरस्वती की प्रतिमा के विसर्जन को लेकर सीओ और पूर्व विधायक आमने-सामने आ गए। दोनों में जमकर तू-तू मैं-मैं हुई। सीओ देवेंद्र कुमार ने पूर्व सपा विधायक मनोज सिंह डब्लू को कहा कि आप दंगा कराना चाहते हैं और हर बार इसी तरीके से ड्रामा करते हैं। वहीं पूर्व विधायक ने कहा कि विधायक के इशारे पर पुलिस ऐसा कर रही है, विसर्जन के लिए रोका जा रहा है।

क्या है पूरा मामला

सोमवार को जिले भर में मां सरस्वती की प्रतिमाओं का विसर्जन चल रहा था। इसको लेकर प्रशासन ने व्यवस्था बनाई थी। उधर, सैयद राजा में मूर्ति विसर्जन को लेकर एक आयोजक मंडल के युवा जा रहे थे। उनका आरोप था कि पुलिस दूसरे मार्ग से जाने को कह रही है जबकि वे दूसरे मार्ग से जाना चाह रहे हैं। इसको लेकर उन्होंने सपा के पूर्व विधायक मनोज सिंह को फोन किया, जिस पर वे मौके पर पहुंच गए। इसके बाद उन्होंने पुलिस का कड़ा विरोध किया और कहा कि पुलिस भाजपा के इशारे पर काम कर रही है। वह शंकराचार्य को गंगा स्नान से रोक सकती है तो कुछ भी कर सकती है।

इस पर मौके पर मौजूद सदर सीओ देवेंद्र सिंह भड़क गए और उन्होंने कहा कि आप क्षेत्र में दंगा कराना चाहते हैं। आप हर बार ड्रामा करते हैं। वहीं विधायक ने कहा कि ड्रामा पुलिस कर रही है और वर्तमान विधायक के इशारे पर यह सारा काम कराया जा रहा है। सीओ देवेंद्र सिंह ने कहा कि विसर्जन के लिए सीधे मार्ग की व्यवस्था की गई है और इस मार्ग से सबको जाना है, लेकिन कुछ लोग इसमें व्यवधान उत्पन्न कर रहे थे।

हिंदू छात्रा को पहनाया बुर्का, गहरी साजिश के शक में खुफिया एजेंसियां; मुस्लिम छात्राएं गायब

मुरादाबाद, 27 जनवरी (एजेंसियां)। मुरादाबाद में बारहवीं की छात्रा को बुर्का पहनाने का मामले में बिलारी पुलिस ने कोचिंग के शिक्षकों सहित छह लोगों के बयान लिए। पुलिस अभी किसी अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। पुलिस का कहना है कि अभी साक्ष्यों को इकट्ठा करने के लिए और बयान लिए जाएंगे।

बिलारी के एक मोहल्ले में रहने वाली 12वीं की छात्रा के भाई ने शुक्रवार को बिलारी थाने में उसकी पांच सहपाठी छात्राओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप लगाया कि उसकी 17 वर्षीय बहन बारहवीं कक्षा की छात्रा है। वह रोज कोचिंग सेंटर में पढ़ने जाती है। वहां उसकी सहपाठी छात्राएं उस पर बुर्का पहनने और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाती हैं। हफ्ते भर पहले उसे बुर्का पहना दिया गया था। बुर्का पहनाते हुए का वीडियो भी वायरल हो रहा है।

रिपोर्ट होने के बाद निरीक्षक अशोक कुमार सिंह ने जांच शुरू कर दी है। विवेचक ने रविवार को कोचिंग के शिक्षकों सहित छह लोगों के बयान लिया। इस दौरान विवेचक ने दस सवालों की सूची तैयार की थी। दिनभर विवेचक एक एक कर बचान दर्ज करते हैं। अंत में उन्होंने कहा कि अभी किसी अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंचे है। गोपनीय जांच की विस्तृत जानकारी नहीं सार्वजनिक नहीं की जा सकती है। इधर पुलिस की कार्रवाई के चलते शिक्षकों की भी सांसें फूल गई है। पुलिस घटना के दिन से लेकर कई दिनों की बातें पूछ रही है। छात्रा के भाई ने बुर्का पहनाने के पीछे गहरी साजिश का शक जताया तो खुफिया एजेंसी भी अलर्ट हो गईं। शनिवार को टीमें बिलारी पहुंच गई और अपने अपने स्तर से जांच पड़ताल में जुट गई हैं। बिलारी क्षेत्र के मोहल्ले में रहने वाली छात्रा के भाई ने पांच मुस्लिम छात्राओं पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उसका कहना है कि उसकी बहन को नॉनवेज भी परोसा गया है। उसे बुर्का पहनाकर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाया है।

राम मंदिर परिसर में खुलेंगे कुछ उप मंदिर

> बड़ी संख्या में होगी पुजारियों की भर्ती

अयोध्या, 27 जनवरी (एजेंसियां)। राम जन्मभूमि परिसर में व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। राम मंदिर में जल्द ही करीब 50 नए पुजारियों की भर्ती की जाएगी। यह प्रक्रिया परिसर में स्थित उप-मंदिरों में दर्शन व्यवस्था शुरू होने से पहले पूरी किए जाने की संभावना है, ताकि पूजा-अर्चना और दर्शन सुचारु रूप से संचालित किए जा सकें।

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और पूजा व्यवस्थाओं के विस्तार को देखते हुए अतिरिक्त पुजारियों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इसी क्रम में भर्ती की रूपरेखा तैयार की जा रही है। बताया जा रहा है कि चयनित पुजारी वैदिक परंपराओं में पारंगत होंगे और उन्हें राम मंदिर की धार्मिक मर्यादाओं व परंपराओं के अनुरूप दायित्व सौंपे जाएंगे। राम मंदिर में अभी 20 पुजारी कार्यरत हैं। इन पुजारियों को रामलला व राम दरबार के अलावा शेषावतार व परकोटे के छह मंदिरों के अतिरिक्त यज्ञमंडप, सप्त मंडपम व कुबेर टीला पर स्थित कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की जिम्मेदारी है।

राम मंदिर व राम दरबार के अतिरिक्त सात उप-मंदिरों में नियमित दर्शन शुरू कराने के लिए तीन शिफ्टों व सुबह-शाम की दोनों पालियों में 42 पुजारियों की जरूरत है जो कि आठ-आठ घंटे व उससे अधिक समय तक ड्यूटी कर सकें। इसके अलावा सप्त मंडपम व कुबेर टीला में सुबह सात बजे से शाम सात बजे तक के लिए आठ अतिरिक्त पुजारी की आवश्यकता है। इस तरह से कम से कम 50 पुजारियों की तत्काल आवश्यकता है।

कल मनेगा जया एकादशी का व्रत

इस दिन करें उपाय तो विष्णु भगवान की मिलेगी चमत्कारी कृपा

सनातन धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व होता है. साल में 24 एकादशी का व्रत रखा जाता है. प्रत्येक महीने दो एकादशी पड़ती है. हर एकादशी का अपना अलग महत्व भी होता है. ऐसी स्थिति में जनवरी के लास्ट सप्ताह में आने वाली एकादशी को जया एकादशी के नाम से जानते हैं. लेकिन इस बार जया एकादशी को लेकर कई तरह की कन्फ्यूजन भी हैं. कोई 28 जनवरी को बता रहा है तो कोई 29 जनवरी. ऐसी स्थिति में आज हम आपको इस रिपोर्ट में विस्तार से बताएंगे कि आखिर कब रखा जाएगा जया एकादशी का व्रत . तो चलिए विस्तार से जानते हैं.

कब है जया एकादशी का व्रत

दरअसल हिंदू पंचांग के अनुसार माघ महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 28 जनवरी को शाम 4:35 से शुरू हो रहा है .जिसका समापन 29 जनवरी दोपहर 1:55 पर समाप्त होगा. उदया तिथि के अनुसार 29 जनवरी को जया एकादशी का व्रत रखा जाएगा. अयोध्या के प्रसिद्ध कथावाचक पवन दास शास्त्री ने बताया कि हिंदू धर्म में एकादशी तिथि बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है इस दिन जगतपति भगवान श्री हरि विष्णु की पूजा आराधना की जाती है. व्रत रहा जाता है और शाम के समय भगवान विष्णु की पूजा आराधना करने के बाद अगले दिन पारण किया जाता है. एकादशी तिथि के दिन व्रत करने से भगवान श्री हरि विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन की समस्त मनोकामना पूरी भी होती है.

इस दिन करें यह उपाय

एकादशी तिथि के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करना चाहिए. पूजा के स्थान पर एक साफ चौकी पर आसान डालकर भगवान विष्णु की प्रतिमा को स्थापित करना चाहिए. उसके बाद भगवान श्री हरि विष्णु को भोग अर्पित करना चाहिए. फिर विधि विधान पूर्वक पूजा आराधना करनी चाहिए. जया एकादशी के दिन चावल और उससे बने खाद्य पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिए. इस पावन तिथि पर बाल और नाखून काटने से भी बचना चाहिए. साथ ही घर और पूजा स्थल को स्वच्छ तथा पवित्र रखना चाहिए. ऐसा करने से भगवान विष्णु की विशेष कृपा होती हैं.

शक्ति पीठों में सबसे रहस्यमय कामाख्या देवी मंदिर

कामाख्या देवी मंदिर का पौराणिक इतिहास

कामाख्या देवी मंदिर का इतिहास माता सती की कथा से जुड़ा माना जाता है। मान्यता के अनुसार, जब राजा दक्ष ने यज्ञ का आयोजन किया और उसमें भगवान शिव का अपमान किया, तो माता सती ने अपने प्राण त्याग दिए। इस घटना के बाद भगवान शिव अत्यंत क्रोधित हो गए और सती के शरीर को लेकर तांडव करने लगे। देवताओं ने सृष्टि की रक्षा के लिए भगवान विष्णु से सहायता मांगी। तब भगवान विष्णु ने अपने चक्र से माता सती के शरीर के टुकड़े कर दिए।

जहां-जहां सती के अंग गिरे, वहां शक्ति पीठ बने। कहा जाता है कि कामाख्या देवी मंदिर उस स्थान पर बना है जहां माता सती का योनि अंग गिरा था। इसी कारण यहां देवी को सृजन और नारी शक्ति का प्रतीक माना जाता है।

ऐतिहासिक विकास और मंदिर की संरचना

इतिहासकारों के अनुसार, कामाख्या देवी मंदिर का निर्माण अलग-अलग समय में हुआ। माना जाता है कि यह मंदिर पहले प्राग्ज्योतिषपुर राज्य के दौरान अस्तित्व में था। बाद में 8वीं से 9वीं शताब्दी के बीच इसे दोबारा बनाया गया। वर्तमान मंदिर का स्वरूप 16वीं शताब्दी में कोच वंश के राजा नर नारायण और उनके भाई चिलाराय द्वारा तैयार कराया गया।

मंदिर की वास्तुकला में स्थानीय असम शैली की झलक मिलती है। यहां का गर्भगृह नीचे की ओर बना है, जहां प्राकृतिक जल स्रोत हमेशा मौजूद रहता है। इसी जल को देवी का स्वरूप मानकर पूजा की जाती है।

अंबुबाची मेला और धार्मिक महत्व

कामाख्या देवी मंदिर का सबसे बड़ा उत्सव अंबुबाची मेला है, जो हर साल मानसून के समय होता है। मान्यता है कि इस दौरान देवी रजस्वला होती हैं और मंदिर के कपाट कुछ दिनों के लिए बंद कर दिए जाते हैं। इस समय को धरती की उर्वरता से जोड़ा जाता है। कपाट खुलने के बाद श्रद्धालुओं को पवित्र वस्त्र और प्रसाद दिया जाता है। यह मेला तंत्र साधकों, संतों और आम भक्तों के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। देश ही नहीं, विदेशों से भी लोग इस दौरान यहां आते हैं।

17 फरवरी को सूर्यग्रहण !

ज्योतिषाचार्य बोले- भारत में नहीं रहेगा असर, सूतक को लेकर न फैलाएं अफवाह!

ग्रहण भले ही विज्ञान की नजर में एक खगोलीय घटना हो, लेकिन ज्योतिष और आध्यात्मिक दृष्टि से इसका विशेष महत्व माना जाता है। चाहे चंद्रग्रहण हो या सूर्यग्रहण। दोनों ही स्थितियों में नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव बढ़ने की बात कही जाती है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार ग्रहण काल में कोई भी शुभ कार्य नहीं करना चाहिए। क्योंकि इसका असर मानव जीवन पर विपरीत पड़ सकता है।

जानें क्या कहते हैं ज्योतिषाचार्य

देवघर के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित नंद किशोर मुदगल बताते हैं कि साल 2026 का पहला सूर्यग्रहण 17 फरवरी को लगने जा रहा है। यह एक आंशिक सूर्यग्रहण होगा। ज्योतिषाचार्य के अनुसार ग्रहण काल समाप्त होने के बाद स्नान, जप-तप और दान-पुण्य करने की परंपरा शास्त्रों में बताई गई है। ऐसा करने से ग्रहण के अशुभ प्रभाव कम होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने यह भी बताया कि ग्रहण से पहले लगने वाले सूतक काल को अशुभ माना जाता है। इस दौरान किसी भी तरह के मांगलिक या शुभ कार्य करने की मनाही होती है।

ज्योतिषाचार्य के अनुसार यह सूर्यग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। इसलिए इसका ज्योतिषीय प्रभाव भी भारत पर नहीं पड़ेगा। यह ग्रहण अर्जेंटीना, चिली, दक्षिण अफ्रीका और अंटार्कटिका जैसे देशों में दिखाई देगा।

क्या भारत में सूतक काल होगा मान्य?

शास्त्रों के अनुसार सूर्यग्रहण से लगभग 12 घंटे पहले सूतक काल शुरू हो जाता है। इस समय पूजा-पाठ, भोजन पकाना और ग्रहण करना वर्जित माना जाता है। इस दौरान मंदिरों के कपाट भी बंद कर दिए जाते हैं और भगवान की प्रतिमा को स्पर्श नहीं किया जाता है। हालांकि सूतक काल तभी मान्य होता है। जब ग्रहण भारत में दिखाई दे। क्योंकि यह सूर्यग्रहण भारत में दृश्य नहीं होगा। इसलिए यहां सूतक काल भी मान्य नहीं रहेगा।

जानें ग्रहण का समय क्या रहेगा?

17 फरवरी 2026 को यह सूर्यग्रहण दोपहर 3 बजकर 26 मिनट 6 सेकंड पर शुरू होगा, शाम 5 बजकर 41 मिनट 9 सेकंड पर इसका मध्य होगा और शाम 7 बजकर 57 मिनट 6 सेकंड पर मोक्षकाल रहेगा। इस ग्रहण की कुल अवधि लगभग 4 घंटे 31 मिनट होगी।

जानें ग्रहण के दिन क्या-क्या न करें?

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि भले ही यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं दे रहा हो, फिर भी यह एक महत्वपूर्ण खगोलीय घटना है। इस दिन तामसिक भोजन से बचना चाहिए। ग्रहण काल में सोना नहीं चाहिए और पूजा-पाठ या हवन जैसे कार्य नहीं करने चाहिए। संयम और सकारात्मक सोच के साथ दिन बिताना ही सबसे बेहतर माना जाता है।

सोमवार या शनिवार? किस दिन शिवलिंग पर काले तिल चढ़ाने से खुलते हैं भाग्य के द्वार

शिवलिंग पर काले तिल चढ़ाना भी ऐसे ही एक पवित्र और प्रभावशाली उपाय है। महादेव को भोले भंडारी माना जाता है, जो भक्त की सच्ची प्रार्थना को जल्दी स्वीकार करते हैं। इसलिए शिवलिंग पर सही विधि से काले तिल चढ़ाने से ना सिर्फ शनि या राहु-केतु दोष से मुक्ति मिलती है, बल्कि जीवन में सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य लाभ और मानसिक शांति भी आती है। इसके अलावा, यह उपाय विवाह, नौकरी, आर्थिक लाभ और अन्य परेशानियों से छुटकारा पाने में भी सहायक माना गया है।

शिवलिंग पर काले तिल चढ़ाने के फायदे

1. शिवलिंग पर काले तिल अर्पित करने से शिव जी जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं।
2. कुंडली में राहु-केतु या शनि दोष होने पर इनसे मुक्ति मिलती है।
3. शनिवार को तिल चढ़ाने से शनि दोष से राहत मिलती है।
4. सोमवार को तिल अर्पित करने से नौकरी और करियर में उन्नति के अवसर बढ़ते हैं।
5. वैवाहिक जीवन में समस्याओं से मुक्ति और घर में सुख-शांति आती है।
6. स्वास्थ्य लाभ और मानसिक संतुलन मिलता है।
7. आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और घर में समृद्धि आती है।
8. काल सर्प दोष से मुक्ति पाने के लिए भी काले तिल का उपाय लाभकारी है।

शिवलिंग पर काले तिल चढ़ाने की विधि

सबसे पहले एक साफ पीतल या तांबे का लोटा तैयार करें।

अपनी हथेली में सात काले तिल के दाने लें।

यदि चाहें तो तिल लोटे में डाल सकते हैं।

शिवलिंग के सामने खड़े होकर अपनी मनोकामना मन में कहें।

जल अर्पित करते समय तिल को शिवलिंग पर डाल दें।

विधि का पालन सही तरीके से करें, ताकि महादेव जल्दी प्रसन्न हों।

हो सके तो लोटे पर कलावा बांधना भी लाभकारी होता है।

शिवलिंग पर काले तिल चढ़ाने का महत्व

काले तिल को बहुत पवित्र माना जाता है। इसे अर्पित करने से शनि दोष, राहु-केतु दोष, काल सर्प दोष और साढ़े साती जैसी परेशानियों से राहत मिलती है। जीवन में सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य और आर्थिक लाभ बढ़ते हैं। साधारण भाषा में कहें तो तिल के दान से जीवन में लगी नकारात्मक नजर या दोष दूर हो जाता है। सोमवार या शनिवार को शिवलिंग पर विधिवत तरीके से काले तिल चढ़ाने से शिव जी जल्दी प्रसन्न होते हैं और भक्त के सभी कष्ट दूर होते हैं।

सौभाग्य और समृद्धि के लिए ऐसा होना चाहिए घर का मेन गेट

आज के समय में घर बनाते समय लोग डिजाइन, रंग और आधुनिक सुविधाओं पर सबसे ज्यादा ध्यान देते हैं लेकिन घर के प्रवेश द्वार यानी मेन गेट को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। वास्तु शास्त्र में मेन गेट को सिर्फ एक दरवाजा नहीं बल्कि घर की आत्मा माना गया है। यही वह जगह है, जहां से हर दिन ऊर्जा, सोच और माहौल घर के अंदर प्रवेश करता है। अगर यह सही जगह और सही दिशा में हो तो जीवन में सुख-शांति अपने आप बनी रहती है, लेकिन अगर इसमें गड़बड़ी हो जाए तो बिना वजह परेशानियां जीवन में जगह बनाने लगती हैं।

कुछ लोगों का मानना है कि दक्षिण दिशा अशुभ होती है या उत्तर दिशा हमेशा शुभ होती है, लेकिन यह अधूरी जानकारी है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, हर दिशा के भीतर कई छोटे-छोटे हिस्से होते हैं, जिन्हें पद या ग्रिड कहा जाता है। मुख्य द्वार अगर सही पद पर बना हो तो वही दिशा शुभ फल देती है और अगर गलत पद पर हो तो अच्छी मानी जाने वाली दिशा भी परेशानी का कारण बन सकती है।

दक्षिण दिशा को लेकर सबसे ज्यादा भ्रम फैला हुआ है। बहुत से लोग मानते हैं कि दक्षिण मुखी घर में रहने से नुकसान होता है, लेकिन वास्तु शास्त्र इस सोच को पूरी तरह गलत मानता है। दक्षिण दिशा को ऊर्जा, स्थिरता और अनुशासन की दिशा कहा गया है। अगर इस दिशा में प्रवेश द्वार सही स्थान पर बना हो तो ऐसा घर व्यक्ति को धन, प्रतिष्ठा और समाज में सम्मान तक दिला सकता है। कई सफल और प्रभावशाली लोग दक्षिण मुखी घरों में रहते हैं। परेशानी तब आती है, जब यह द्वार गलत पद पर बना हो। तब वही घर मानसिक तनाव और आर्थिक दबाव बढ़ा सकता है।

पूर्व दिशा को सूरज की दिशा कहा जाता है। सूरज जैसे पूरी दुनिया को रोशनी देता है। वैसे ही पूर्व दिशा में बना सही प्रवेश द्वार घर में नई ऊर्जा भर देता है। इस दिशा का द्वार बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य और विचार पर अच्छा असर डालता है। घर में सकारात्मक माहौल बना रहता है और लोग खुद को ज्यादा सक्रिय और आत्मविश्वासी महसूस करते हैं। अगर यही द्वार पूर्व दिशा में गलत स्थान पर बन जाए तो आलस्य और अस्थिरता भी बढ़ सकती है।

मेन गेट की दिशा के साथ-साथ उसकी बनावट भी उतनी ही जरूरी होती है। वास्तु शास्त्र कहता है कि प्रवेश द्वार मजबूत, साफ और सुंदर होना चाहिए। टूटा हुआ, चरमराता या गंदा दरवाजा नकारात्मक ऊर्जा को न्योता देता है। मुख्य द्वार घर के बाकी दरवाजों से थोड़ा बड़ा होना शुभ माना गया है, ताकि सकारात्मक ऊर्जा बिना रुकावट अंदर आ सके। द्वार के सामने अंधेरा, कूड़ा, शौचालय या भारी चीजें होना अच्छा नहीं माना जाता, क्योंकि इससे ऊर्जा का प्रवाह रुक जाता है।

फरवरी में शनि की राशि कुंभ में चार बड़े ग्रहों के साथ राहु की युति

मेष राशि- सूर्य, मंगल, बुध और शुक्र ग्रह का शनि की राशि में आने से मेष राशि वालों को अच्छा लाभ होने की संभावना बन रही है। साथ ही बुध ग्रह मेष राशि के शुभ स्थान पर आने वाले हैं, जिससे जीवन में सकारात्मकता आएगी और कई अधूरे कार्य पूरे होने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। 4 फरवरी को बुध के मेष राशि के शुभ स्थान में प्रवेश करने के साथ ही इस राशि के जातकों का जीवन सकारात्मक रूप से बदलने लगेगा। नौकरी में पदोन्नति मिलेगी और व्यापार में तरक्की के लिए बनाई गईं योजनाओं से अच्छा फायदा होगा। आय और रोजगार के क्षेत्र में अनेक नए अवसर प्राप्त होंगे। शुभ ग्रहों के प्रभाव से आर्थिक परेशानियों से मुक्ति मिलेगी।

वृषभ राशि- मंगल, सूर्य, बुध और शुक्र ग्रह का शनि की राशि में आने से वृषभ राशि वालों को फायदा होगा और इस राशि के 10वें स्थान पर स्थित राशि स्वामी शुक्र के साथ पांच ग्रहों की युति से नौकरी में शुभ परिणाम प्राप्त होंगे और कई लोगों को करियर की शुरुआत करने का मौका मिलेगा। अगर पर्सनल लाइफ में कोई समस्या चल रही है तो वह दूर हो जाएगी और किसी धार्मिक यात्रा पर जाने का मौका मिलेगा। व्यवसाय और व्यापार में सक्रियता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और कोई भी कार्य शुरू करने पर सफलता मिलेगी।

मिथुन राशि- बुध, मंगल, सूर्य और शुक्र ग्रह का शनि की राशि में आने से मिथुन राशि वालों का कल्याण होगा और इस राशि के शुभ स्थान पर बुध सहित पांच ग्रहों का संयोग कई तरह से सौभाग्य लेकर आएगा। नौकरीपेशा लोगों और बेरोजगारों के विदेश में नौकरी पाने के प्रयास सफल होंगे। धीरे-धीरे पर्सनल व प्रफेशनल लाइफ में चल रहीं समस्याएं दूर होंगी। पिता की ओर से संपत्ति प्राप्त होगी। साथ ही वेतन, भत्ते, पेशे और व्यवसाय से होने वाली आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। ढेर सारी खुशखबरी और शुभ घटनाएं घटित होंगी।

तुला राशि

शुक्र, मंगल, सूर्य और बुध ग्रह का शनि की राशि में आने से तुला राशि वालों के लिए धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। शुक्र सहित चार ग्रहों के पंचम भाव में आने से इस राशि के लिए सब कुछ स्वर्णिम हो जाएगा। नौकरी में पदोन्नति मिलेगी और योग्यता को उचित मान्यता मिलेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और कई घरेलू कार्यों को पूरा करने में रिश्तेदारों का भी सहयोग मिलेगा। करियर और व्यापार में सफलता मिलेगी और संतान सुख-समृद्धि होगी। शेयर, सट्टेबाजी और वित्तीय लेन-देन से अपार आर्थिक लाभ होगा।

धनु राशि- सूर्य, मंगल, बुध और शुक्र ग्रह का शनि की राशि में आने से धनु राशि वालों के लिए शुभ रहने वाला है। इस राशि के तीसरे भाव में पांच ग्रहों का युति होना एक विशेष बात है और साथ ही इस राशि का स्वामी, गुरु, इस पर दृष्टि भी डाल रहा हैं। इस राशि वालों को एक महीने तक अधिक सफलताएं और उपलब्धियां शुभ योग के प्रभाव से प्राप्त होंगी। आपकी लाइफ स्टाइल में पूर्ण परिवर्तन आएगा और वे हर कार्य में सफल होंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं और साक्षात्कारों में बड़ी सफलता प्राप्त करेंगे और आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

मकर राशि- मंगल, सूर्य, बुध और शुक्र ग्रह का शनि की राशि में आने से मकर राशि वालों के लिए अच्छा रहेगा। इस राशि वालों के लिए धन के स्थान पर पांच ग्रह नक्षत्र के बनने से धन, अनाज और संपत्ति में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति के नए नए मार्ग मिलेंगे, जिससे आर्थिक लाभ होगा और परिवार की जरूरतों को आसानी से पूरा कर पाने की स्थिति में होंगे। शेयर और सट्टेबाजी में अच्छा लाभ मिलेगा और सभी बकाया राशि प्राप्त होगी। आपके संपत्ति संबंधी विवाद अनुकूल रूप से हल होंगे।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 28 जनवरी- 2026

तमिलनाडु में फिर हिंदी पर विवाद

तमिलनाडु में एक बार फिर से हिंदी को लेकर विरोध तेज हो गया है। देखा जाए तो यह कोई नया विषय नहीं है। इसकी नींव आज़ादी से पहले ही पड चुकी थी। वर्ष 1937 में, जब तत्कालीन मद्रास प्रेसीडेंसी में सी. राजगोपालाचारी की सरकार ने स्कूलों में हिंदी लागू करने का समर्थन किया था, तभी इसका तीखा विरोध शुरू हो गया था। उस समय द्रविड़ आंदोलन के नेताओं, विशेषकर ई.वी. रामासामी 'पेरियार', ने इसे तमिल अस्मिता पर हमला मानते हुए आंदोलन छेड़ दिया था। विरोधस्वरूप उग्र आंदोलन के साथ ही हिंसक घटनाएं हुईं, जिसमें दो लोगों की जान भी गई थी। इसके बाद 1965 में हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की कोशिशों ने एक बार फिर पूरे तमिलनाडु और अन्य गैर-हिंदी भाषी राज्यों में भारी आक्रोश पैदा कर दिया था। उस दौर में डीएमके के प्रमुख नेता सी.एन. अन्नादुरई आंदोलन की अगुवाई कर रहे थे। आंदोलन के दौरान उन्हें मद्रास के पचैयप्पा कॉलेज से गिरफ्तार भी किया गया। यह वही आंदोलन था, जिसने तमिल राजनीति की दिशा हमेशा के लिए बदल दी। तब से आजतक डीएमके नेताओं का यही कहना है कि केंद्र सरकार द्वारा हिंदी को आगे बढ़ाने की कोशिशें संघीय ढांचे और भाषाई विविधता के विरुद्ध हैं। अन्नादुरई का तो कथन रहा है कि हमारी मातृभाषा ही हमारी पहचान और जीवनशैली है। आज, दशकों बाद, वही बहस एक बार फिर जीवित हो उठी है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के हालिया बयानों ने यह संकेत दिया है। रविवार को डीएमके द्वारा चेन्नई में "भाषा शहीद दिवस" मनाया गया, जिसमें उन लोगों को श्रद्धांजलि दी गई, जिन्होंने हिंदी विरोधी आंदोलनों के दौरान अपने प्राण न्योछावर किए थे। मुख्यमंत्री स्टालिन ने सोशल मीडिया पर साफ शब्दों में लिखा कि "न तब, न अब और न ही कभी हिंदी को यहां थोपने की अनुमति दी जाएगी।" उनका कहना है कि तमिलनाडु के लोग अपनी भाषा को अपनी सांसों की तरह प्यार करते हैं। इसलिए उन पर हिंदी थोपना कतई ठीक नहीं होगा। केंद्र सरकार और तमिलनाडु सरकार के बीच यह टकराव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लेकर भी दिखाई देता है। केंद्र का कहना है कि नीति में किसी एक भाषा को अनिवार्य नहीं किया गया है, बल्कि भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने की बात की गई है। वहीं डीएमके इसे "हिंदी थोपने का अप्रत्यक्ष प्रयास" बताकर लगातार विरोध कर रही है। डीएमके नेतृत्व का यह भी कहना है कि किसी एक भाषा को श्रेष्ठ बताना अन्य भाषाओं के अधिकारों और पहचान पर आघात है। इसी सोच के तहत तमिलनाडु ने हमेशा भाषा-आधारित प्रभुत्व का विरोध किया है। इतिहास गवाह है कि 1965 का आंदोलन अपने चरम पर पहुंच चुका था, और आज भी तमिलनाडु में भाषा शहीद उन लोगों को कहा जाता है, जिन्होंने हिंदी विरोधी आंदोलनों के दौरान अपनी जान गंवाई। हाल ही में साझा किए गए एक वीडियो में उस दौर की झलकियाँ, आंदोलनकारियों की तस्वीरें और डीएमके के संस्थापक नेताओं अन्नादुरई और करुणानिधि के भाषणों के अंश भी दिखाए गए हैं। स्पष्ट है कि तमिलनाडु में हिंदी विरोध केवल भाषा का सवाल नहीं है, बल्कि यह संस्कृति, पहचान और आत्मसम्मान से जुड़ा मुद्दा है। जब तक भाषा को राजनीतिक औज़ार बनाकर देखा जाता रहेगा, तब तक यह विवाद भी समय-समय पर उठता रहेगा। तमिल चेतना ने अतीत में भी इसका विरोध किया है और भविष्य में भी किसी भी प्रकार की भाषा थोपने की कोशिशों के खिलाफ खड़ी रहने का प्रयास करती रहेगी।

इंसानों से ज्यादा होंगे रोबोट

स्नेहा सिंह

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स साथ-साथ कदम मिला रहे हैं, उसका परिणाम आने वाले वर्षों में अगर आपके आसपास इंसानों से ज्यादा रोबोट घूमते नज़र आएं तो आपको कैसा लगेगा? कुछ बातें सुनने में साइंस फ़िक्शन जैसी लगती हैं, लेकिन जिस रफ्तार से टेक्नोलाजी आगे बढ़ रही है, उसे देखते हुए रोजमर्रा के कामों में रोबोट का प्रभुत्व बढ़ना अब कल्पना नहीं, बल्कि संभावित हक़ीकत है। हाल ही में दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनामिक फोरम में टेस्ला कार फेम अरबपति एलन मस्क ने कहा कि आने वाले वर्षों में इंसानों की तुलना में रोबोटों की संख्या अधिक होगी।

टेक्नोलाजी की दुनिया में एलन मस्क जो कहते हैं, उसे अक्सर ब्रह्मवाक्य माना जाता है, क्योंकि उनकी बातें ठोस शोध और विकसित होती तकनीक पर आधारित होती हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स एक-दूसरे के साथ कदम मिला रहे हैं। यह साझेदारी आर्थिक, सैन्य और अन्य क्षेत्रों में बड़ी उथल-पुथल ला सकती है। मस्क की भविष्यवाणी में दम इसलिए भी है, क्योंकि उनकी टेस्ला कार के कारखानों में अगले बारह महीनों में ही रोबोट जटिल कहे जाने वाले काम भी करने लगेंगे। यह सच है कि इंसानों के कई काम आज रोबोट कर रहे हैं, लेकिन कुछ जटिल काम ऐसे थे, जो केवल इंसान ही कर सकता था। अब समय बदल गया है। अब रोबोट ऐसे पेचीदा और कठिन काम भी कर पा रहे हैं, जिनके लिए पहले केवल मानव बुद्धि की जरूरत होती थी और इसमें एआई की मदद ली जा रही है। मस्क का कहना है कि आने वाले वर्षों में हम इंसानों जैसे गुणों वाले रोबोट बाजार में उतारने की योजना बना रहे हैं। एक समय ऐसा आएगा, जब स्मार्टफोन की तरह हर कोई अपने साथ एक रोबोट रखने के बारे में सोचने लगेगा। मस्क ने यह भी भविष्यवाणी की है कि आने वाले वर्षों में इंसानों की तुलना में रोबोटों की संख्या ज्यादा होगी। मस्क की यह बात हकीक़त बनने में ज्यादा समय नहीं लेगी।

रोबोट के इस्तेमाल में अमेजन अग्रणी है। ऑटोमोबाइल कंपनियों के कुछ सेक्शनों में केवल रोबोट ही काम करते हैं, जहां इंसान सिर्फ़ ऑपरेटिंग सिस्टम में सेट किए गए होते हैं। अमेजन अगले दस वर्षों में लगभग 10 लाख रोबोट काम पर लगाने के लिए निवेश कर रहा है। वॉलमार्ट और यूपीएस जैसी कंपनियां भी रोबोटिक सिस्टम में निवेश कर सकती हैं।

अमेजन ने एक दशक पहले अपने वेयरहाउस में रोबोट का इस्तेमाल शुरू किया था। उस समय ऐसा नहीं लगता था कि रोबोट इंसानों को रिप्लेस कर देंगे। धीरे-धीरे रोबोट जटिल काम भी करने लगे और इंसानों की नौकरियों पर खतरा बढ़ने लगा। ऐसा लगता है कि अमेजन में रोबोटों की फौज मानव कामगारों की नौकरियां छीन लेगी। वर्तमान में अमेजन के अधिकांश ऑनलाइन आर्डर रोबोटिक असिस्टेंट की मदद से सप्लाई किए जाते हैं। एक समय अमेजन नेट जाब क्रिएटर की सूची में आता था, लेकिन रोबोट के बढ़ते इस्तेमाल के बाद वह नेट जाब डिस्ट्रायर की सूची में आ सकता है। रोबोट का सबसे ज्यादा उपयोग करने वाला देश दक्षिण कोरिया है। भारत में भी आटो कंपनियां वन-टू-वन आदेशों का पालन करने वाले रोबोटों का इस्तेमाल करने लगी हैं। मस्क की रोबोट प्रगति संबंधी बात इसलिए भी संभव लगती है, क्योंकि हाल ही में गणतंत्र दिवस की रिहर्सल परेड में पीठ पर राइफल बांधे रोबोटिक डाग को देखकर लोग चकित रह गए थे। ये यांत्रिक सैन्य श्वान कूच-कदम कर रहे थे। यह चार पैरों वाला रोबोट अत्याधुनिक तकनीक का कमाल है। इनमें मूविंग कैमरे फिट होते हैं। 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर भारतीय सैनिकों के साथ मार्च करते हुए जब ये रोबोटिक डाग दिखाई देंगे, तो लोग तकनीक को भी सैल्यूट करेंगे।

बांग्लादेश का कपड़ा उद्योग संकट में

अशोक भाटिया

भारत के खिलाफ लगातार जहर उगल रही बांग्लादेश की यूनुस सरकार को लगता था कि पाकिस्तान का साथ पाकर वह सफल हो जाएगा। लेकिन, भारत ने ऐसा दांव खेला कि बिना कोई कदम उठाए या एक भी शब्द बोले बांग्लादेश की रीढ़ ही तोड़ दी। हुआ यूं कि बांग्लादेश जिस उद्योग के दम पर सांसें ले रहा था, वही उद्योग अब अपनी आखिरी सांस गिन रहा है। इसकी वजह प्रत्यक्ष न सही लेकिन परोक्ष रूप से भारत को ही बताया जा रहा है। एक्सपर्ट का कहना है कि भारत के सस्ते धागों के जाल में उलझकर बांग्लादेश कब बर्बादी के मुहाने पर खड़ा हो गया, उसे आभास भी नहीं हुआ। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले कपड़ा उद्योग पर अब गंभीर संकट के बादल छाने लगे हैं। हालात इतने बदतर हो गए हैं कि अगले महीने कई कारखानों पर ताला लगाने की नौबत आ गई है। बांग्लादेश टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन ने घोषणा की कि अगर जनवरी अंत तक यार्न के ड्यूटी-फ्री आयात की सुविधा बहाल न हुई तो 1 फरवरी से देश की सभी स्पिनिंग यूनिटें उत्पादन बंद कर देंगी। राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड ने वाणिज्य मंत्रालय की सिफारिश पर बॉन्डेड वेयरहाउस सिस्टम के तहत यह सुविधा निलंबित कर दी। सरकार का कहना है कि सस्ते आयात से घरेलू मिलें तबाह हो रही हैं। गारमेंट निर्यातक भारत से कॉटन यार्न (78 प्रतिशत) और चीन से पॉलिएस्टर मंगा रहे हैं, जो स्थानीय उत्पाद से सस्ता और बेहतर है। 2025 में 70 करोड़ किलो यार्न आयात पर 2 अरब डॉलर खर्च हुए। पिछले 3-4 माह के गैस संकट ने हालात बिगाड़ दिए। अनियमित आपूर्ति, ऊंची कीमतों से उत्पादन क्षमता 50 प्रतिशत गिर गई। उद्योग को 2 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है, वहीं मिल मालिकों को सब्सिडी और आर्थिक पैकेज का इंतजार है। बीटीएमए चेयरमैन सलीम रहमान ने कहा, 'भारतीय यार्न से बाजार डंप हो गया। 12,000 करोड़ टका का स्टॉक पड़ा है। 50 से ज्यादा मिलें बंद, हजारों बेरोजगार।' एसोसिएशन की मांगें स्पष्ट हैं कि 10-30 काउंट कॉटन यार्न पर ड्यूटी-फ्री आयात समाप्त, गैस पर सब्सिडी व नियमित आपूर्ति, वीएटी में छूट, बैंक ऋणों पर ब्याज राहत, सरकार से संवाद। इस कदम से 10 लाख नौकरियां खतरे में हैं। अंतरिम सरकार को चेतावनी दी गई, लेकिन वीएटी राहत नहीं मिली।

मिलर्स और बांग्लादेश गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के बीच विवाद तेज। मिलर्स दावा करते हैं कि घरेलू क्षमता मांग पूरी कर सकती है। भारत के यार्न निर्यातक अमित सोती ने कहा, 'बॉन्डेड सुविधा हटने से बांग्लादेशी गारमेंट्स प्रभावित होंगे।' गौरतलब है कि कपड़ा क्षेत्र बांग्लादेश अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, 80 प्रतिशत निर्यात और 40 लाख रोजगार इसी क्षेत्र से लोगों को मिलता है। गैस संकट, आयात निर्भरता और नीतिगत अनिश्चितता ने इसे कमजोर किया। अगर 1 फरवरी को मिलों पर ताले लगे तो आर्थिक मंदी और सामाजिक अशांति बढ़ सकती है। ज्ञात हो कि बांग्लादेश का सबसे बड़ा उद्योग कपड़ा है, जो दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। जारा और एचएनएम जैसे ब्रांड भी बांग्लादेश से बनकर जाते हैं, तब दुनिया पहनती है। बांग्लादेश अकेले हर साल करीब 47 अरब डॉलर के रेडीमेड कपड़े दुनिया को निर्यात करता है। इन कपड़ों को बनाने के लिए बांग्लादेश यार्न यानी धागे का आयात भारत से करता है। मतलब सीधा कारोबार, भारत से सस्ते धागे खरीदो, उससे कपड़े बनाओ और दुनिया को बेच दो। लेकिन, बांग्लादेश को इन सस्ते धागों की ऐसी लत पड़ी कि आज उसी धागे में उलझकर उसका अरबों डॉलर का कारोबार डूबने की कगार पर पहुंच गया है।

आलम ये है कि उसके मिल मालिकों ने सरकार से साफ कहा है कि अगर कुछ नहीं किया तो 1 फरवरी से सारी कपड़ा मिलें बंद हो जाएंगी। बांग्लादेश में धागे का लोकल उत्पादन उतना नहीं होता, जितना उसके कपड़ा उद्योग को जरूरत है। लिहाजा वह भारत और चीन से सस्ते धागे का आयात करता है। भारत का धागा अच्छी क्वालिटी और सस्ता होने के नाते ज्यादा खरीदता है। उसे प्रति किलोग्राम 3 से 5 फीसदी सस्ता भी पड़ता है। साल 2025 में उसने 70 करोड़ किलोग्राम धागा आयात किया, जिसमें से 78 फीसदी यानी करीब 2 अरब डॉलर के धागे सिर्फ भारत से मंगाए गए हैं। इस आयात की बड़ी वजह यह है कि वहां बॉन्डेड वेयरहाउस सिस्टम के तहत धागा आयात करने पर खरीदारों को कोई आयात शुल्क नहीं देना पड़ता है। भारत से सस्ते धागे का आयात इतना ज्यादा हुआ कि बांग्लादेश की लोकल मिलों के पास करीब 10 हजार करोड़ रुपये का स्टॉक जमा हो गया, जिसे खरीदने वाला कोई नहीं है। इस स्टॉक की वजह से देश में 50 से ज्यादा मिलें बंद हो चुकी हैं और उत्पादन की क्षमता भी 50 फीसदी कम हो गई है। इस संकट की वजह से अब तक हजारों नौकरियां जा चुकी हैं। बांग्लादेश में पिछले 4-5 महीने से गैस संकट भी चल रहा है, जिससे कर्ज और लोन चुकाने का संकट बढ़ गया। बांग्लादेश टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन ने सरकार को साफ चेतावनी दी है कि अगर भारत से धागे की डंपिंग बंद नहीं हुई तो 1 फरवरी, 2026 से उत्पादन ठप कर देंगे।

एक तरफ तो बांग्लादेश के कपड़ा निर्यातक सस्ते धागे के आयात के पक्ष में हैं, क्योंकि लोकल धागा महंगा और क्वालिटी में भी अच्छा नहीं होता। अगर आयात बंद हुआ तो लागत बढ़ेगी और उत्पादन में देरी आएगी जिससे ऑर्डर्स में कमी आ सकती है। अगर सरकार के कदम से आयात रुकता है तो उत्पादकों को ऊंची कीमतों पर लोकल धागा खरीदना पड़ेगा। इससे उनकी प्रतिस्पर्धा पर असर पड़ेगा। छोटी और मझोली आकार वाली फैक्ट्रियां पहले 10-20 टन धागे का ऑर्डर 2 दिन में डिलीवर करा लेती थीं, लेकिन अब इसमें देरी होगी और उत्पादन अटकेगा। गौरतलब है कि बांग्लादेश के कपड़ा उद्योग पर भारत की हालिया कार्रवाइयों (जैसे लैंड बॉर्डर से आयात में सख्ती और व्यापार बाधाएं) का गहरा नकारात्मक असर पड़ने की संभावना है। इससे बांग्लादेशी परिधान की विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो सकती है, उत्पादन लागत बढ़ सकती है, और कच्चा माल (सूती धागा) महंगा होने से वहां की स्पिनिंग मिलें बंद होने की कगार पर आ सकती हैं। बांग्लादेश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री (वस्त्र उद्योग) गंभीर संकट के दौर से गुजर रही है। घरेलू टेक्सटाइल मिलर्स ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार जनवरी के अंत तक यार्न (कपड़ा बुनाई में उपयोग होने वाले धागे) के ड्यूटी-फ्री इम्पोर्ट (बिना किसी शुल्क के आयात) की सुविधा बहाल नहीं करती, तो 1 फरवरी से देशभर की स्पिनिंग यूनिट्स (धागे की कताई) का उत्पादन ठप कर दिया जाएगा। यह संकट तब और गहरा गया जब बांग्लादेश के वाणिज्य मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड को बॉन्डेड वेयरहाउस सिस्टम के तहत इम्पोर्टेड यार्न पर ड्यूटी-फ्री सुविधा निलंबित करने की सिफारिश की। सरकार का मानना है कि ड्यूटी-फ्री यार्न के इम्पोर्ट से घरेलू स्पिनिंग मिलों को भारी नुकसान हुआ है। वहीं, गारमेंट निर्माता वर्षों से भारत से कॉटन यार्न और चीन से पॉलिएस्टर यार्न आयात करते रहे हैं, क्योंकि ये सस्ते और बेहतर गुणवत्ता वाले हैं। घरेलू मिलर्स का कहना है कि भारत और चीन से बड़े पैमाने पर यार्न आयात करने के कारण स्थानीय उद्योग गहरे वित्तीय संकट में फंस गए हैं।

दावोस में यूपी के अधिकारियों ने सरकार को धोखे में रखा

राजेश श्रीवास्तव

ट्रंप की 'दादागिरी' और चीन की चालबाजी के बीच भारत ने दावोस में अपना 'बड़ा दांव' खेलने का संदेश दिया था। भारत से यूपी-गुजरात समेत 1० राज्य विदेशी निवेशकों को लुभाने स्विट्जरलैंड पहुंचे थे । उन्हें उम्मीद थी कि विदेशी निवेशकों के बहाने भारत दुनिया को एक बड़ा संदेश देगा। मिशन साफ था चीन से मोहभंग कर चुकी ग्लोबल कंपनियों का 'मोटा पैसा' और फैक्ट्रियां भारत लाना लेकिन इस 'मिशन दावोस' से आपकी जेब और नौकरी पर क्या असर पड़ा? क्या उत्तर प्रदेश जैसे राज्य अपनी कोशिशों में कामयाब हो सके। क्या यूपी या अन्य राज्यों को विदेशी निवेशक मिल सके, यह इन दिनों बड़ा सवाल है लेकिन सरकार की चकाचौंध में यह सवाल खो सा गया है बल्कि यूं कहें कि तमाम मीडिया हाऊस तो सरकार के गुणगान में लगे हैं कि उत्तर प्रदेश सरकार ने वहां हजारों करोड़ रुपये का निवेश कर लिया ।

कुछ प्रमुख कंपनियों के साथ 975० करोड़ रुपये का यूपी सरकार के साथ करार किया गया। बात आगे बढ़े इससे पहले यह समझना होगा कि दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में विदेशी निवेशकों को अपने-अपने प्रदेशों या देशों में लाने के लिए राज्य या दुनिया भर के देश जाते हैं लेकिन उत्तर प्रदेश के अधिकारियों ने इसी बीच ऐसा करतब दिखा दिया कि लोग दांतों तले उंगलिया दबाये हैं।

दावोस में हो रही यह बैठक ऐसे समय में हुई जब पुरानी वैश्विक व्यवस्था चरमरा रही है. अब बाजार निष्पक्ष नहीं रहे। व्यापार और तकनीक के फैसले अब सिर्फ मुनाफ़े से नहीं बल्कि राजनीतिक ताकत से तय हो रहे हैं। चीन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सुपरपावर बन रहा है और अमेरिका अपनी मनमर्जी चला रहा है। ऐसे में भारत इस बार दावोस में सिर्फ उपस्थिति दर्ज कराने नहीं बल्कि अपनी ताकत दिखाने गया था। भारत का डेलिगेशन अब तक के सबसे बड़े डेलिगेशन में से एक है। केंद्र सरकार के मंत्रियों अश्विनी वैष्णव, प्रह्लाद जोशी और राम मोहन नायडू के साथ-साथ देश के 1० राज्यों के प्रतिनिधि भी वहां मौजूद रहे। आम तौर पर दावोस में देश की बात होती थी लेकिन इस बार राज्य अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। कोशिश थी कि उत्तर प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना, केरल, असम, झारखंड और मध्य प्रदेश जैसे राज्य एक ही छत के नीचे 'इंडिया पवेलियन' में दुनिया को बताएंगे कि उनके यहां निवेश करना क्यों फायदेमंद है। आंध्र प्रदेश का तो अपना अलग पवेलियन बना था हालांकि, तमिलनाडु चुनाव के चलते इस बार नदारद रहा लेकिन इसी बीच चर्चा यूपी की हो रही है कि यूपी में 975० करोड़ रुपये का एमओयू साइन कर लिया और देश में अपनी क्षमता का डंका बजवा दिया लेकिन दिलचस्प तो यह है कि उत्तर प्रदेश ने जिन भी कंपनियों के साथ करार किया, वह सभी देशी हैं तो आखिर सवाल यह उठता है कि अगर यह कंपनी स्थानीय हैं तो उनको दावोस ले जाकर उनके साथ अनुबंध क्यों किया।

उत्तर प्रदेश में संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना के नेतृत्व में गए प्रतिनिधि मंडल ने सील कंपनी यानी कि सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमि. के साथ बिजली बनाने का 8००० करोड़ का करार किया है। इसके अलावा सिफी टेक्नोलॉजी यानी सत्यम कंप्यूटर जो घोटाले में लंबे समय तक फंसी रही, उसके साथ भी करार किया गया ।

इसके अलावा नोएडा की एक कंपनी के साथ 16०० करोड़ रुपये का डाटा सेंटर बनाने का करार हुआ। वहीं डिफेंस में यो-माइन के साथ 15० करोड़ का रक्षा करार हुआ , यानी कि इसमें कोई भी कंपनी विदेशी नहीं है। अगर इन सभी के साथ करार करना था तो इन्वेस्टर्स समिट में हो सकता था या फिर वीडियो कांफ्रेंसिंग करके लेकिन फिर उत्तर प्रदेश के अधिकारी कैसे विदेश की सैर सरकारी पैसे से कर पाते, सवाल यह भी तो था। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मंत्री सुरेश खन्ना के साथ आईएएस अधिकारियों में आईडीसी दीपक कुमार, सचिव मुख्यमंत्री अमित सिंह, इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद तथा यूपी नेडा के निदेशक इंद्रजीत सिंह भी दावोस गये हैं। कहा गया था कि इस वैश्विक मंच पर उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय निवेशकों और उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ रणनीतिक निवेश अवसरों पर संवाद करेगा और विदेशी कंपनियों के साथ एमओयू करेगा। सवाल यह है कि अगर इन अपने ही अधिकतर कंपनियों जो प्रदेश की ही हैं, इनके साथ करार करने जाने के लिए दावोस की क्या जरूरत थी। अगर मुख्यमंत्री और सरकार के दावों पर यकीन करें तो पता लगता है कि उत्तर प्रदेश में बदले माहौल में दुनिया भर के निवेशक आने को तैयार हैं तो फिर दावोस में कोई क्यों नहीं आया। क्यों हम अपने ही प्रदेश की कंपनियों के साथ 975० करोड़ का करार करके अपनी ही पीठ थपथपा रहे हैं। कहीं यह करार भी इन्वेस्टर्स समिट तो जैसे नहीं हो जायेंगे जो आधे से ज्यादा आज तक शुरू ही नहीं हो सके।

यही कारण है कि भारत की जीडीपी ग्रोथ भले ही अच्छी दिख रही हो लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि प्राइवेट कंजम्पशन (आम लोगों द्वारा की जाने वाली खरीदारी) अभी भी सुस्त है। निवेश का बड़ा हिस्सा सरकारी खर्च से आ रहा है. अगर बाहर से पैसा और फैक्ट्रियां भारत नहीं आईं तो रोजगार के नए मौके बनाना मुश्किल होगा, खासकर तब, जब एआई जैसी तकनीकें दुनिया भर में नौकरियों का स्वरूप बदल रही हैं। राज्य सरकारें अगर सीधे विदेशी कंपनियों को अपने यहां फैक्ट्री लगाने और प्रोजेक्ट शुरू करने का न्योता नहीं देंगी तो इसका सीधा असर स्थानीय रोजगार पर पड़ सकता है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की रिपोर्ट बताती है कि 2०26 में सबसे बड़ा खतरा युद्ध या पर्यावरण नहीं बल्कि 'जियो-इकोनॉमिक' टकराव है, यानी देशों के बीच आर्थिक रस्साकशी। ट्रंप की नीतियां और चीन का दबदबा भारत जैसे देशों के लिए चुनौती भी है और मौका भी। चीन ईवी , बैटरी और एआई हार्डवेयर में आगे है जिससे व्यापार संतुलन बिगड़ रहा है। उस पर अगर अपने देश और प्रदेश के अधिकारी ऐसी बाजीगरी दिखायेंगे तो वह किसको मूर्ख बना रहे हैं, यह समझने की जरूरत है।

क्योंकि इतिहास कभी भी पलट सकता है

डॉ. सुरेश कुमार

आज हम उस गुप्त गलियारे में प्रवेश कर रहे हैं जहाँ इतिहास पन्नों पर नहीं, बल्कि पतीले के पेंदे में चिपक कर लिखा गया है। आज का विषय है-खिचड़ी। अगर आप समझते हैं कि खिचड़ी सिर्फ बीमार का आहार है, तो आप उसी मुगालते में हैं जिसमें एक नेता अपनी जीत के दावों में होता है। खिचड़ी भारतीय लोकतंत्र का खाद्य संस्करण है-सब कुछ मिला दो, पर अंत में क्या बना, यह चखने वाले की किस्मत पर निर्भर है। दुनिया भर की असंख्य भाषाओं में इस चावल-दाल के वैवाहिक विच्छेद को अलग-अलग नामों से पुकारा गया है, लेकिन इसकी फितरत वही है: 'खिचड़ी के चार यार-दही, पापड़, घी और अचार।' यह महज भोजन नहीं, एक कूटनीतिक समझौता है जहाँ अनाज और दलहन एक-दूसरे की टाँग खींचते हुए भी एक ही बर्तन में साथ रहने को मजबूर हैं। मिस्र के पिरामिडों के साये में जब आप टहलेंगे, तो वहां इसे कुशरी के नाम से पुकारा जाता है। अब इसे संयोग कहें या विडंबना, कि जो देश कभी मरे हुए बादशाहों को ममी बनाकर सहेजता था, वही आज चावल, दाल और पास्ता को एक साथ उबालकर एक प्लेट में दफन कर देता है। इसे कैमरे की नज़र से देखें तो यह कोई साधारण डिश नहीं, बल्कि रोम और अरब का वह कॉन्ट्रैक्ट है जिसे इतिहासकार भूल गए। लेबनान में इसे मुजदरा कहा गया, जो शायद दुनिया का पहला प्रजातांत्रिक गठबंधन था-प्याज़ ऊपर से डालो ताकि नीचे की बदइंतज़ामी छिप जाए। इराक में इसे जादाह, सीरिया में मखलूत और फिलिस्तीन में मुजदरा-ए-बिर्गुल कहते हैं। 'खिचड़ी पकना' हमारे यहाँ षड्यंत्र का प्रतीक है, और सच तो यह है कि जब दुनिया भर की शब्दावली खंगाली जाती है, तो समझ आता है कि खिचड़ी के हाथ पाँव नहीं होते, वह तो बस भूख और लाचारी के बीच का एक मध्यम मार्ग है। चाहे इसे स्पेनिश में अरोज़ को पोलो की आड़ में मांस के साथ परोसा जाए या वियतनामी चो के रूप में, मूल भाव वही है-सबका साथ, सबका सत्यानाश। ब्रिटिश राज की बात करें तो उन्होंने हमारी खिचड़ी को चुराकर उसे केजरी का नाम दे दिया और उसमें उबले अंडे ठूँस दिए। यह ठीक वैसा ही था जैसे कोई सरकारी फाइल पर लाल फीता बांधकर उसे एक्शन प्लान कह दे। दक्षिण अफ्रीका में इसे केडगिरी का भाई 'यलो राइस' कहा गया, तो स्कॉटलैंड में इसे 'हॉज-पॉज' जैसे शब्दों से नवाजा गया। लैटिन अमेरिका के किसी कोने में जब कोई गालो पिंटो चबा रहा होता है, तो वह अनजाने में उसी वैश्विक खिचड़ी का गुणगान कर रहा होता है जिसे हमारे यहाँ बीरबल की खिचड़ी कहकर टाल दिया जाता है। कोस्टा रिका में इसे 'ग्रैंड पिकाडो' और निकारागुआ में इसे 'पिंटो' कहा जाता है। बीरबल की खिचड़ी और हमारी पंचवर्षीय योजनाएँ एक जैसी ही हैं-आँच बहुत दूर है और पकने की उम्मीद अनंत। इटालियन रिसोट्टो को देखते हैं, तो वह खिचड़ी का वह अमीर संस्करण लगता है जिसने थोड़ा मेकअप कर लिया है और अब खुद को खानदानी रईस बता रहा है, जबकि ग्रीस में इसे 'गामोपिलाफो' कहकर शादियों में परोसा जाता है।

कहावत है - 'अपनी-अपनी ढपली, अपना-अपना राग', पर रसोइया कहता है-'अपनी-अपनी हांडी, अपनी-अपनी खिचड़ी'। दक्षिण कोरिया में इसे जुक कहते हैं, जापान में ओकायु, चीन में कोंजी और थाईलैंड में जोक। ये नाम सुनकर ऐसा लगता है जैसे कोई छोटा बच्चा ज़िद कर रहा हो, पर असल में ये बीमार अर्थव्यवस्थाओं और खाली पेटों के लिए वही सांत्वना पुरस्कार हैं जो एक क्लर्क को रिटायरमेंट पर मिलता है। म्यांमार में इसे 'ह्सान मयू', इंडोनेशिया में 'बुबुर' और फिलीपींस में 'लुगाओ' कहा जाता है। यह वह डिश है जिसने सभ्यताओं को जोड़ा, क्योंकि इसे बनाने के लिए दिमाग से ज़्यादा धैर्य और ज़मीर से ज़्यादा पानी की ज़रूरत होती है।

चुनौतियों को अवसर में बदलते नरेंद्र मोदी

डॉ.वेदप्रकाश

हाल ही में लंदन से प्रकाशित प्रतिष्ठित एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिका द इकोनॉमिस्ट की एक रिपोर्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की विकास यात्रा को मजबूत करने वाला बताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वाशिंगटन के टैरिफ से परेशान यूरोपीय नेताओं के लिए भारत का अनुभव एक सीख हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने संतुलित और चतुर रणनीति के जरिए न केवल बाहरी दबावों को झेला बल्कि उन्हें घरेलू सुधारों को तेज करने का जरिया भी बनाया। पत्रिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के चीन के साथ संबंधों में सुधार आया है। निवेश पर लगी पाबंदियां हटाई गई हैं और कई अहम व्यापार समझौते किए गए हैं। ध्यातव्य है कि विगत लंबे समय से अमेरिका भारत सहित कई देशों पर टैरिफ का दबाव बनाए हुए है। ऐसे में उत्पादन और व्यापार की समूची व्यवस्था उलझन में पड़ी दिखाई देती है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी गति से बिना किसी विवाद में उलझे निरंतर चल रहा है।

इसके साथ-साथ विश्व के कई देशों के बीच युद्ध चल रहे हैं। वहां के लोग और संसाधन प्रभावित हो रहे हैं। व्यापार और दूसरे देशों के साथ भिन्न-भिन्न प्रकार की गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। भारत के पड़ोसी देशों में भी राजनीतिक अस्थिरता एवं आंतरिक उतार-चढ़ाव और संघर्ष जारी हैं। वैश्विक चुनौतियों के ऐसे वातावरण के उपरांत भी वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत की अनुमानित विकास दर 7.4 प्रतिशत है जो निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की मजबूती को दर्शाता है। वर्ष 2014 से 2025 तक की भारत की विकास यात्रा को देखने से हम पाते हैं कि प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी युग प्रवर्तक के रूप में हमारे सामने हैं। वे राष्ट्रीय और वैश्विक फलक पर निरंतर नए संकल्पों का सृजन करते हैं। वे समय की आवश्यकताओं व आकांक्षाओं को समझते हुए गंभीर चिंतन करते हुए योजनाएं बनाकर उन्हें क्रियान्वित भी करते हैं। विगत कुछ समय से वे वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को लेकर काम कर रहे हैं। इसके लिए वे ढांचागत सुधारों के साथ-साथ सैन्य मजबूती,विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में मजबूत भारत हेतु भी लगातार काम कर रहे हैं। भारत विविधताओं वाला विशाल देश है। ये विविधताएं जहां एक ओर भारत की शक्ति हैं वहीं दूसरी ओर इसमें चुनौतियां भी विद्यमान हैं लेकिन वर्ष 2014 के बाद से किसान, गरीब, मजदूर, महिला, युवा, गांव, शहर, ज्ञान-विज्ञान एवं सूचना- तकनीक आदि के कल्याण के लिए अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। स्वच्छ भारत, शौचालय युक्त भारत, मेक इन इंडिया, मेड इन इंडिया, प्रधानमंत्री जनधन योजना, स्किल इंडिया, नारी सशक्तिकरण, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी युक्त भारत आदि ऐसी अनेक योजनाएं एवं दूरदर्शी संकल्प रहे हैं जिनसे सामान्य व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन हुए हैं। इसके साथ-साथ भारत ने आर्थिक दृष्टि से भी राष्ट्रीय और वैश्विक फलक पर नए कीर्तिमान बनाए हैं। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय फलक पर संवैधानिक संस्थाओं एवं लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को मजबूत किया है तो वहीं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह भी स्पष्ट किया है कि वसुधैव कुटुंबकम हमारे लिए कोई नई चीज नहीं है अपितु यह हमारा जीवन दर्शन है, जिसके तहत हम पूरे विश्व को एक परिवार मानते हैं।

प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी वैश्विक फलक पर लगातार आतंकवाद, भ्रष्टाचार, ड्रग्स, अवैध हथियार, मनी लॉन्ड्रिंग, जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक, प्रदूषण, आपसी सौहार्द, शांति एवं विस्तारवाद जैसे महत्वपूर्ण और गंभीर मुद्दों और चुनौतियों पर समाधान के लिए आगे आए हैं। विश्व के अनेक देश उन्हें अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं। एक कुशल रणनीतिकार के रूप में प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रीय और वैश्विक फलक पर दीर्घकालिक सुधारों हेतु निरंतर प्रतिबद्ध रहते हैं। वैश्विक महामारी कोरोना ने विश्व के अनेक देशों की आंतरिक और आर्थिक स्थिति को अस्थिरता की ओर पहुंचा दिया था। ऐसे में प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी सुनियोजित ढंग से आत्मनिर्भरता का संकल्प लेकर सामने आए। उन्होंने न केवल भारत में अपितु विश्व के कई देशों को वैक्सीन से लेकर भिन्न-भिन्न प्रकार की आवश्यक सहायताएं पहुंचाई।

वे पूरे देश को एक बड़े और महत्वपूर्ण संकल्प के साथ लेकर आगे बढ़े। उनकी योजनाओं में रेहड़ी पटरी वाले और पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति के लिए जितनी चिंता और प्रतिबद्धता होती है वे उतनी ही चिंता और प्रतिबद्धता देश के विकास में भागीदार उद्योगपतियों की भी करते हैं। देश के विभिन्न राज्यों से उनका समन्वय और संतुलन निरंतर रहता है तो विश्व के विभिन्न देशों के साथ भी वे उसी संतुलन से आगे बढ़ते हैं। वर्ष 2022 में अपनी जापान यात्रा के दौरान भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था कि- मेरा जो लालन पालन हुआ, मुझे जो संस्कार मिले, जिन-जिन लोगों ने मुझे गढ़ा है, उसके कारण मेरी भी एक आदत बन गई है-मुझे मक्खन पर लकीर करने में मजा नहीं आता। मैं पत्थर पर लकीर करता हूं। राष्ट्रीय स्तर पर कई बार संसद में नए कानून बनाने और विभिन्न योजनाओं को लागू करते समय विपक्ष के दबाव और विरोध से लेकर जाति, भाषा और संप्रदाय आधारित आपसी वैमनस्य आदि समस्याएं आती हैं।

अतिक्रमण हटाने पहुंची पुलिस पर पथराव
संजय गांधी नेशनल पार्क में बवाल

मुंबई, 27 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई में बोरीवली स्थित संजय गांधी नेशनल पार्क में 27 जनवरी को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान कब्जा किए हुए परिवारों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। कोर्ट के आदेश पर फॉरेस्ट डिपार्टमेंट और मुंबई पुलिस की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई शुरू की थी, जिसका कुछ लोगों ने विरोध किया। इसी दौरान पुलिस और वन विभाग की टीमों पर पत्थर फेंके गए। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने स्थिति को संभाला और कई लोगों को हिरासत में लिया गया। फिलहाल इलाके में शांति बनी हुई है और कानून व्यवस्था पर नजर रखी जा रही है।

अतिक्रमण हटाने पर बनी झड़प की स्थिति

संजय गांधी नेशनल पार्क क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने पहुंची टीमों को स्थानीय स्तर पर विरोध का सामना करना पड़ा। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने पुलिस और वन विभाग के कर्मचारियों पर पथराव किया, जिससे कुछ समय के लिए तनावपूर्ण माहौल बन गया। सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया और इलाके को घेराबंदी कर हालात पर काबू पाया। इसी बीच संजय गांधी नेशनल पार्क प्रशासन ने सार्वजनिक सूचना जारी कर बताया कि 27 जनवरी को पार्क का मुख्य प्रवेश द्वार पर्यटकों और आम नागरिकों के लिए बंद रहेगा। डिप्टी डायरेक्टर (साउथ) की ओर से जारी नोटिस में लोगों से सहयोग करने की अपील की गई, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचा जा सके। प्रशासन के अनुसार फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और आगे की कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से की जा रही है।

कोर्ट के आदेश और पुनर्वास की पूरी पृष्ठभूमि

प्रेस नोट के जरिए संजय गांधी नेशनल पार्क प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई किसी एक दिन का फैसला नहीं है, बल्कि 1997 में बॉम्बे हाईकोर्ट के दिए गए आदेशों का पालन है। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया था कि नेशनल पार्क की फॉरेस्ट लैंड पर किए गए सभी अतिक्रमण हटाए जाएं और केवल उन्हीं लोगों को पुनर्वास का लाभ मिले, जिनके नाम 1.1.1995 की मतदाता सूची में दर्ज हों। इसके तहत पहले चरण में चांदिवली, पवई इलाके में 11,000 से अधिक पात्र परिवारों को आवास आवंटित किए गए। हालांकि 299 परिवारों को मकानों की अनुपलब्धता के कारण फेज-2 में पुनर्वास के लिए चिन्हित किया गया। आदेशों के पूर्ण पालन न होने पर अवमानना याचिका दायर की गई, जिसके बाद हाईकोर्ट ने एक हाई-पावर्ड कमेटी का गठन किया, ताकि संजय गांधी नेशनल पार्क की सुरक्षा और न्यायालय के निर्देशों के क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया जा सके।

आदिवासी दावे और प्रशासन की सख्ती

जांच के दौरान यह सामने आया कि लगभग 385 ऐसे परिवार, जिन्हें पहले ही चांदिवली में पुनर्वास का लाभ मिल चुका था, उन्होंने दोबारा संजय गांधी नेशनल पार्क की जमीन पर कब्जा कर लिया। प्रशासन ने इसे पुनर्वास योजना का खुला दुरुपयोग बताया है। हाई-पावर्ड कमेटी ने ऐसे परिवारों की तत्काल बेदखली के आदेश दिए, जिसके तहत 17.1.2026 को नोटिस जारी कर स्वेच्छा से स्थान खाली करने को कहा गया था।

कुछ लोगों द्वारा खुद को आदिवासी बताकर कार्रवाई रोकने की कोशिश को भी प्रशासन ने खारिज किया है, यह कहते हुए कि बॉम्बे हाईकोर्ट के पुराने फैसलों में स्पष्ट किया जा चुका है कि मूल आदिवासी आबादी का पुनर्वास पहले ही किया जा चुका है। प्रशासन का कहना है कि जब तक योजना का दुरुपयोग करने वालों को नहीं हटाया जाएगा, तब तक वास्तविक पात्र परिवारों को न्याय नहीं मिल पाएगा। इसी वजह से कानून का पालन, पर्यावरण संरक्षण और निष्पक्ष पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिए यह कार्रवाई जरूरी है।

यूजीसी एक्ट के विरोध में बीजेपी नेत्री ने दिया इस्तीफा, कहा- इससे बढ़ेगी असमानता

बहादुरगढ़(हरियाणा), 27 जनवरी (एजेंसियां)। यूजीसी एक्ट 2026 को संविधान के अनुच्छेद 14 के खिलाफ बताते हुए भाजपा की कार्यकर्ता मनीषा शर्मा ने सभी पदों व प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने जिला अध्यक्ष को भेजे पत्र में कहा कि यह कानून शिक्षा व्यवस्था में असमानता बढ़ाने वाला है। मनीषा शर्मा गांव खरहर की निवासी हैं और बूथ अध्यक्ष, छारा मंडल की मंडल सचिव व मकण्डल महिला मोर्चा के अध्यक्ष जैसे पदों पर रह चुकी हैं। उन्होंने कहा कि संविधान व शिक्षा के हित में यह निर्णय लिया गया है।

सब-इंस्पेक्टर पर हमला कर भागने की कोशिश में हिस्ट्रीशीटर ढेर

चेन्नई, 27 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के पेरम्बलूर जिले के थिरुमंथुरई के पास मंगलवार सुबह पुलिस ने एक मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर को मार गिराया। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने कथित तौर पर एक सब-इंस्पेक्टर पर हमला किया और पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की। मृतक की पहचान कोट्टू राजा उर्फ अझगुराजा के रूप में हुई है। अझगुराजा कुख्यात अपराधी वेल्लाई काली पर हुए हमले का मुख्य आरोपी था। पुलिस के मुताबिक, 24 जनवरी को अझगुराजा और उसके साथियों ने वेल्लाई काली की गाड़ी पर देसी बम फेंके थे। यह हमला तब हुआ जब पुलिस वेल्लाई काली को कोर्ट से चेन्नई की जेल ले जा रही थी। इस घटना के बाद पेरम्बलूर जिला पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए पांच विशेष टीमें बनाई थीं। पुलिस ने अझगुराजा को सोमवार शाम को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने बताया कि उसने हथियार और विस्फोटक जंगल में छिपाए हैं। मंगलवार सुबह पुलिस टीम उसे हथियार बरामद करने के लिए जंगल ले गई।

आरसीपी सिंह और पीके... बिहार में सियासी चर्चा का केंद्र बन गए हैं ये 4 चेहरे

पटना, 27 जनवरी (एजेंसियां)। चुनाव नतीजे आने के बाद आमतौर पर कुछ दिनों तक शांति आ जाती है। अगर सरकार बनाने का संख्या बल किसी एक दल या गठबंधन के पास नहीं होता तो कुछ दिनों तक जोड़-तोड़ की गहमागहमी होती है। बिहार में ठीक इसके उलट स्थिति हो गई है। विधानसभा चुनाव के खत्म हुए करीब दो महीने पूरे होने को हैं। पर, सियासी गहमागहमी अब भी बरकरार है। ऐसी ही गहमागहमी 2020 में भी थी। पर, तब और अब की गहमागहमी में फर्क है। 2020 में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आंकड़ों का फर्क सिर्फ 12 का था। इसलिए हर बार विपक्ष अपने साथ दूसरे दलों के साथियों को जोड़ने की फिराक में रहता था। आरजेडी ने सिमिम के 4 विधायकों को तोड़ लिया था तो जेडीयू ने बसपा और एलजेपी के इकलौते विधायक जेडीयू के साथ चले गए थे। इस बार नजारा दूसरा है। बसपा और एआईएमआईएम के विधायकों के अलावा आरजेडी और कांग्रेस के विधायकों के पाला बदलने की भी चर्चा होने लगी है। इतना ही नहीं, पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ कर शून्य पर आउट हुई जन सुराज पार्टी के जेडीयू में विलय की भी बात भी बिहार की सियासी फिजा में तैर रही है। ऐसे में अभी बिहार में सियासी चर्चा के केंद्र में प्रमुख रूप से 4 चेहरे दिखाई पड़ रहे हैं।

नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के इस बार 85 विधायक जीते हैं। पिछली बार यह संख्या सिर्फ 43 थी। बाद में बसपा और लोजपा के एक-एक विधायकों को लेकर जेडीयू ने विधायकों की संख्या 45 तो कर ली थी, लेकिन वह अपने सहयोगी भाजपा और विरोधी आरजेडी से पीछे थी। यह नीतीश कुमार के लिए अपमानजनक स्थिति थी। इसकी पीड़ा उन्हें इस कदर परेशान करती रही कि उन्हें एक बार भाजपा का साथ छोड़ कर आरजेडी संग सरकार बनानी पड़ी तो सिर्फ 17 महीने बाद उन्हें भाजपा के साथ आने को मजबूर होना पड़ा। बहरहाल, जेडीयू की इस बार हुई बंपर जीत से नीतीश कुमार काफी उत्साहित हैं। इसे सीएम नीतीश कुमार की सक्रियता से समझा जा सकता है।

नीतीश कुमार सरकार बनते ही न सिर्फ चालू परियोजनाओं का रोज-रोज मुआयना करने, समीक्षा बैठकें करने में मशगूल हैं, बल्कि अब तो वे समृद्धि यात्रा पर पूरे बिहार के भ्रमण का प्लान बना चुके हैं। अपनी यात्रा के क्रम में वे जिस जिले में जाते हैं, वहां पूर्व की प्रगति यात्रा में किए गए वादे के मुताबिक योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन कर रहे हैं और जन संवाद में नई योजनाओं की घोषणा भी खूब कर रहे हैं।

गोल्डी बराड़ के माता-पिता गिरफ्तार

अमृतसर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। श्री मुक्तसर साहिब के थाना सदर में दर्ज रंगदारी और जान से मारने की धमकी के मामले में पुलिस ने गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के माता-पिता को अमृतसर से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एक सरकारी कर्मचारी की शिकायत के आधार पर की गई है, जिसे विदेशी मोबाइल नंबर से व्हाट्सऐप कॉल के जरिए रंगदारी की धमकी दी गई थी। शिकायतकर्ता सतनाम सिंह ने पुलिस को बताया कि वह पिछले 33 वर्षों से शिक्षा विभाग में कार्यरत है। उसके अनुसार 27 नवंबर 2024 को स्कूल में ड्यूटी के दौरान उसे एक विदेशी नंबर से कॉल आई, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को बंबीहा गैंग का सदस्य बताया और 50 लाख रुपये की रंगदारी की मांग की।

आरोपी ने पैसे न देने पर शिकायतकर्ता और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद 3 दिसंबर को भी उसी नंबर से कॉल आने से वह मानसिक रूप से परेशान रहा। मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने जांच तेज की और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की लोकेशन अमृतसर में ट्रेस की। इसके बाद पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की

अविमुक्तेश्वरानंद विवाद पर उमा भारती बोलीं

शंकराचार्य होने का सबूत मांगकर प्रशासन ने किया मर्यादाओं का उल्लंघन

भोपाल, 27 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता उमा भारती ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद विवाद को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य होने का सबूत मांगकर प्रशासन ने अपनी मर्यादाओं और अधिकारों का उल्लंघन किया है। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, मुझे विश्वास है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच कोई सकारात्मक समाधान निकल आएगा। लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से शंकराचार्य होने का सबूत मांगना प्रशासन की अपनी मर्यादाओं और अधिकारों का उल्लंघन है। यह अधिकार सिर्फ शंकराचार्यों और विद्वत परिषद का है। इसी बीच, कांग्रेस के सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने भी निशाना साधा है।

उन्होंने मंगलवार को 'एक्स' पोस्ट में लिखा, धर्म के नाम पर राजनीतिक रोटी सेकने वाले अब सत्ता के अहंकार में सनातन धर्म का अपमान करने का अधर्म कर रहे हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी से शंकराचार्य होने का सबूत मांगा अस्वीकार्य है। पुरोहितों को शिखा पकड़कर घसीटना और संतों के पवित्र स्नान में विघ्न डालना बहुत शर्मनाक है। सत्ता का अहंकार छोड़कर भाजपा को शंकराचार्य जी से तुरंत माफी मांगकर उन्हें ससम्मान स्नान करवाना चाहिए। पिछले 10 दिन से प्रयागराज में अविमुक्तेश्वरानंद का धरना जारी है। उन्होंने मंगलवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा कि यह विरोध लगातार जारी रहेगा। माघ मेला पूरा होने पर हम वापस जाएंगे और अगली बार फिर से प्रयागराज में धरने पर बैठेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा शिविर प्रवेश तभी होगा, जब हमारा ससम्मान संगम स्नान होगा। बता दें कि 17 जनवरी को मौनी अमावस्या के अवसर पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती प्रयागराज मेघा मेला में संगम घाट पर स्नान करने पहुंचे थे।

पूरे लाव-लश्कर के साथ वह अपनी पालकी पर आए थे, लेकिन पुलिस प्रशासन ने उन्हें बिना रथ के आगे बढ़ने को कहा। इसी बात पर अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और मेला व्यवस्था में जुटे कर्मचारियों के बीच विवाद हुआ था। बाद में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने प्रशासन पर आरोप लगाया कि उनके साथ यह व्यवहार जानबूझकर किया गया है। विवाद उस समय और बढ़ा, जब अविमुक्तेश्वरानंद माघ मेले में ही धरने पर बैठ गए।

1 घंटे की डेट पर फट गया 40000 का बिल... बेंगलुरु और मुंबई में ये कैसा खेल?

बेंगलुरु, 27 जनवरी (एजेंसियां)। अगर आप ऑनलाइन डेटिंग ऐप्स का इस्तेमाल करते हैं, तो यह खबर आपके लिए, एक बड़ा सबक हो सकती है। बेंगलुरु और मुंबई जैसे महानगरों में इन दिनों 'रेस्टोरेंट डेटिंग स्कैम' का आतंक बढ़ गया है। यहां एक सामान्य डेट पर जाने वाले पुरुषों को 2,000 रुपये के बजाय 20,000 से 50,000 रुपये तक का चपत लग रही है।

इस घोटाले की कार्यप्रणाली बेहद शातिर है। धोखेबाज गिरोह आकर्षक दिखने वाली युवतियों के जरिए डेटिंग ऐप्स पर पुरुषों से संपर्क करते हैं। थोड़ी सी मीठी बातों के बाद युवती खुद मिलने का प्रस्ताव रखती है। फिर जोर देकर किसी खास कैफे या बार में बुलाती है। ये वे जगहें होती हैं जहां रेस्टोरेंट मालिक और ये युवतियां पहले से ही मिले होते हैं। रेस्टोरेंट पहुंचते ही युवती बिना पूछे मेन्यू की सबसे महंगी शराब, हुक्का और विदेशी डिशेज ऑर्डर करना शुरू कर देती है। कई बार इन रेस्टोरेंट्स के मेन्यू कार्ड पर कीमतें भी नहीं लिखी होतीं। जैसे ही खाना खत्म होता है, युवती अचानक 'इमरजेंसी कॉल' या 'घर पर किसी की तबीयत खराब' होने का बहाना बनाकर वहां से रफूचक्कर हो जाती है।

असली झटका तब लगता है जब आपके हाथ में भारी-भरकम बिल थमाया जाता है। अगर कोई ग्राहक बिल देने से मना करता है, तो वहां मौजूद बाउंसर और मैनेजर डरा-धमकाकर या मारपीट कर पैसे वसूलते हैं। बेंगलुरु के एमजी रोड, कोरमंगला, चर्च स्ट्रीट, इंदिरा नगर और कल्याण नगर के कुछ छोटे कैफे और मुंबई में अंधेरी, बांद्रा और जुहू के छोटे क्लब और लाउंज, यहां ये गिरोह सबसे ज्यादा सक्रिय हैं।

जल्लीकट्टू के दौरान मरने वाले लोगों के परिजनों को मिलेंगे 10 लाख रुपये, एआईएडीएमके प्रमुख का एलान

चेन्नई, 27 जनवरी (एजेंसियां)। एआईएडीएमके की सरकार बनी तो जल्लीकट्टू के खेल में सांडों को काबू करने के दौरान जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। ये एलान एआईएडीएमके के महासचिव के पलानीस्वामी ने मंगलवार को किया है। राज्य के जिले सालापलायम में जल्लीकट्टू के उद्घाटन कार्यक्रम में पलानीस्वामी ने ये बात कही। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के लोकप्रिय खेल जल्लीकट्टू के दौरान सांडों को काबू करने वाले खिलाड़ियों और सांडों को राज्य सरकार की ओर से बीमा कवर भी दिया जाएगा। पलानीस्वामी ने सांडों को शपथ भी दिलाई को सांडों को काबू करने के दौरान उन्हें चोट नहीं पहुंचाई जाएगी। पलानीस्वामी ने कहा कि जल्लीकट्टू का पारंपरिक खेल तमिलनाडु की संस्कृति का प्रतीक है।

युवाओं को लुभाने की कोशिश

पलानीस्वामी ने कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाने से पहले कहा, 'जब इस साल उनकी पार्टी सरकार बनाएगी, तो एआईएडीएमके जल्लीकट्टू के दौरान मरने वाले लोगों को 10 लाख रुपये की राहत देगी, साथ ही पारंपरिक खेल के लिए रजिस्टर्ड सांडों को काबू करने वालों और सांडों का बीमा भी कराएगी।'

इसे एआईएडीएमके द्वारा युवाओं को लुभाने की तरकीब के तौर पर देखा जा रहा है।

इससे पहले मदुरै के अलंगनल्लूर में जल्लीकट्टू कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने एलान किया था कि सबसे ज्यादा सांडों को काबू करने में सफल रहने वाले व्यक्ति को सरकारी नौकरी दी जाएगी।

आधी रात को सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान अभिनेत्री मिमी के साथ बदसलूकी, पुलिस में शिकायत दर्ज

कोलकाता, 27 जनवरी (एजेंसियां)। अभिनेत्री व पूर्व सांसद मिमी चक्रवर्ती ने उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव में मंच पर सांस्कृतिक प्रस्तुति के दौरान उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मिमी की शिकायत के अनुसार, बनगांव के नयागाम इलाके में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान वह प्रस्तुति दे रही थीं।

इस दौरान आयोजकों में से एक तन्मय शास्त्री ने स्टेज पर चढ़कर उनके कार्यक्रम को जबरदस्ती रोक दिया और आधी रात को उन्हें स्टेज से नीचे उतरने के लिए कहा। मिमी ने इसे अपमानजनक बताया और बाद में ईमेल के माध्यम से बनगांव पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई। हालांकि, आयोजक युवक संघ क्लब तन्मय शास्त्री कहा कि मिमी कार्यक्रम में तय समय से लगभग एक घंटा देर से आईं। कार्यक्रम के लिए रात 12 बजे तक ही पुलिस की अनुमति थी। छात्रों की बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम रोकना आवश्यक था। उन्होंने कहा कि अगर मिमी को अपमान महसूस हुआ तो वह माफी मांगते हैं।

60 साल के बुजुर्ग को बाइक से बांधकर 4 किलोमीटर तक घसीटा, खाल कटी, हड्डियां बाहर आईं

रीवा, 27 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां 60 साल के एक वृद्ध केवल इसलिए युवकों की हैवानियत का शिकार हो गए, क्योंकि उन्होंने रास्ते में रुकने से इनकार कर दिया। पीड़ित वृद्ध साइकिल से सिमरिया मेला देखकर अपने घर लौट रहे थे, तभी यह भयानक घटना घटी। पीड़ित की पहचान लक्ष्मण प्रजापति के रूप में हुई है, जो रीवा जिले के निवासी हैं। रास्ते में कुछ युवक मोटरसाइकिल लेकर खड़े थे। जैसे ही उन्होंने लक्ष्मण प्रजापति को साइकिल से आते देखा, उन्होंने उनका रास्ता रोक लिया और रुकने को कहा, लेकिन वृद्ध ने उनकी बात नहीं मानी और साइकिल चलाते हुए आगे बढ़ गए। युवकों को यह बात नागवार गुजरी। उन्हें लगा कि वृद्ध ने उनकी बात न मानकर उनका अपमान कर दिया है। इसी गुस्से और अहंकार में युवक दल ने बदला लेने की ठान ली। उन्होंने वृद्ध का पीछा किया और कुछ दूरी पर उन्हें जबरन पकड़ लिया। इसके बाद जो हुआ, उसने सभी को सिहरा दिया। पीड़ित की बहू सोनू प्रजापति ने बताया कि युवकों ने बेहद क्रूरता से इस वारदात को अंजाम दिया। आरोप है कि लक्ष्मण प्रजापति के हाथ मफलर से बांध दिए गए और फिर उन्हें एक मोटरसाइकिल से बांध दिया गया। इसके बाद उसी हालत में उन्हें सड़क पर लगभग 3 से 4 किलोमीटर तक बाइक से घसीटा गया। इस दौरान वृद्ध दर्द से तड़पते रहे, लेकिन आरोपियों ने कोई रहम नहीं दिखाया। सड़क पर घसीटे जाने से लक्ष्मण प्रजापति के शरीर पर कई गंभीर चोटें आई हैं। उनके हाथों की त्वचा कट गई है और हड्डियां तक बाहर आ गई हैं।

पूरे शरीर पर गहरे जख्म हैं। इस बर्बर हमले के बाद उनकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। फिलहाल वह मौत से जूझ रहे हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इस घटना में तीन युवक शामिल हैं। इनमें से एक आरोपी की पहचान पीड़ित ने कर ली है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गांव में घुसा तेंदुआ, कई लोगों पर किया हमला, भीड़ ने पीछा कर पीट-पीटकर मार डाला

कोलकाता, 27 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार जिले से एक बेहद सनसनीखेज और डराने वाली घटना सामने आई है। फलाकाटा थाना क्षेत्र के अंतर्गत धनीरामपुर 2 नंबर ग्राम पंचायत के सरुगांव इलाके में अचानक एक तेंदुआ गांव में घुस आया। दिन के उजाले में तेंदुए की मौजूदगी से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। देखते ही देखते तेंदुए ने एक के बाद एक ग्रामीणों पर हमला करना शुरू कर दिया। स्थानीय सूत्रों और वन विभाग के मुताबिक, तेंदुए के हमले में करीब 7 से 8 ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए। लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही तेंदुआ हमला कर चुका था। घायलों में पुरुष और महिलाएं दोनों शामिल हैं। तेंदुए के अचानक हमलों से गांव में अफरा-तफरी मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे। घटना की सूचना मिलते ही जटेश्वर फाड़ी की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने हालात को संभालते हुए घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की।

एटीएम कैश घोटाले से मचा हड़कंप! हिताची के कर्मचारियों पर लगा 57 लाख रुपये गबन करने का आरोप

बेंगलूरु, 27 जनवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु में एक बार फिर एटीएम के लिए रखी गई नकदी की कथित चोरी का मामला सामने आया है। एमएस कैश वैन लूट कांड के कुछ ही महीनों बाद, अब एक पेमेंट सर्विस कंपनी से जुड़ा बड़ा घोटाला उजागर हुआ है। आरोप है कि हिताची पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के कर्मचारियों ने एटीएम में कैश डालने के लिए रखी गई 57 लाख रुपये से ज्यादा की रकम गबन कर ली है। गौरतलब है कि नवंबर 2025 में सी एमएस कैश वैन लूटकांड ने पूरे देश को हिला दिया था। उस मामले में खुद को आरबीआई अधिकारी बताने वाले लोगों ने दिनदहाड़े कैश वैन को लूटा था। जांच में सामने आया था कि इस वारदात को एमएस के पूर्व कर्मचारियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर बेहद सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया था। अब इसी तरह का एक और मामला सामने आया है, जिसमें कि हिताची पेमेंट सर्विसेज, जो एक्सिस बैंक के एटीएम में कैश जमा करने का काम करती है के कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगे हैं।

कंपनी अधिकारियों ने पुलिस को दी शिकायत

कंपनी अधिकारियों ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि एक्सिस बैंक, कोरमंगला से निकाली गई नकदी, जिसे एटीएम में जमा किया जाना था, उसे रास्ते में ही कथित तौर पर हड़प लिया गया। कंपनी के एक कर्मचारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि एटीएम में कैश लोड करने की जिम्मेदारी संभाल रहे चार कर्मचारियों ने अलग-अलग समय पर 57 लाख रुपये से अधिक की रकम निकाल ली। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। जांच अधिकारियों का शक है कि यह रकम एक साथ नहीं, बल्कि धीरे-धीरे और सुनियोजित तरीके से गबन की गई।

कंपनी से मांगा गया लेनदेन का पूरा ब्योरा

पुलिस का यह भी कहना है कि कंपनी ने धोखाधड़ी का पता चलने के कई हफ्ते बाद शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल, आरोपियों से पूछताछ के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं। यह मामला कोरमंगला पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। पुलिस ने कंपनी से संबंधित दस्तावेज और वित्तीय लेनदेन का पूरा ब्योरा भी मांगा है, ताकि घोटाले की पूरी सच्चाई सामने लाई जा सके।

नाटो बोला-अमेरिका के बिना यूरोप अपनी रक्षा नहीं कर सकता

यूरोपीय नेता बस सपने देख रहे, अगर अकेले चलना है तो डिफेंस बजट बढ़ाएं

वॉशिंगटन, 27 जनवरी (एजेंसियां)। नाटो के महासचिव मार्क रुट ने सोमवार को ब्रुसेल्स में यूरोपीय संसद को संबोधित करते हुए चेतावनी दी कि यूरोप अमेरिका के बिना खुद की रक्षा नहीं कर सकता।

रुट ने कहा कि अगर वे वास्तव में अकेले ही ऐसा करना चाहते हैं तो उन्हें अपने रक्षा खर्च को 10% तक बढ़ाना होगा, अपनी परमाणु क्षमता का निर्माण करना होगा, जिसकी लागत अरबों यूरो होगी। अभी नाटो के खर्च में यूरोपीय देशों का कुल योगदान केवल 30% है, जो देशों की जीडीपी का औसतन 2% है।

रुट ने ट्रम्प के आर्कटिक क्षेत्र और ग्रीनलैंड की मजबूत रक्षा की रणनीति का समर्थन किया। रुट ने यह भी कहा कि उन्होंने ट्रम्प को उनकी बढ़ती धमकियों से पीछे हटने के लिए मनाया और ग्रीनलैंड को लेकर समझौते की दिशा में ले जाने की कोशिश की।

डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं की रुट से नाराजगी बढ़ी

ट्रम्प ने 21 जनवरी को दावोस में रुट के साथ ग्रीनलैंड को लेकर बातचीत की थी। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेता इस बात से नाराज हो गए थे कि ट्रम्प और रुट उनके पीठ पीछे ग्रीनलैंड के भविष्य पर बात कर रहे हैं।

यूरोपीय संसद के कई सदस्यों ने रुट से पूछा कि उन्होंने ट्रम्प से ठीक क्या चर्चा की और इसका डेनमार्क व ग्रीनलैंड पर क्या असर होगा। ट्रम्प ने पिछले हफ्ते दावा किया था कि ग्रीनलैंड के भविष्य को लेकर नाटो के साथ एक समझौते का ढांचा तैयार हो गया है, जिससे यूरोप में राहत मिली, हालांकि कई लोग चिंतित हैं कि ट्रम्प अपना मन बदल सकते हैं।

रुट ने कहा कि 70 साल बाद भी यूरोप अमेरिकी सैन्य शक्ति पर निर्भर है। यूरोप को अपनी मजबूत रक्षा के लिए बहुत अधिक खर्च करना होगा, यहां तक कि अपना परमाणु हथियार बनाना पड़ेगा।

उन्होंने कहा, '2035 तक 5% जीडीपी रक्षा खर्च काफी नहीं, इसे 10% तक ले जाना होगा। उस स्थिति में आप हमारी स्वतंत्रता के अंतिम गारंटर यानी अमेरिकी परमाणु सुरक्षा कवच को खो देंगे। अगर यूरोप अकेला चल सके तो मेरी ओर से शुभकामनाएं।'

रुट ने ट्रम्प की बात दोहराई कि चीन और रूस आर्कटिक सुरक्षा के लिए खतरा बन रहे हैं। उन्होंने कहा, ट्रम्प बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, मैं जानता हूं कि इससे कई लोग चिढ़ रहे हैं। आर्कटिक रक्षा को लेकर उन्होंने कहा कि ट्रम्प सही हैं। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प यूरोपीय देशों पर 10% टैरिफ लगाने से पीछे हट गए थे। ये टैरिफ 1 फरवरी से लगने वाले थे। ट्रम्प ने रुट के साथ बातचीत के बाद यह फैसला लिया था। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उनकी नाटो चीफ के साथ ग्रीनलैंड को लेकर होने वाले समझौते की बुनियादी बातें तय हो गई हैं। अगर यह समझौता पूरा होता है, तो यह अमेरिका और नाटो के सभी देशों के लिए फायदेमंद होगा।

शक्ति प्रदर्शन या दुनिया को चेतावनी?

उत्तर कोरिया ने दागी मिसाइलें, दक्षिण कोरिया सतर्क, बढ़ी सुरक्षा चिंताएं

प्योंगयांग, 27 जनवरी (एजेंसियां)। एशियाई क्षेत्र में एक बार फिर तनाव गहरा गया है। पहले से ही दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच चल रहे राजनीतिक और सैन्य तनाव के बीच उत्तर कोरिया ने मंगलवार को अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हुए बड़ा कदम उठाया। उत्तर कोरिया ने अपनी पूर्वी समुद्री सीमा की ओर कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिसकी पुष्टि दक्षिण कोरिया और जापान ने की है। यह मिसाइल प्रक्षेपण ऐसे वक्त पर हुआ है, जब उत्तर कोरिया में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बैठक होने वाली है और क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी हुई है। ऐसे में इस कदम को न सिर्फ एक सैन्य अभ्यास, बल्कि पड़ोसी देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए एक कड़े संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। दक्षिण कोरिया की सेना के मुताबिक, उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के उत्तर-पूर्वी इलाके से कई बैलिस्टिक मिसाइलें छोड़ी गईं, जो करीब 350 किलोमीटर तक उड़ान भरने के बाद समुद्र में जा गिरीं।

भारत ही नहीं, यूरोप के लिए भी खतरा बना पाकिस्तान का इस्लामी जिहाद

फिनलैंड मिलिट्री का बड़ा खुलासा

हेलसिंकी, 27 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान पूरी दुनिया के लिए खतरा बनता जा रहा है। इसका राज्य प्रायोजित आतंकवाद अब यूरोपीय देशों तक फैल चुका है। इसकी पुष्टि 2026 के फिलनैंड मिलिट्री इंटेलिजेंस रिव्यू में हुआ है। इसमें बताया गया है कि पाकिस्तान स्थित इस्लामी जिहादी नेटवर्क यूरोप के लिए लगातार एक स्थायी और विकसित हो रहा सुरक्षा खतरा बन गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इससे पहले भारत को खतरा था, लेकिन अब इनकी पहुंच पूरी दुनिया तक हो चुकी है। अब बड़े अंतरराष्ट्रीय सिस्टम में शामिल हैं। इस क्लासिफाइड फिनिश मिलिट्री इंटेलिजेंस रिव्यू ने पश्चिमी खुफिया एजेंसियों की नींदें उड़ा दी है। यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस के सार्वजनिक रूप से पाकिस्तानी मूल के चरमपंथी नेटवर्कों के दक्षिण एशिया और यूरोप दोनों को प्रभावित करने वाले आतंकी गठजोड़ में शामिल होने के दावे के बाद आई है। पिछले कुछ वर्षों में, जर्मनी और नीदरलैंड सहित कई यूरोपीय देशों ने आधिकारिक बयानों, खुफिया आकलन और अदालती कार्यवाही में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे पाकिस्तानी आतंकवादी समूहों से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं का बार-बार जिक्र किया गया है। फिनलैंड की सेना के खुफिया आकलन में कहा गया है कि इस्लामी जिहाद कम नहीं हुआ है, बल्कि इसने खुद को ढाल लिया है।

इस रिपोर्ट में कट्टरपंथी इस्लामी समूहों को सिर्फ आतंकवादी संगठनों के रूप में नहीं, बल्कि हाइब्रिड युद्ध संरचनाओं के अभिन्न घटकों के रूप में बताया गया है। फिनलैंड की खुफिया एजेंसियों का कहना है कि ये नेटवर्क साइबर अपराध, प्रॉक्सी हिंसा, अस्वीकार्य असामयिक कार्य और राजनीतिक हेरफेर जैसी अवैध गतिविधियों में शामिल हैं।

इस रिपोर्ट में पाकिस्तान को इस खतरनाक इकोसिस्टम के हब के रूप में पहचाना गया है। रिपोर्ट में तर्क दिया गया है कि खतरा सिर्फ छिटपुट आतंकवादी हमलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक अस्थिरता का कारण भी बन सकती है। पाकिस्तान में पैदा होने और फलने-फूलने वाले आतंकी संगठनों का भले ही प्राथमिक लक्ष्य भारत हो, लेकिन इससे यूरोप और बाकी दुनिया अछूती नहीं है।

ताइवान युद्ध में अमेरिका पर संकट आया तो हम भी कूदेंगे

जापानी पीएम का बड़ा ऐलान, चीन को दिखाई आंख

टोक्यो, 27 जनवरी (एजेंसियां)। जापान की प्रधानमंत्री ताकाइची सनाए ने ताइवान को ऐसा मुद्दा करार दिया है, जो अमेरिका से उनके देश के संबंधों पर असर डाल सकता है।सनाए ने सोमवार को कहा कि अगर ताइवान में कोई संकट आया और अमेरिकी सेना पर हमला हुआ तो फिर जापान भी वहां जाएगा। ऐसे वक्त में अगर कुछ नहीं किया गया तो टोक्यो और वॉशिंगटन के बीच सुरक्षा गठबंधन कमजोर पड़ेगा। जापानी पीएम का यह बयान ऐसे समय आया है, जब चीन की ओर से ताइवान पर कंट्रोल के संकेत दिए गए हैं। इससे ताइवान पर चीन के सैन्य हमले का अंदेशा बढ़ा है। ऐसे में ताकाइची का बयान एक दफा फिर से जापान-चीन में तनाव बढ़ा सकता है।

निक्केई एशिया के अनुसार, टीवी असाही के कार्यक्रम में ताकाइची ने ताइवान से जापानी नागरिकों को निकालने के लिए अमेरिका के साथ संयुक्त ऑपरेशन की संभावना पर बात की। उन्होंने इस संबंध में हुए सवाल पर कहा कि अगर जापान कुछ नहीं करता और अमेरिकी सेना पर हमला होने पर दूरी बनाता है तो फिर तो अमेरिका के साथ हमारा गठबंधन खत्म ही हो जाएगा। ताकाइची ने आगे कहा, 'सैन्य हमले से पैदा होने वाली इमरजेंसी की स्थिति में हमें ताइवान में जापानी और अमेरिकी नागरिकों को बचाने के लिए जाना होगा। ऐसी किसी भी परिस्थिति में हम इसका जायजा लेंगे कि वहां क्या हो रहा है। हालात को समझते हुए हम मौजूदा कानूनों के दायरे में रहकर अपना जवाब देंगे।'

ताकाइची के बयानों ने चीन-जापान में तनाव बढ़ाया है। बीते साल 7 नवंबर को जापान की संसद में ताकाइची ने कहा था कि ताइवान के खिलाफ चीनी नाकेबंदी और सैन्य कार्रवाई को जापान के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा करने वाली स्थिति माना जा सकता है।

तुर्की और पाकिस्तान खाड़ी देशों की ताकत को कैसे कमजोर कर रहे

मौके का ऐसे उठा रहे फायदा

दुबई, 27 जनवरी (एजेंसियां)। फूट डालो और राज करो। तुर्की और पाकिस्तान मध्य पूर्व में कुछ ऐसी ही रणनीति पर चल रहे हैं। ये दोनों देश मध्य पूर्व में जारी क्षेत्रीय टकराव का फायदा उठा रहे हैं। इसके जरिए दोनों देशों ने मध्य पूर्व में अपने दबदबे को बढ़ाया है। पाकिस्तान का सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौता इसी का एक उदाहरण है। तुर्की ने भी सऊदी अरब के साथ कई बड़े रक्षा संबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं। तुर्की संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर भी डोरे डाल रहा है। पाकिस्तान भी इस कोशिश में शामिल है। दोनों देशों की कोशिश मध्य पूर्व में अशांति को बढ़ावा देकर मौके का फायदा उठाने की है।

पाकिस्तान खाड़ी देशों में जारी तनाव का फायदा उठाने की पूरी कोशिश कर रहा है। वह न सिर्फ कूटनीतिक बातचीत में शामिल होना चाहता है, बल्कि संघर्ष में शामिल देशों को हथियारों का भी ऑफर दे रहा है। इसी कड़ी में पाकिस्तान ने सऊदी अरब को कर्ज के बदले जेएफ-17 लड़ाकू विमान का ऑफर दिया था। पाकिस्तानी नेतृत्व सऊदी के साथ रक्षा समझौता होने के बाद अब संयुक्त अरब अमीरात पर भी डोरे डाल रहा है। लगातार पाकिस्तानी शीर्ष राजनेता और अधिकारी यूएई का दौरा कर रहे हैं।

इंटेलिजेंस सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि तुर्की सऊदी अरब और यूएई से सीधे टकराव के बजाए क्षेत्रीय कमजोरियों का फायदा उठाकर खाड़ी देशों में अपने दबदबे को बढ़ा रहा है। तुर्की इसके लिए पाकिस्तान से सहयोग भी ले रहा है।

रिपोर्ट में इंटेलिजेंस के हवाले से बताया गया है कि तुर्की को बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य के आसपास लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता से चुपचाप फायदा हुआ है।बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य एक महत्वपूर्ण समुद्री चोकपॉइंट है, जिससे अनुमानित 12-15 प्रतिशत वैश्विक व्यापार और यूरोप जाने वाले लगभग 30 प्रतिशत कंटेनर ट्रैफिक गुजरता है। इस गलियारे में किसी भी रुकावट से सऊदी और अमीराती बंदरगाहों पर बहुत बुरा असर पड़ सकता है। खासकर जेबेल अली और फुजैराह जैसे बंदरगाहों के पूरी तरह ठप होने का खतरा है।

तुर्की यमन में हूती विद्रोहियों का समर्थन नहीं करता है। इसके बजाए वह मिस्र के मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े यमनी गुटों के संपर्क में है। इससे वह सऊदी अरब समर्थित राजनीतिक ढांचों को कमजोर कर रहा है। तुर्की ने ऐसी ही रणनीति लीबिया और सूडान में आजमायी थी, जहां उसने अपने सैनिकों को तैनात किए बिना सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के प्रभाव को कम करने के लिए राजनीतिक इस्लामी समूहों का समर्थन किया था।

ग्रीस, इजरायल संग मिलकर भारत बनाएगा 'मेडिटेरेनियन क्वाड'?

तेल अवीव, 27 जनवरी (एजेंसियां)। ग्रीस, साइप्रस और इजरायल ने हाल ही में त्रिपक्षीय सैन्य सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस गुट में भारत के भी शामिल होने की चर्चा चल रही है। इजरायल, ग्रीस और साइप्रस ने बाकायदा '3+1' मंच में शामिल होने के लिए भारत को आमंत्रित किया है। भारत के इन तीनों देशों से अच्छे संबंध हैं। दूसरी ओर तुर्की और पाकिस्तान के गठजोड़ का मुकाबला करने के लिए भी भारत को यह गुट अच्छा विकल्प दे सकता है। ऐसे में भारत के इसमें आने की संभावना को ताकत मिल रही है। ग्रीक सिटी टाइम्स के मुताबिक, रिटायर्ड इंडियन एयर मार्शल अनिल चोपड़ा के मौजूदा ग्रीस-साइप्रस-इजरयल त्रिपक्षीय फ्रेमवर्क में भारत को शामिल करके मेडिटेरेनियन क्वाड में बदलने के प्रस्ताव ने भूराजनीतिक हलकों में बहस छेड़ दी है।

फिलीपींस में फेरी डूबने के बाद कंपनी के यात्री जहाजों पर रोक

18 लोगों की गई थी जान

मनीला, 27 जनवरी (एजेंसियां)। फिलीपींस के अधिकारियों ने मंगलवार को उस कंपनी के सभी यात्री जहाजों को रोक दिया, जिसके स्वामित्व वाली एक नौका दक्षिण में डूब गई थी। इस घटना में कम से कम 18 लोग मारे गए थे। वहीं, 300 से अधिक लोगों को बचा लिया गया था। दरअसल बासिलन प्रांत के एक द्वीप के पास सोमवार तड़के डूबे एम/वी ट्रिशा कर्स्टन 3 जहाज के दस लोग, जिनमें ज्यादातर चालक दल के सदस्य और कप्तान शामिल हैं, अभी भी लापता हैं।

तटरक्षक बल के एडमिरल रॉनी गावन ने बताया कि तटरक्षक बल और नौसेना के नेतृत्व में उन जलक्षेत्रों में तलाशी अभियान जारी है, जहां तेल की परत देखी गई है।

ब्रिटेन में भारतवंशी नेता सुएला ब्रेवरमैन ने कंजरवेटिव पार्टी छोड़ी

कट्टर दक्षिणपंथी नाइजल फराज की पार्टी में शामिल

लंदन, 27 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन की पूर्व गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने सोमवार को कंजर्वेटिव पार्टी छोड़कर आप्रवासन-विरोधी पार्टी रिफॉर्म यूके पार्टी जॉइन कर ली। उन्होंने कहा कि वे अब टोरी पार्टी को "अलविदा" कह रही हैं, क्योंकि कंजर्वेटिव सरकार के दौर में इमिग्रेशन पूरी तरह "काबू से बाहर" हो गया है।

45 साल की ब्रेवरमैन दक्षिणी इंग्लैंड के फेयरहैम और वॉटरलूविल से सांसद हैं और गोवा मूल की हैं। उन्होंने सार्वजनिक तौर पर बताया कि उन्होंने कंज़र्वेटिव पार्टी की 30 साल पुरानी सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। लंदन में हुए एक कार्यक्रम में रिफॉर्म यूके के नेता नाइजेल फराज ने उनका स्वागत किया।

ब्रेवरमैन अब उन बड़े कंजर्वेटिव नेताओं में शामिल हो गई हैं, जिन्होंने फाराज की पार्टी का दामन थामा है। उनसे पहले पूर्व मंत्री रॉबर्ट जेनरिक और नदीम जहावी भी रिफॉर्म यूके में जा चुके हैं। इसके साथ ही कंजर्वेटिव पार्टी से रिफॉर्म यूके में जाने वाले सांसदों की संख्या 8 हो गई है। पार्टी छोड़ने के बाद ब्रेवरमैन ने कहा, "ब्रिटेन टूट चुका है। देश तकलीफ में है, ठीक नहीं है। इमिग्रेशन काबू से बाहर है, सार्वजनिक सेवाएं चरमरा गई हैं, लोग खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करते और हमारे युवा बेहतर भविष्य की तलाश में देश छोड़कर जा रहे हैं।"

ब्रेवरमैन ने फराज की तारीफ करते हुए कहा कि ब्रिटिश राजनीति में सिर्फ एक ही ऐसा व्यक्ति है जो अपने देश के लिए लगातार साहस के साथ खड़ा रहा है, और वह व्यक्ति नाइजेल फराज हैं।

कंजर्वेटिव पार्टी के भीतर ब्रेवरमैन को कट्टर दक्षिणपंथी धड़े का बड़ा चेहरा माना जाता रहा है।

दुनिया को डराने वाले ट्रम्प यूरोप के आगे क्यों झुके

27 देशों ने 'ट्रेड बाजूका' की धमकी दी, घबराए ट्रम्प ने 10% टैरिफ हटाया

वॉशिंगटन, 27 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने स्विट्जरलैंड के दावोस में हुए वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में जिस तरीके से यूरोपीय देशों की खिल्ली उड़ाई, उसी से साफ हो गया है कि वे इन्हें कितनी अहमियत देते हैं।

इसी बैठक से यूरोप को एक अहम सबक भी मिला। दावोस ने यूरोप को सिखाया कि जब सभी देश मिलकर सीमाओं और संप्रभुता की रक्षा करते हैं, तो बड़े देशों के दबाव का मुकाबला किया जा सकता है।

ट्रम्प ने जब इन देशों पर 1 फरवरी से 10% टैरिफ लगाने की धमकी दी तो, यूरोप ने अमेरिका पर 'ट्रेड बाजूका' लगाने की धमकी दी। इसका मतलब साफ था कि यूरोप भी पूरी ताकत से जवाबी आर्थिक कदम उठाने के लिए तैयार है। आखिरकार दुनिया को टैरिफ से डराने वाले ट्रम्प को यूरोपीय यूनियन (ईयू) के 27 देशों के आगे झुकने पड़ा।

ट्रम्प ने ग्रीनलैंड पर भी नरमी बरती और कहा कि इस पर कब्जा करने के लिए ताकत का इस्तेमाल नहीं करेंगे। उन्होंने यूरोपीय देशों पर जो 10% टैरिफ लगाने का ऐलान किया था, उससे भी पीछे हट गए।

'ट्रेड बाजूका' दरअसल यूरोपीय यूनियन (ईयू) का एक खास कानून है, जिसका असली नाम है एंटी-कोएर्शन इंस्ट्रूमेंट।

इस कानून का मकसद यह है कि अगर कोई देश ईयू या उसकी कंपनियों पर गलत तरीके से दबाव बनाए (जैसे टैरिफ लगाकर धमकाना), तो ईयू उसके जवाब में सख्त आर्थिक कदम उठा सके।

इसके तहत ईयू- उस देश के सामान का इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट रोक सकता है। उसकी कंपनियों को ईयू के सरकारी टेंडर से बाहर कर सकता है। उस देश के निवेश पर पाबंदी लगा सकता है।

यानी कि अगर यूरोपीय यूनियन चाहे तो अपने 45 करोड़ लोगों वाले बड़े बाजार का दरवाजा ही बंद कर सकता है। इससे सामने वाले देश की कंपनियों को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है। अगर यह कदम उठाया गया तो इससे अमेरिकी कंपनियों और अमेरिका की अर्थव्यवस्था को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है।

अमेरिका में बर्फीला तूफान, 30 लोगों की मौत

20 इंच तक बर्फ गिरी, स्कूल-हाईवे बंद, 7 लाख घरों में बिजली गुल, 8 हजार फ्लाइट कैंसिल

वाशिंगटन, 27 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में रविवार से जारी बर्फीले तूफान ने देशभर में हालात बिगाड़ दिए है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 20 राज्यों और राजधानी वॉशिंगटन डीसी में इमरजेंसी घोषित कर रखा है।

नेशनल वेदर सर्विस (एनडब्ल्यूएस) के मुताबिक, तूफान लगभग 3,220 किलोमीटर के एरिया में फैला है। करीब 21 करोड़ यानी दो-तिहाई अमेरिकी इस तूफान की चपेट में है। डेली मेल के मुताबिक न्यूयॉर्क समेत देशभर में अब तक 30 लोगों की जान गई है।

देश के कई इलाके में 12 से 20 इंच तक बर्फ गिरी, जिससे हाईवे बंद हो गए, उड़ानें रद्द हुईं और स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी गईं। सोमवार शाम तक करीब 7 लाख घर बिना बिजली के रहे।

फ्लाइटअवेयर के अनुसार सोमवार को देशभर में 8,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं। शुक्रवार से अब तक 31,000 से अधिक उड़ानें बाधित हो चुकी हैं। वहीं, रविवार को 10,800 से अधिक उड़ानें रद्द हुई हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि फ्लाइट कैंसिल और देरी की समस्या कई दिनों तक बनी रह सकती है।

बिजली आने में हफ्तों लग सकते हैं

अमेरिका का टेनेसी सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। यहां रविवार दोपहर तक लगभग 3.37 लाख घरों और व्यवसायों में बिजली नहीं थी।

लुइसियाना और मिसिसिपी में 1 लाख से ज्यादा घरों में बिजली नहीं थी। केंटकी, जॉर्जिया, अलबामा और वेस्ट वर्जीनिया में भी लाखों घर बिजली के बिना है। बर्फ और बर्फीली बारिश से पेड़ और पावर लाइन टूट गए।

टिप्पाह इलेक्ट्रिक पावर ने बताया कि नुकसान बड़ा है। वापस बिजली सप्लाई शुरू करने में कई सप्ताह लग सकते हैं।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों बोले- हमारे बच्चों का दिमाग बिकाऊ नहीं

सोशल मीडिया इस्तेमाल करने पर जल्द बैन लगाएंगे, हाई स्कूल में मोबाइल पर भी रोक

पेरिस, 27 जनवरी (एजेंसियां)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि उनके बच्चों और किशोरों का दिमाग बिकाऊ नहीं है। उन्होंने कहा कि सितंबर से पहले 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर बैन लगा दिए जाएंगे। इसके लिए सरकार कानूनी प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने पर काम कर रही है।

उन्होंने साफ कहा कि 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाया जाएगा और हाई स्कूलों में मोबाइल फोन पर भी रोक लगेगी। मैक्रों के मुताबिक, यह नियम बच्चों, माता-पिता और शिक्षकों तीनों के लिए बिल्कुल साफ और स्पष्ट होगा। फ्रांस का यह फैसला ऐसे समय आया है जब पश्चिमी देशों में बच्चों को सोशल मीडिया के नुकसान से बचाने को लेकर सख्त कानून बनाने की कोशिशें तेज हो रही हैं।

पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया ने एक ऐतिहासिक कानून पास किया था, जिसके तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए इंस्टाग्राम, टिकटॉक, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट रखना प्रतिबंधित कर दिया गया।

मैक्रों की घोषणा से कुछ दिन पहले ही ब्रिटेन सरकार ने भी कहा था कि वह बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षित रखने के लिए कई विकल्पों पर विचार कर रही है, जिनमें 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पाबंदी लगाना भी शामिल है।

फ्रांस में इस प्रस्ताव की अगुवाई मैक्रों की पार्टी रिनेसां की सांसद लॉर मिलर कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उम्र की कोई सही जांच नहीं होती।

कोई भी व्यक्ति बर्थडे डालकर आसानी से अकाउंट बना सकता है। सरकार चाहती है कि यूरोपीय डिजिटल सर्विसेज एक्ट के तहत प्लेटफॉर्म पर सख्ती से असली उम्र की पुष्टि अनिवार्य की जाए। इसका मतलब यह होगा कि यूजर को साबित करना पड़ेगा कि वह 15 साल से ऊपर है या नहीं।

लॉर मिलर ने माना कि नियमों से बचने के रास्ते हमेशा निकल सकते हैं, लेकिन उनका कहना था कि कम से कम बच्चों को ऑनलाइन नुकसान से बचाने की दिशा में ठोस कदम तो उठाया जाना चाहिए।

आरजेडी कार्यकर्ताओं की मेहनत को धो-पोछकर बर्बाद कर दिया

रोहिणी का तेजस्वी पर निशाना, बोलीं- खुले मंच पर आएं, मुंह कौन चुरा रहा, साफ हो जाएगा

पटना, 27 जनवरी (एजेंसियां)। लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने एक बार फिर बिना नाम लिए अपने भाई और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने पार्टी के भीतर चल रही गतिविधियों पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए नेतृत्व की भूमिका और फैसलों पर खुली नाराजगी जताई है।

रोहिणी ने X पर लिखा, लालू जी और पार्टी के लिए किसने क्या काम किया है, यह लोकसभा और हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों से साफ दिखाई देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन्हें जिम्मेदारी दी गई, उनके और उनके बाहरी सलाहकारों ने लालू जी और पार्टी के लिए दशकों से संघर्ष कर रहे सच्चे कार्यकर्ताओं की मेहनत को नजरअंदाज कर धो-पोछ कर पार्टी को बर्बादी की कगार पर ला कर खड़ा कर दिया है। सवाल पहले भी उठे थे , आज भी सवाल उठ रहे हैं, आगे भी उठेंगे।

अगर नैतिक साहस है तो खुले मंच पर सवालों का सामना करने की हिम्मत जुटानी चाहिए। ज्ञान कौन दे रहा और ज्ञान देने की बात कर सच्चाई से मुंह कौन चुरा रहा, ये साफ हो जाएगा। आज पार्टी के हर सच्चे कार्यकर्ता और समर्थक के मन में सवाल है कि जिन चंद घटिया लोगों को, लालू जी को नजरअंदाज कर, एक तरीके से सर्वेसर्वा बना दिया गया, उन लोगों ने पार्टी के लिए क्या किया? पिछले रविवार (25 जनवरी) को तेजस्वी यादव का आरजेडी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। जिसके बाद रोहिणी ने तंज भरे लहजे में तेजस्वी को शुभकामनाएं दीं। रोहिणी ने X पर लिखा, 'गिरोह-ए-घुसपैठ की कठपुतली बने शहजादे को ताजपोशी मुबारक।'

पटना में आरजेडी की कार्यकारिणी बैठक से पहले भी रोहिणी ने तेजस्वी यादव को घेरने की कोशिश की। उन्होंने X पर लिखा, 'जिसे सही मायने में लालू यादव की विचारधारा को आगे ले जाने की परवाह होगी, वह जरूर पार्टी की मौजूदा स्थिति को लेकर

जिम्मेवार लोगों से सवाल करेगा।'

रोहिणी ने लिखा-"वर्तमान की कड़वी , चिंताजनक एवं दुःखद सच्चाई यही है कि आज जनता के हक -हकूक की लड़ाई लड़ने के लिए जानी जाने वाली, जन-जन की पार्टी की असली कमान फांसीवादी विरोधियों के द्वारा भेजे गए वैसे घुसपैठियों-साजिशकर्ताओं के हाथों में है, जिन्हें लालूवाद को तहस-नहस करने के टास्क के साथ भेजा गया है। कब्जा जमाए बैठे ऐसे लोग अपने गंदे मकसद में काफी हद तक सफल होते भी दिखते हैं।

नेतृत्व की जिम्मेदारी संभाल रहे व्यक्ति को सवालों से भागने,सवालों से बचने,जवाब देने से मुंह चुराने, जवाब देने की बजाए भ्रम फैलाने, लालूवाद और पार्टी की हित की बात करने वालों के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र आचरण, अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने की बजाए अपने गिरेबान में झांकना होगा और अगर "वो" चुप्पी साधता है, तो उस पर साजिश करने वाले गिरोह के साथ मिलीभगत का दोष और आरोप खुद ही साबित होता है।''

हाइवा से टकराई बाइक, मौके पर एक की मौत

जमशेदपुर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। जमशेदपुर के सुंदरनगर थाना क्षेत्र में देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ। हाता मुख्य मार्ग पर थाना से करीब 500 मीटर की दूरी पर हुए इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ बाइक पर सवार दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के मुताबिक हाइवा के पीछे-पीछे एक बाइक तेज रफ्तार से चल रही थी। इसी दौरान हाइवा सड़क किनारे खड़ा हुआ। हाइवा अभी खड़ा ही हुआ था कि तेज रफ्तार बाइक पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। एक युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही सुंदरनगर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल युवक को एंबुलेंस के जरिए नजदीकी अस्पताल भिजवाया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। वहीं, मृतक युवक के परिजनों को हादसे की जानकारी दी गई।

ममता कुलकर्णी को किन्नर अखाड़ा ने बाहर निकाला

अविमुक्तेश्वरानंद को फर्जी और 10 में से 9 महामंडलेश्वर को झूठा कहा था

प्रयागराज, 27 जनवरी (एजेंसियां)। किन्नर अखाड़ा से महामंडलेश्वर ममता कुलकर्णी को बाहर कर दिया गया है। इसकी पुष्टि अखाड़े की प्रमुख महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने वीडियो जारी कर किया। उन्होंने कहा-अखाड़े के पदाधिकारी से बैठक करके यह निर्णय लिया है। अब ममता कुलकर्णी से अखाड़े का कोई संबंध नहीं है। वह अखाड़े की अधिकारी या सदस्य नहीं हैं। हमारे अखाड़े में महिला भी हैं, पुरुष भी हैं और किन्नर भी हैं। हम किसी तरह का विवाद नहीं चाहते हैं। मौनी अमावस्या के दिन जिस तरह से बटुक ब्राह्मणों को शिखा पकड़कर पीटा गया, इससे हमारी भी नाराजगी है।

25 जनवरी (रविवार) को ममता कुलकर्णी (यामाई ममता नंद गिरि) ने अविमुक्तेश्वरानंद विवाद पर कहा था कि 10 में से 9 महामंडलेश्वर और तथाकथित शंकराचार्य झूठे हैं और उन्हें शून्य ज्ञान है।

इसके अलावा शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से 2 सवाल भी

पूछे थे-

पहला: उन्हें शंकराचार्य किसने नियुक्त किया?

दूसरा: करोड़ों की भीड़ में रथ (पालकी) लेकर निकलने की क्या जरूरत थी?

ममता को अखाड़े से बाहर का रास्ता दिखाने के 3 घंटे के अंदर सनातनी किन्नर अखाड़ा की आचार्य महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी उर्फ टीना मां ने कहा- हम लोग शुरू से ममता कुलकर्णी का विरोध कर रहे थे, अखाड़े में गलत लोगों को लाने के पहले ही सोचना चाहिए था। टीना मां ने आगे कहा- अब बहुत देरी हो चुकी है, हम कभी उस अखाड़ें में वापस नहीं जाएंगे।

खबर में पोल है, आगे बढ़ने से पहले हिस्सा ले सकते हैं

बता दें कि टीना मां ने 3 नवंबर 2025 को नए सनातनी किन्नर अखाड़े की स्थापना की। उन्होंने किन्नर अखाड़े से मतभेद के बाद यह निर्णय लिया था। इसके बाद 4 नवंबर को टीना मां का सनातनी किन्नर अखाड़े में पट्टाभिषेक हुआ था।

ममता कुलकर्णी ने आरोप लगाया था कि अविमुक्तेश्वरानंद की वजह से ही उनके शिष्यों को पिटाई झेलनी पड़ी। अगर स्नान करना ही था तो पालकी से उतरकर पैदल जाकर किया जा सकता था। गुरु होने का अर्थ जिम्मेदारी से भरा आचरण होता है। न कि ऐसी जिद, जिसकी कीमत शिष्यों को चुकानी पड़े।

ममता कुलकर्णी ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर भी सवाल उठाए थे।

पूछा था- क्या वे गोहत्या रोकने का वचन दे सकते हैं। जिस गोहत्या को रोकने की बात की जा रही, क्या उस पर अखिलेश यादव कोई ठोस आश्वासन देंगे? ममता ने ऋग्वेद में ऋषि कुणाल और श्वेतकेतु के संवाद का हवाला दिया और कहा कि धर्म को राजनीति से दूर रखना चाहिए।

कुमार विश्वास बोले- मैं अभागा सवर्ण, रोंया-रोंया उखाड़ लो राजा

यूपी में भाजपा नेता ने सवर्ण सांसद-विधायकों को चूड़ियां भेजीं

वाराणसी, 27 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी में यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ विरोध तेज हो गया है। लखनऊ, वाराणसी समेत कई शहरों में सवर्ण समाज के लोग और छात्र सड़कों पर उतर आए हैं। बरेली में सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने इस्तीफा दिया। इसके बाद 5 से ज्यादा भाजपा नेताओं ने भी इस्तीफा दे दिया।

वाराणसी में प्रदर्शनकारियों ने एडीसीपी की गाड़ी रोक दी। "हमारी भूल, कमल का फूल" जैसे नारे लगाए। इस दौरान उनकी पुलिस से झड़प हुई। बीएचयू में विरोध कर रहे छात्रों ने कहा- क्या अब जाति देखकर मित्र बनाएं?

रायबरेली में भाजपा किसान नेता रमेश बहादुर सिंह और गौरक्षा दल के अध्यक्ष महेंद्र पांडेय ने सवर्ण सांसदों को चूड़ियां भेजीं। फरुखाबाद में सवर्ण समाज के लोगों ने "गद्दी छोड़ो... अभी तो ये अंगड़ाई है... आगे और लड़ाई है..." जैसे नारे लगाए।

अयोध्या के संत जगद्गुरु परमहंसाचार्य ने पीएम मोदी को लेटर लिखकर नए नियमों को अन्यायपूर्ण बताते हुए इच्छामृत्यु की मांग की। कहा- अगर सरकार उनकी इच्छामृत्यु की मांग पूरी नहीं करती, तो यूजीसी के संशोधित नियमों को तुरंत वापस लिया जाए। इधर, विश्व बजरंग मंगल दल के राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष डॉ. रवि राय भारद्वाज को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया।

कवि कुमार विश्वास ने X पर तंज कसा। लिखा-चाहे तिल लो या ताड़ लो राजा, राई लो या पहाड़ लो राजा, मैं अभागा 'सवर्ण' हूं... मेरा रोंया-रोंया उखाड़ लो राजा। वहीं, पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह के विधायक बेटे प्रतीक ने लिखा कि समाज के एक वर्ग को ऐतिहासिक अपराधी बताकर वर्तमान में प्रतिशोध का शिकार बनाया जा रहा।

मंत्री संजय निषाद ने कहा- कोई कानून लागू होते ही किसी समाज का नुकसान नहीं कर सकता। लागू होने के बाद अगर खामियां सामने आती हैं, तो उनमें संशोधन हो सकता है। पहले ही विरोध करना गलत है।

पेड़ से टकराई बाइक तीन नाबालिग की मौत

बिना हेलमेट एक ही बाइक पर सवार थे तीनों, शादी समारोह से लौटते वक्त हुआ हादसा

गुमला, 27 जनवरी (एजेंसियां)। गुमला जिले के सिसई प्रखंड स्थित पुसो थाना क्षेत्र के सुरसा कोठारी गांव के पास एक सड़क दुर्घटना में तीन किशोरों की मौके पर ही मौत हो गई। ये तीनों एक ही बाइक पर बिना हेलमेट लगाए सवार थे और एक पेड़ से टकरा गए। मृतकों की पहचान लोहरदगा जिले के भंडारा थाना क्षेत्र के मलंग टोली गांव निवासी अमन उरांव (15), मुन्ना उरांव (16) और सहदेव उरांव (16) के रूप में हुई है। ये तीनों एक ही गांव के रहने वाले थे। पुसो थाना के एसआई राखो हरि महतो ने बताया कि मृतक के परिजन बबलू उरांव के अनुसार, तीनों किशोर सोमवार शाम सुरसा कोठारी गांव में एक शादी समारोह में गए थे। वहां से लौटते समय कोठारी बाजार के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराई। इस दुर्घटना में तीनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उन्हें स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

फ्लाइट में 25 करोड़ का गांजा लेकर 2000किमी का सफर

गयाजी एयरपोर्ट पर पकड़े गए 5 तस्कर, खिलौने के डिब्बों में रखा था गांजा, मास्टरमाइंड यूपी का

गयाजी, 27 जनवरी (एजेंसियां)। गयाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 25 करोड़ की हाइड्रोपोनिक वीड्स (थाईलैंड का गांजा) के साथ 5 तस्कर पकड़े गए हैं। ये लोग थाई एयर एशिया की फ्लाइट एफडी-122 से गयाजी एयरपोर्ट पर आए थे।

तस्कर थाईलैंड से गयाजी 2000 किलोमीटर कर फ्लाइट से हाइड्रोपोनिक वीड्स ले आए, लेकिन किसी ने उन्हें नहीं पकड़ा। गयाजी एयरपोर्ट पर ये पकड़े गए।

खिलौनों को डिब्बे में तस्करों ने 25 किलो हाइड्रोपोनिक वीड्स छिपाकर रखी थी। पुलिस की माने तो सभी अंतरराष्ट्रीय तस्कर हैं। पकड़े गए सभी आरोपियों का सरगना अश्विनी द्विवेदी है, जो यूपी का रहने वाला है। बाकी देश के अलग-अलग राज्यों से हैं।

इनमें 3 पुलिस और 2 महिलाएं हैं। दोनों महिलाएं पंजाब की रहने वाली हैं। कस्टम विभाग ने ये कार्रवाई की है। टीम सभी से पूछताछ कर रही है।

सोमवार देर रात थाई एयर एशिया की फ्लाइट जैसे ही गयाजी एयरपोर्ट पर उतरी वैसे ही कस्टम विभाग की टीम अलर्ट मोड में आ गई। नियमित जांच के दौरान जब यात्रियों के बैग का एक्स-रे मशीन से स्कैन किया गया, तो कुछ बैग संदिग्ध नजर आए। इसके बाद बैग को अलग अलग कर जांच की गई। जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ।

जांच के दौरान कस्टम अधिकारियों ने पाया कि हाइड्रोपोनिक वीड्स को खिलौनों के डिब्बों में बेहद शातिर तरीके से छिपाया गया था। ऊपर से खिलौनों के छोटे-छोटे पार्ट्स रखकर पैकिंग की गई थी, ताकि शक न हो।

हालांकि इस मामले में अब तक कोई भी अधिकारी खुल कर कुछ भी नहीं बता रहा है। लेकिन सूत्रों के अनुसार करीब 25 किलो नशीला पदार्थ बरामद हुआ है। एयरपोर्ट सुरक्षा एजेंसी और कस्टम के अफसरों का कहना है कि मामले में आरोपियों से पूछताछ और जांच चल रही है।

हिरासत में लिए गए आरोपियों की पहचान अश्विनी कुमार द्विवेदी, गौरव विधुरी और गुलशन मीना के रूप में हुई है। दो महिला आरोपी पंजाब की रहने वाली बताई जा रही हैं। इसने नाम मनप्रीत कौर और दिलप्रीत कौर हैं। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि यूपी का रहने वाला अश्विनी कुमार द्विवेदी इस गैंग का सरगना था।

ठेकेदार ने लगाई फांसी

रात में खाना खाकर बच्चों के साथ सोए थे, सुबह कमरे में फंदे पर मिली लाश

सरगुजा, 27 जनवरी (एजेंसियां)। सरगुजा में बलरामपुर के ठेकेदार राजेश सिंह ने मंगलवार को घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। उसका कोरोना के बाद से ठेकेदारी का काम प्रभावित था। इससे वे काफी परेशान थे। माना जा रहा है कि वे डिप्रेशन में थे। मामला कोतवाली अंबिकापुर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, बलरामपुर निवासी राजेश सिंह (44) पिछले कुछ साल से अंबिकापुर के नमनाकला स्थित घर में पत्नी और दो बेटियों (14 और 09) के साथ रह रहे थे। कोरोना के दौरान उनका ठेके का काम प्रभावित हुआ था।

कोरोना से पहले उनके पास आरईएस, एमएमजीएसवाई और पीडब्ल्यूडी के निर्माण कार्य थे। उसके बाद उनका काम प्रभावित रहा और वे काम पूरा नहीं करा पा रहे थे। निर्माण कार्य प्रभावित होने से वे लंबे समय से परेशान थे।

सोमवार रात राजेश सिंह खाना खाकर छोटी बेटी पीहू के साथ दूसरे कमरे में सो रहे थे। पत्नी बबीता सिंह बड़ी बेटी के साथ सोई थीं। सुबह पीहू भी स्कूल जाने के लिए कमरे से बाहर आ गई।

5 शिक्षकों की बर्खास्तगी पर हाईकोर्ट की रोक

कहा-बिना विभागीय जांच के सेवा से अलग करना गलत फर्जी नियुक्ति के आरोपों पर डीईओ ने लिया था एक्शन

बिलासपुर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस पीपी साहू ने कहा कि, बिना विभागीय जांच के किसी भी शासकीय कर्मचारी को सेवा से अलग नहीं किया जा सकता। इस टिप्पणी के साथ ही हाईकोर्ट ने धमतरी जिले के मगरलोड जनपद पंचायत के पांच शिक्षकों की बर्खास्तगी आदेश पर रोक लगा दी है। बता दें कि, फर्जी नियुक्ति के आरोप में इन शिक्षकों को जिला शिक्षा अधिकारी ने बर्खास्त कर दिया था।

दरअसल, ईश्वरी निर्मलकर और पांच अन्य शिक्षकों की नियुक्ति जनपद पंचायत मगरलोड में साल 2007 में शिक्षा कर्मी वर्ग-3 के पद पर हुई थी। जिसके बाद प्रावधान के अनुसार साल 2009 में उन्हें नियमित किया गया। इस बीच साल 2018 में शासन के आदेश पर उनका संविलयन स्कूल शिक्षा विभाग में किया गया। जिसके बाद उन्हें साल 2023 में प्राइमरी स्कूल में हेडमास्टर के पद पर पदोन्नत किया गया।

इन शिक्षकों के खिलाफ छत्तीसगढ़ राज्य लोक आयोग में की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर उनकी नियुक्ति की गई है। इस शिकायत पर लोक आयोग ने केस दर्ज किया, जिसके बाद साल 2011 में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई।

साल 2025 में याचिकाकर्ताओं को आरोपी बनाकर कोर्ट में पूरक चालान पेश किया गया। यह मामला अभी ट्रायल कोर्ट में लंबित है। इसी फर्जी दस्तावेज के आधार पर नियुक्ति करने के आरोप में डीईओ ने उन्हें शो कॉज नोटिस जारी कर 24 घंटे में जवाब मांगा, जिसका उन्होंने जवाब भी दिया और बताया कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार है। लेकिन, डीईओ ने 6 जनवरी को उन्हें सेवा से बर्खास्त करने का आदेश जारी कर दिया।

इस पर पीड़ित शिक्षकों ने अपने एडवोकेट प्रतीक शर्मा के जरिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की। जिसमें डीईओ के बर्खास्तगी आदेश को चुनौती दी गई। याचिका में बताया गया कि छत्तीसगढ़ सिविल सर्विस क्लासिफिकेशन कंट्रोल एंड अपील रूल्स 1966 के नियम 14 के उल्लंघन के आधार पर पारित किया गया है।

टाइगर रिजर्व में दो बाघों के बीच लड़ाई

एक का मिला शव, गर्दन के निशान से वन विभाग का बड़ा खुलासा

मुंगेली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में स्थित अचानकमार बाघ अभयारण्य में वन विभाग ने दो वर्षीय नर शावक का शव बरामद किया। मौत की वजह दूसरे बाघ के साथ लड़ाई मानी जा रही है। वन विभाग के कर्मचारियों ने अचानकमार बाघ अभयारण्य के अंतर्गत सारसडोल क्षेत्र में वन कर्मियों ने गश्त के दौरान शावक का शव देखा तब उन्होंने इसकी सूचना अधिकारियों को दी।

अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की मानक कार्यप्रणाली के अनुरूप गठित शव परीक्षण समिति की उपस्थिति में पशु चिकित्सकों के दल ने सोमवार को शव का पोस्टमार्टम किया। मृत बाघ के दांत, नाखून, पंजे सहित सभी अंग सुरक्षित अवस्था में पाये गये हैं।

उन्होंने बताया कि शव परीक्षण के दौरान शावक की गर्दन की हड्डी टूटी हुई पाई गई। साथ ही गर्दन के निचले हिस्से में अन्य नर बाघ के दांतों के स्पष्ट निशान भी पाये गये।

इन तथ्यों से यह पुष्टि हुई है कि नर बाघ की मृत्यु बाघों के आपसी द्वंद्व के कारण हुई है। अधिकारियों ने बताया कि शव बरामद होने वाली जगह पर आपसी क्षेत्रीय संघर्ष के स्पष्ट संकेत पाये गये, जैसे पौधों की टूटी हुई डालियां, बाघ के मल, खरोंच तथा बाल की उपस्थिति। इसके अतिरिक्त, मृत बाघ के पंजों के नाखूनों में बाघ के बाल भी पाये गये। उन्होंने बताया कि बाघ के शव के अंदरूनी अंगों को लैब में जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है।

अधिकारियों ने बताया कि लड़ाई में शामिल दूसरे बाघ की पहचान कर ली गई है और कैमरा ट्रैप और फील्ड ट्रैकिंग के जरिए उस पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद, अधिकारियों, पशु चिकित्सकों और कमेटी के सदस्यों की मौजूदगी में शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना प्राकृतिक बाघ आबादी में देखे जाने वाले सामान्य क्षेत्रीय व्यवहार को दर्शाती है। अचानकमार बाघ अभयारण्य में उपलब्ध अनुकूल आवास, कान्हा-बांधवगढ़ कॉरिडोर से हो रहे प्राकृतिक प्रवासन तथा स्थानीय प्रजनन सफलता के कारण बाघों की संख्या में वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा एवं आपसी संघर्ष की घटनाएं स्वाभाविक रूप से देखी जाती हैं।

महिला को डायन बताकर पीटा

नदी किनारे ले जाकर मल पिलाया, अस्पताल-थाने से मदद नहीं मिली, एसपी के कहने पर एफआईआर

मोतिहारी, 27 जनवरी (एजेंसियां)। मोतिहारी में एक बुजुर्ग महिला को पहले जबरन मल पिलाया गया, फिर डायन बताकर उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। आरोपियों का कहना है कि उनके बेटे की मौत के पीछे उसी महिला का हाथ है।

मारपीट में घायल महिला जब इलाज के लिए अस्पताल पहुंची तो डॉक्टरों ने उसका इलाज करने से इनकार कर दिया। इसके बाद वह थाने गई, लेकिन वहां भी उसका आवेदन नहीं लिया गया।

आखिरकार पीड़िता जनता दरबार पहुंची और एसपी को अपनी आपबीती सुनाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने तत्काल संज्ञान लिया और संबंधित थानाध्यक्ष को एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी का निर्देश दिया। घटना जिले के भोपतपुर थाना क्षेत्र की है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि गांव के शंकर साह के बेटे की गुजरात में मौत हो गई थी। शंकर साह के परिजनों ने इसी बात को लेकर उस पर डायन होने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि महिला के कारण ही उनके बेटे की मौत हुई है।

इसी अंधविश्वास के चलते आरोपियों ने पहले महिला को नदी किनारे ले गया। इसके बाद उसके साथ मारपीट की, जिससे उसका एक दांत टूट गया, और फिर उसके शरीर पर मैला फेंक दिया।

घटना के बाद घायल अवस्था में वृद्ध महिला इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंची।

हालांकि, उसके शरीर पर मैला लगे होने के कारण अस्पताल ने इलाज करने से इनकार कर दिया। इसके बाद पीड़िता को एक निजी अस्पताल में जाकर इलाज कराना पड़ा। पीड़िता का आरोप है कि जब वह घटना की शिकायत लेकर स्थानीय थाने पहुंची, तो वहां भी उसका आवेदन नहीं लिया गया।

स्कूल बस की चपेट में आया युवक, मौत

पाकुड़, 27 जनवरी (एजेंसियां)। पाकुड़-दुमका मेनरोड पर गांधी चौक के पास मंगलवार को सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। युवक की पहचान 22 साल के मृदुल मृदु चंद्र के रूप में हुई है। युवक को डीपीएस स्कूल के बस ने अपनी चपेट में ले लिया। इधर, मुआवजे की मांग को लेकर बड़ी संख्या में लोग डीपीएस स्कूल पहुंचे वहां पथराव कर चार-पांच बस को क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने लाठी चटकाने के साथ आंसू गैस छोड़कर को भीड़ को वहां से तितर-बितर किया। पथराव में महिला चौकीदार नील मुनि टुडू घायल हो गई।

5 डे-वर्किंग की मांग, 25000 बैंककर्मियों की हड़ताल

छत्तीसगढ़ में 2500 बैंक शाखाओं में लटके ताले, बैंकिंग सेवाएं ठप, खाताधारक बोले- 4 दिन से परेशान हैं

रायपुर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। 5 डे वर्किंग की मांग को लेकर देशभर समेत छत्तीसगढ़ में भी करीब 2500 सरकारी बैंक के कर्मचारी हड़ताल पर हैं। बैंकों में ताले लटके हुए हैं। बैंक कर्मचारी रायपुर के मोतीबाग के पास प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे पहले शनिवार, रविवार और सोमवार को छुट्टी थी। ऐसे में बैंक से जुड़े काम नहीं हो पाएंगे।

दरअसल, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) ने सप्ताह में 5 दिन काम प्रणाली को

तुरंत लागू करने की एक सूत्रीय मांग को लेकर 27 जनवरी को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। इसका असर छत्तीसगढ़ में भी साफ तौर पर दिख रहा है। इससे आम लोगों को परेशानी बढ़ गई है। हालांकि, प्राइवेट बैंक खुले हुए हैं।

हड़ताल के चलते रायपुर सहित प्रदेशभर में करीब 2500 बैंक शाखाएं प्रभावित हैं। इसमें करीब 25 हजार बैंक अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन ओवरसीज बैंक समेत 12 सार्वजनिक बैंकों की सेवाएं प्रभावित रहेंगी।

होम लोन ब्याज पर आयकर छूट 2 लाख के बजाय 5 लाख हो, किसने की मांग?

नई दिल्ली,27 जनवरी (एजेंसियां)। बजट 2026 अगले रविवार को ही पेश होना है। इसे लेकर रियल एस्टेट सेक्टर काफी आशान्वित है। रियल एस्टेट डेवलपर्स के संगठन क्रेडाई और नरेडको ने सरकार से होम लोन के ब्याज पर मिलने वाली डिडक्शन की सीमा को बढ़ाने की मांग की है।

होम लोन पर छूट की सीमा बढ़े

क्रेडाई और नरेडको दोनों संगठनों ने होम लोन पर आयकर में मिलने वाली छूट की सीमा बढ़ाने की एक बार फिर से मांग की है। इन्होंने कहा है कि होम लोन पर जाने वाली किस्त में जो ब्याज का हिस्सा होता है, उसकी लिमिट अभी के दो लाख रुपये से बढ़ा कर पांच लाख रुपये की जानी चाहिए।

अफोर्डेबल हाउसिंग की परिभाषा में हो बदलाव

इन संगठनों ने इसके साथ ही अफोर्डेबल हाउसिंग की परिभाषा में भी बदलाव करने की मांग की है। क्रेडाई के प्रेसिडेंट शेखर पटेल का कहना है कि इस समय 45 लाख रुपये के मकानों को ही अफोर्डेबल हाउस माना जाता है। जबकि इस समय महानगरों या बड़े शहरों में 45 लाख रुपये में आपको ढंग का दो कमरे का मकान नहीं मिलेगा। उनका कहना है कि साल 2017 के बाद इस परिभाषा में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जबकि निर्माण सामग्री के साथ ही आवासीय भूमि के दाम में काफी बढ़ोतरी हो चुकी है। इसके साथ ही अफोर्डेबल हाउसिंग पर एक फीसदी का जीएसटी भी देय होता है। नरेडको के प्रेसिडेंट प्रवीण जैन का कहना है कि बजट 2026 में रेंटल हाउसिंग को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके लिए इनकम टैक्स के नियमों में ढील दी जाए। साथ ही इससे जुड़ी शर्तें भी आसान की जाएं। उन्होंने इसमें मिलने वाले टैक्स हॉलिडे की समय सीमा बढ़ाने की भी मांग की है। नारएडको ने अपनी बजट सिफारिश में मांग की है आईटी एक्ट 2025 सेक्शन 142 के तहत रेंटल हाउसिंग प्रोजेक्ट्स में मिलने वाली टैक्स छूट में बड़े बदलाव किए जाएं।

जैन का कहना है कि अभी नियमों के मुताबिक अफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग के लिए टैक्स छूट तभी मिलती है, जब प्रोजेक्ट केंद्र सरकार द्वारा नोटिफाई किया गया हो। उनका कहना है कि इस तरह की शर्तें ही डेवलपर्स के लिए एक बड़ी बाधा है। यदि सरकार यह शर्त हटा देती है तो डेवलपर्स को रेंटल हाउसिंग प्रोजेक्ट्स शुरू करने में मदद मिलेगी।

भारतीय बाजार बढ़त के साथ हुआ बंद

सेंसेक्स 320 अंक उछला, निफ्टी 25150 के पार

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार मंगलवार को हरे निशान पर बंद हुआ। मंगलवार को अत्यधिक अस्थिर कारोबार के बीच इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी उच्च स्तर पर बंद हुए। बाजार बैंक और धातु शेयरों में भारी खरीदारी, वैश्विक बाजारों में मजबूत रुझान और भारत-ईयू एफटीए को लेकर आशावाद से प्रेरित थे। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 319.78 अंक या 0.39 प्रतिशत चढ़कर 81,857.48 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसने 82,084.92 का उच्च स्तर और 81,088.59 का निम्न स्तर छुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.75 अंक या 0.51 प्रतिशत बढ़कर 25,175.40 पर पहुंच गया। रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से 19 पैसे की मजबूती हासिल करते हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.71 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से अदानी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, अल्ट्राटेक सीमेंट और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स सबसे बड़े लाभ कमाने वालों में शामिल थीं। इसके विपरीत, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, इटरनल और आईटीसी पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। एक्सिस बैंक के शेयरों में 4 प्रतिशत से अधिक की उछाल आई, क्योंकि कंपनी ने दिसंबर तिमाही में अपने शुद्ध लाभ में 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 6,742.99 करोड़ रुपये के मुकाबले 7,010.65 करोड़ रुपये रहा। भारत और यूरोप ने मंगलवार को एक महत्वाकांक्षी मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की, जिसे सभी समझौतों की जननी बताया जा रहा है। यह समझौता अस्थिर वैश्विक माहौल और वाशिंगटन की टैरिफ नीति के कारण उत्पन्न व्यापार व्यवधानों की पृष्ठभूमि में हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 देशों के यूरोपीय संघ के शीर्ष नेताओं, उर्सुला वॉन डेर लेयेन और एंटोनियो कोस्टा के साथ शिखर वार्ता करने के बाद कहा कि आज भारत ने अपने इतिहास का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) यूरोपीय संघ के साथ संपन्न किया है। भारतीय शेयर बाजार संयमित और सतर्क रुख के साथ कारोबार करते रहे। भारत-यूरोपीय संघ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिए जाने से अमेरिकी टैरिफ उपायों के कारण उत्पन्न व्यापक जोखिम-मुक्त वातावरण के बीच निवेशकों की भावना को कुछ हद तक समर्थन मिला।

रिश्वतखोरी' मामला: अडानी के वकीलों ने यूएस कोर्ट से 30 जनवरी तक मांगा समय, समन पर जारी है बातचीत

'नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। गौतम और सागर अडानी का प्रतिनिधित्व कर रहे वकीलों ने अमेरिकी अदालत से 30 जनवरी तक का समय मांगा है, ताकि वे ई-मेल के जरिए समन भेजने की मांग को लेकर अमेरिकी प्रतिभूति नियामक के साथ हुई बातचीत की स्थिति की जानकारी दे सकें। जनसत्ता के सहयोगी द इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, 22 जनवरी को अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग ने वैकल्पिक तरीके से नोटिस भेजने की अनुमति के लिए याचिका दायर की थी। इसके अगले ही दिन न्यूयॉर्क की लॉ फर्म सुलिवन एंड क्रॉमवेल एलएलपी ने इस मामले पर चर्चा करने के लिए अडानी समूह की ओर से एसईसी से संपर्क किया। अगले दिन, अडानी के वकीलों ने न्यूयॉर्क के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से अमेरिकी रेगुलेटर के साथ बातचीत पूरी होने तक एसईसी की अर्जी पर अपना फैसला टालने का अनुरोध किया। अदालत ने दोनों पक्षों को 26 जनवरी तक अपनी बातचीत की स्थिति की जानकारी देने का आदेश दिया। इस आदेश के जवाब में अडानी के वकीलों ने 26 जनवरी को एक अपडेट फाइल किया, जिसमें 30 जनवरी तक का समय मांगा गया। जनसत्ता के सहयोगी द इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, सुलिवन एंड क्रॉमवेल एलएलपी की लेटेस्ट फाइलिंग में कहा गया है, "दोनों पक्षों के वकीलों ने प्रस्ताव (स्टिपुलेशन) पर अपनी टिप्पणियां शेयर कर ली हैं और प्रतिवादियों के वकील इसे अपने

क्लाइंट्स के साथ लगातार चर्चा कर रहे हैं, जो दोनों भारत में रहते हैं। दोनों पक्षों के वकीलों को उम्मीद है कि जल्द ही इस प्रस्ताव को अंतिम रूप दे दिया जाएगा और भारत के समय अंतर को देखते हुए इसे शुक्रवार, 30 जनवरी की सुबह तक फाइल कर देंगे।"न्यूयॉर्क कोर्ट ने अनुरोध स्वीकार कर लिया है। ईमेल के जरिए नोटिस भेजने के लिए कोर्ट से अनुमति मांगी थी। एसईसी ने 21 जनवरी को हेग कन्वेंशन के तहत गौतम और सागर अडानी को नोटिस देने की अपनी असफल कोशिशों के बाद, ईमेल के ज़रिए नोटिस भेजने के लिए कोर्ट से अनुमति मांगी थी। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के कानून और न्याय मंत्रालय ने तकनीकी और कानूनी आपत्तियों का हवाला देते हुए, एसईसी द्वारा गौतम और सागर अडानी को जारी किए गए समन को औपचारिक रूप से तामील करने से दो बार इनकार कर दिया था।अप्रैल 2025 में, कानून मंत्रालय ने एसईसी के अनुरोध को इस आधार पर खारिज कर दिया कि दस्तावेजों की प्रामाणिकता को सत्यापित नहीं किया जा सकता क्योंकि "अग्रेषण पत्र पर कोई मुहर और हस्ताक्षर नहीं है और मॉडल फॉर्म पर भी अनुरोध करने वाले प्राधिकरण की कोई मुहर नहीं है।"जब एसईसी ने जवाब दिया कि हेग कन्वेंशन में ऐसी औपचारिकताओं की आवश्यकता नहीं है और दस्तावेजों को फिर से जमा किया, तो कानून मंत्रालय ने अमेरिकी कानून का हवाला देते हुए फिर से समन तामील करने से इनकार कर दिया। पिछले दिसंबर में मंत्रालय ने जवाब में लिखा, "दस्तावेजों की जांच की गई है और सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन के अनौपचारिक और अन्य प्रक्रियाओं के नियम 5(बी), 17 C.F.R. § 202.5(बी) के अनुसार, यह पाया गया है कि ऊपर बताया गया समन ऊपर बताई गई कैटेगरी में नहीं आता है। इसलिए, इसे वापस भेजा जा रहा है।" न्यूयॉर्क कोर्ट में अपनी याचिका में, एसईसी ने बताया कि "आपत्ति का (हेग) कन्वेंशन में कोई आधार नहीं है, जो सर्विस प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है, न कि एसईसी के प्रवर्तन कार्रवाई करने के अंतर्निहित अधिकार को।" नवंबर 2024 में, एसईसी ने सिविल आरोप दायर किए, जिसमें आरोप लगाया गया कि गौतम और सागर अडानी सितंबर 2021 में अडानी ग्रीन द्वारा नोट ऑफरिंग के दौरान रिश्वतखोरी की योजना में शामिल थे, जिससे 750 मिलियन डॉलर जुटाए गए थे, जिसमें अमेरिकी निवेशकों से लगभग 175 मिलियन डॉलर शामिल थे।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	मकर	मे	मकर...	05-59 बजे
चंद्र	वृष	मे	कुंभ....	07-50 बजे
			मीन....	09-28 बजे
मंगल	मकर	मे	मेष.....	11-04 बजे
बुध	मकर	मे	वृष....	12-49 बजे
गुरु	मिथुन	मे	मिथुन..	14-49 बजे
			कर्क...	17-01 बजे
शुक्र	मकर	मे	सिंह---	19-14 बजे
शनि	मीन	मे	कन्या--	21-20 बजे
			तुला----	23-25 बजे
राहु	कुंभ	मे	वृश्चिक..	01-36 बजे
केतु	सिंह	मे	धनु.....	03-49 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-53
भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 18-03
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - माघ शुक्ल पक्ष बुधवार 28 January 2026
तिथि - दशमी 16-36 रात तक उपरान्त एकादशी
नक्षत्र - कृत्तिका 09-26 तक उपरान्त रोहिणी
योग - ब्रह्म 23-53 रात तक उप. ऐन्द्र
करण - गर 16-36 तक वणिज

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 12-29 से 13-54 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
लाभ 06-53 - 08-15 शुभ	उत्पात 18-03 - 19-43 अशुभ
अमृत 08-15 - 09-40 शुभ	शुभ. 19-43 - 21-19 शुभ
काल 09-40 - 11-04 अशुभ	अमृत 21-19 - 22-54 शुभ
शुभ 11-04 - 12-29 शुभ	चंचल 22-54 - 00-29 शुभ
रोग 12-29 - 13-54 अशुभ	रोग 00-29 - 02-04 अशुभ
उत्पात 13-54 - 15-19 अशुभ	काल 02-04 - 03-40 अशुभ
चंचल 15-19 - 16-43 शुभ	लाभ 03-40 - 05-15 शुभ
लाभ 16-43 - 18-03 शुभ	उत्पात 05-15 - 06-53 अशुभ

अब भारत में बनेंगे एयरोप्लेन, अडानी ने ब्राजील की दिग्गज कंपनी के साथ की डील

नई दिल्ली,27 जनवरी (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप अब भारत में एयरोप्लेन एसेंबल करने की तैयारी में है। ग्रुप की कंपनी अडानी एयरोस्पेस एंड डिफेंस ने भारत में कमर्शियल विमान बनाने के लिए ब्राजील की कंपनी एम्ब्रेयर के साथ एक बड़ा समझौता किया है। यह डील भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' प्रोग्राम के तहत देश में हवाई जहाज बनाने को बढ़ावा देगी। इससे भारत में रीजनल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट यानी छोटे यात्री विमान बनाने का पूरा इकोसिस्टम तैयार होगा। हालांकि, एम्ब्रेयर का कहना है कि प्लेन बनाने की फैक्ट्री कहां लगेगी और पार्टनरशिप की पूरी रूपरेखा क्या होगी, यह सब अभी तय होना बाकी है। दोनों कंपनियों के बीच यह डील नागरिक उड्डयन मंत्रालय में केंद्रीय सिविल एविएशन मिनिस्टर राम मोहन नायडू की मौजूदगी में हुआ। एयरबस और बोइंग के बाद एम्ब्रेयर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी विमान निर्माता कंपनी है। अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के डायरेक्टर जीत अडानी ने कहा कि इस बारे में जल्द ही और जानकारी मिलेगी और प्लानिंग के साथ-साथ काम भी शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा, समय-सीमा और बाकी डिटेल्स अगले कुछ महीनों में सामने आ जाएंगी। हम चुनी गई जगह पर तुरंत काम शुरू करने की उम्मीद करते हैं।

पूरा इकोसिस्टम होगा तैयार

पार्टनरशिप की संरचना के बारे में एम्ब्रेयर ने कहा कि इस पर अभी बातचीत चल रही है। कंपनी ने कहा, हम एक बराबर की साझेदारी देख रहे हैं, लेकिन अभी पार्टनरशिप की शर्तों को अंतिम रूप देना बाकी है। प्लेन असेंबल करने के अलावा दोनों कंपनियां मिलकर रीजनल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के लिए एक पूरा इकोसिस्टम बनाना चाहती हैं। इसमें प्लेन का निर्माण, सप्लाई चेन, आफ्टरमार्केट सर्विस, एमआरओ और पायलट ट्रेनिंग शामिल हैं। एम्ब्रेयर कमर्शियल एविएशन

के प्रेसिडेंट और सीईओ अर्जन मेइजर ने कहा कि भारत एम्ब्रेयर के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण बाजार है। यह पार्टनरशिप हमारी एयरोस्पेस विशेषज्ञता को अडानी की मजबूत औद्योगिक क्षमता और स्वदेशीकरण के प्रति प्रतिबद्धता के साथ जोड़ती है।

नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि भारत का विमानन बाजार तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है। हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार हुआ है, और यात्रियों व माल ढुलाई में लगातार वृद्धि हुई है।

एम्ब्रेयर की भारत में मौजूदगी

उन्होंने कहा कि भारतीय एयरलाइनों ने 1,800 से अधिक विमानों का ऑर्डर दिया है, जो मजबूत विकास की कहानी को दर्शाता है। एम्ब्रेयर भारत के विमानन क्षेत्र के लिए कोई नई कंपनी नहीं है। ब्राजील की यह कंपनी पहले से ही देश में 11 अलग-अलग तरह के लगभग 50 विमानों का संचालन करती है। ये विमान भारतीय वायु सेना, सरकारी एजेंसियों और क्षेत्रीय एयरलाइन स्टार एयर द्वारा उपयोग किए जाते हैं। इस प्रमुख एयरोस्पेस कंपनी ने महिंद्रा ग्रुप के साथ 'मेक इन इंडिया' पार्टनरशिप के तहत भारतीय वायु सेना के मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट प्रोग्राम के लिए अपने सी-390 मिलेनियम सैन्य परिवहन विमान का भी प्रस्ताव दिया है।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में जल्दी ही मिलेगा मांसाहारी खाना

कोलकाता,27 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के हावड़ा और असम के कामाख्या के बीच चलती है देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन । इस ट्रेन में जो व्यंजन परोसे जाते हैं, उनमें मांसाहारी पदार्थ का अभाव है। पूर्व रेलवे जल्दी ही इस ट्रेन में नॉन-वेज व्यंजन भी परोसेगा। इसकी सूचना रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को दी। बताया जाता है कि यह फैसला बीजेपी की पश्चिम बंगाल इकाई के कहने पर लिया गया।

अभी सिर्फ वेज व्यंजन

हावड़ा-गुवाहाटी (कामाख्या) वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस में मांसाहारी भोजन परोसने का फैसला कर लिया गया है। वंदे भारत के इस स्लीपर ट्रेन का उद्घाटन पीएम मोदी ने बीते 17 जनवरी को किया था। बीते 22 जनवरी को इसकी वाणिज्यिक यात्रा शुरू हो चुकी है। यह ट्रेन शुरू होने से पहले ही इसलिए विवादों में आ गई थी क्योंकि तृणमूल कांग्रेस ने बीजेपी पर केवल शाकाहारी भोजन परोसने के फैसले को लेकर हमला बोला था।कोलकाता के अखबार टेलीग्राफ ने केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार के हवाले से खबर दी है कि उन्होंने रविवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बात की थी। उन्होंने मंत्री से वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस में मांसाहारी भोजन के विकल्प शुरू करने का अनुरोध किया था। मंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि जल्द ही यात्रियों के लिए मांसाहारी भोजन भी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया था कि अगले दो-तीन दिनों में इसकी सूचना जारी कर दी जाएगी।न्यूज एजेंसी पीटीआई ने पूर्व रेलवे के अधिकारियों के हवाले से बताया है कि इस ट्रेन में शीघ्र ही मांसाहारी व्यंजन भी परोसा जाएगा। उल्लेखनीय है कि तृणमूल कांग्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर पहले के केवल शाकाहारी भोजन परोसने की नीति को बंगाली खान-पान की आदतों पर हमला बताया था। मजूमदार, जो बालुरघाट से सांसद हैं, ने 'द टेलीग्राफ' को बताया कि ट्रेन हाल ही में शुरू हुई है और हर सेवा पहले दिन से शुरू नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने इस मुद्दे को अपनी गंदी राजनीति के तहत उठाया। उन्होंने रेल मंत्री से जल्द से जल्द मांसाहारी भोजन शुरू करने का आग्रह किया।

सोना पहली बार 1.5 लाख पार, 6,818 बढ़ा

21 दिन में 21 हजार महंगा हुआ; चांदी 10 हजार बढ़कर 3 .19 लाख पर पहुंची

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। सोने की कीमत आज यानी 21 जनवरी को 1.50 लाख रुपए पार कर गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार सोना आज 1,55,204 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला था। हालांकि इसके बाद इसके दाम में थोड़ी गिरावट आई और ये 6,818 रुपए बढ़कर 1,54,227 रुपए पर बंद हुआ। सोना इस साल अब तक 21,032 रुपए महंगा हो चुका है। कल ये 1,47,409 रुपए पर था। वहीं 1 किलो चांदी आज 3,20,075 रुपए किलो पर ओपन हुई थी। हालांकि इसके बाद इसकी कीमत में भी थोड़ी कमी आई और ये 9,752 रुपए बढ़कर 3,19,097 रुपए पर बंद हुई। इससे पहले कल ये 3,09,345 रुपए पर थी। चांदी इस साल सिर्फ 21 दिनों में ही 88,677 रुपए महंगी हो चुकी है। सोने-चांदी के दाम लगातार तीसरे दिन अपने ऑलटाइम हाई पर हैं।

1.90 लाख तक जा सकता है सोना

रिसर्च हेड डॉ रेनिशा चैनानी के अनुसार,

अगर अमेरिकी टैरिफ और मध्य पूर्व में तनाव और बढ़ता है, तो सोना 2026 में 1,90,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी 4 लाख रुपए तक जा सकती है।

2025 में सोना 75% और चांदी 167% महंगी हुई

पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया। चांदी का भाव भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ा। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो इस साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आपके विचार उलझे और बिखरे हुए से हैं । आप एक साथ बहुत सारी बातों के बारे में सोच रहे हैं ।इसका परिणाम यह होगा की आज कोई भी काम पूरा नही कर पायेंगे । ध्यान को केन्द्रित रखने की जरुरत है । थोडा सा मानसिक अभ्यास करें और दूसरों से सलाह ना लें क्योंकि अलग-अलग सलाह से आप और भी उलझते जायेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप आज रियल एस्टेट से जुडा कोई लाभकारी लेनदेन पूरा करने वाले हैं । सकारात्मक सोच आपकी शक्ति है और आपको इसका लाभ उठाना है ,आपका कोई करीबी भी आपको इसके लिए प्रोत्साहित करेगा । आप आध्यात्मिक विकास के साथ साथ जीवन की भौतिक खुशियों का भी आनंद ले पायेंगे ।नयी सोच से समृद्धि हासिल होगी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
पुरानी और बेकार चीजों को जीवन से हटा देने का समय है । आप किसी पिछली स्थिति से महज किसी अहसान की भावना या मजबूरी के चलते चिपके हुए हैं जो अब आपको कतई पसंद नही है । आपको इसमें से बाहर आ पाना मुश्किल लग रहा था ,लेकिन आज आप इस स्थिति से बाहर आने के लायक मानसिक शक्ति जुटा पायेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बन रही है की आपको सुधार करने एवं स्वस्थ होने का विशेष अवसर मिलने वाला है । आप भूतकाल में की हुई अपनी किसी गलती को स्वीकार कर लेंगे और सामने वाले को संतुष्ट करने में कामयाब रहेंगे । ऐसा करके आप अपने दिल से काफी बड़ा बोझ उतार पायेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपको आज बहुत सारी चीजों से जुड़े अपने वादों को निभाना है । अपनी सामजिक,वित्तीय तथा निजी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहें । आपके परिजनों ,दोस्तों और सहकर्मियों ,सभी को आपसे मदद की अपेक्षा रहेगी और आप इस दबाव को सह पाने में बिलकुल समर्थ हैं । आज अपने शब्दों और कामों,दोनों ही तरीको से लोगों की मदद करेंगे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप सामान्य से अधिक भावनात्मक हैं ,दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं । कार्यस्थल पर कार्य का दबाव रहेगा,जिससे थकान का अनुभव करेंगे । कुछ कार्य सहकर्मियों को दे दें या कल के लिए बचा रखें । काम थोडा भले ही करें लेकिन गुणवत्ता बनाये रखें । आज किसी ख़ास व्यक्ति के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं । इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे । यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे । आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है । लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
मेहनत से कांम करें और जमकर आनंद उठायें । आज आप पुरे दिन इसी सिद्धांत पर चलेंगे और यह उपयुक्त भी है । दिन की शुरुआत सामान्य होगी लेकिन अंत दोस्तों और परिवार के साथ जश्न से होगा । आपकी लोगों को हंसाने की क्षमता और खुशमिजाज स्वभाव बड़ी पार्टी की मेजबानी के लिए भी उपयुक्त है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपकी अपने पिछले समय में से किसी पुराने व्यक्ति से मिलने की सम्भावना है और यह व्यक्ति आपके भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । सहायता करने और लेने में अपने पूर्वाग्रहों को आड़े ना आने दें ,इससे आपकी प्रगति के नए रास्ते खुल सकते हैं । अब कोई भी बदलाव नयी सफलता ही लाएगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप दृढ निश्चय वाले इंसान हैं और आप एक बार कोई काम शुरू कर दें तो पूरी मेहनत से उसे पूरा करते हैं। आप औरों के कहने पर नही जाते, आप वह भी करने की क्षमता रखते हैं जो दुसरे कभी नही कर सकते ,इसीलिए आप उनसे आगे हैं । अपना यह नजरिया हमेशा बनाये रखें तो आप उन मंजिलों पर भी पहुँच सकते हैं जो दुसरे सोच भी नही सकते ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप अपनी बढ़ी हुई जिम्मेदारियों से परेशान हैं,लेकिन अभी आपको कोई राहत मिलती दिखाई नही दे रही । सबसे अच्छा यही है की आप शिकायत करना छोड़कर अपने कामों को पूरा करें । जितनी जल्दी पूरा करेंगे ,उतनी ही जल्दी बोझ कम होता जाएगा । लेकिन इसका अर्थ यह भी नही है कि आपको इसे लापरवाही से पूरा करना है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

रूस से साल 2026 में भी तेल खरीदता रहेगा भारत, अमेरिका का दबाव रहा बेअसर

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया की राजनीति और व्यापार इन दिनों काफी जटिल हो चुके हैं। एक तरफ रूस-यूक्रेन युद्ध, दूसरी तरफ अमेरिका और यूरोप के प्रतिबंध, और तीसरी ओर ऊर्जा सुरक्षा की चिंता बनी हुई है। ऐसे माहौल में भारत ने साफ कर दिया है कि वह अपने हितों को सबसे ऊपर रखेगा। ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, तमाम दबावों के बावजूद भारत साल 2026 में भी रूस से कच्चा तेल खरीदना जारी रख सकता है। इसकी वजह सस्ता तेल और देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतें हैं। बीते कुछ सालों में रूस भारत के सबसे बड़े तेल सप्लायर्स में शामिल हो गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस पर पाबंदियां लगाईं, तब रूस ने अपना कच्चा तेल भारी डिस्काउंट पर बेचना शुरू किया। भारत ने

इस मौके का फायदा उठाया। इससे न सिर्फ भारत के आयात बिल में अरबों डॉलर की बचत हुई, बल्कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर भी कुछ हद तक नियंत्रण बना रहा। अमेरिका लगातार चाहता रहा है कि भारत रूस से दूरी बनाए। इसके लिए कई बार चेतावनियां, टैरिफ और प्रतिबंधों की बातें सामने आईं। कुछ समय के लिए रूसी सप्लाई में रुकावट भी आई, लेकिन यह असर ज्यादा दिन नहीं टिक पाया। बाजार में मौजूद जानकारों का कहना है कि रूसी तेल की सप्लाई उम्मीद से ज्यादा स्थिर रही है और इसमें पूरी तरह कटौती की संभावना बेहद कम है।भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है। देश की ज़रूरतें लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन घरेलू उत्पादन सीमित है। ऐसे में भारत के लिए सबसे जरूरी बात भरोसेमंद और किफायती सप्लाई है। रूसी कच्चा तेल इस कसौटी पर फिट बैठता है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा हो, तब डिस्काउंटेड रूसी बैरल भारतीय रिफाइनरियों के लिए फायदे का सौदा साबित होते हैं। अमेरिकी दबाव को संतुलित करने के लिए भारत ने मिडिल ईस्ट से भी तेल खरीद बढ़ाई है। इराक, ओमान और यूएई जैसे देशों से लंबी अवधि के सौदे किए जा रहे हैं। सरकारी कंपनियां स्पॉट मार्केट से भी खरीद कर रही हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि रूस को पूरी तरह बाहर किया जाएगा। विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत एक साथ कई देशों से तेल खरीदेगा, ताकि किसी एक पर निर्भरता न रहे।देश की प्रमुख रिफाइनिंग कंपनियां इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और कुछ प्राइवेट खिलाड़ी अब भी रूस से तेल ले रही हैं। यहां तक कि जिन कंपनियों ने पहले सावधानी बरती थी, वे भी अब गैर-प्रतिबंधित रूसी कार्गो मंगा रही हैं। इसका सीधा कारण है बेहतर मार्जिन और स्थिर सप्लाई। ऊर्जा बाजार के जानकार कहते हैं कि तेल पर पूरी तरह रोक लगाना लगभग नामुमकिन है। प्रतिबंधों के बावजूद तेल किसी न किसी रास्ते से बाजार तक पहुंच ही जाता है।

भावनात्मक मजबूती और खुशहाल जिंदगी के लिए बेहद जरूरी है मजबूत दोस्ती

मूड किसी का भी खराब हो सकता है। एंग्जायटी कभी भी हो सकती है। सिमरन कुछ ऐसे ही अनुभवों से गुजर रही थीं। वह बताती हैं, 'मैंने नई-नई नौकरी ज्वाइन की थी और मेरा दो साल पुराना रिश्ता अचानक टूट गया। मैं काफी अकेला महसूस कर रही थी। खराब मूड और एंग्जायटी ने अलग से परेशान कर रखा था। तब मेरी सबसे अच्छी सहेली ने मेरी मदद की। हम साथ घूमने गए, कई मजेदार काम किए और खुद को हर तरह से व्यस्त रखने की कोशिश की। धीरे-धीरे मन की नकारात्मकता कम होने लगी और मैंने पुरानी यादों को भुलाकर नए सिरे से जीने का फैसला किया।'

कमाल की बात यह रही कि सिमरन ने कभी अपनी परेशानियों के बारे में खुलकर सहेली से बात नहीं की, लेकिन उनकी सहेली को अहसास था कि वह अंदर से उदास है। दोस्ती दुनिया का सबसे अनमोल रिश्ता है। जीवन में दोस्त हों तो हर मुश्किल आसान लगने लगती है। दोस्त न हों तो दुनिया के सारे रंग बेरंग हो जाते हैं। दोस्तों संग जिंदगी का अपना एक अलग आनंद है। मगर गहरी दोस्ती भावनात्मक खुशी देने के साथ ही शरीर और मन दोनों पर सकारात्मक प्रभाव डालती है।

खुशी का स्रोत

आप स्वस्थ रहने के लिए क्या कुछ नहीं करतीं? हरी सब्जियों और फलों का सेवन, नियमित एक्सरसाइज और पूरी नींद जैसी तमाम बातों का ध्यान रखती हैं। लेकिन अच्छी सेहत के लिए एक प्रभावशाली नुस्खा ऐसा भी है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है और वह है दोस्ती। जिस प्रकार किसी की मदद करने पर आप अच्छा महसूस करती हैं, वैसे ही जब आप दोस्तों के काम आती हैं, तो आपके दिमाग में ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन जैसे अच्छा महसूस कराने वाले हार्मोन रिलीज होते हैं। इससे सकारात्मक भावनाएं पैदा होती हैं।

उम्र भी बढ़ाती है

मजबूत सोशल रिश्ते लंबी जिंदगी से भी जुड़े होते हैं। इसके संकेत अमेरिका की कॉर्नेल यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक नए अध्ययन से सामने आए हैं। इस अध्ययन के अनुसार, जीवन भर में लोग जो मजबूत रिश्ते बनाते हैं, माता-पिता से लेकर करीबी दोस्तों तक, वे शरीर की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर सकते हैं। अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि ये सोशल फायदे बायोलॉजिकल एजिंग मार्कर (एपिजेनेटिक क्लॉक) पर असर डाल सकते हैं, जो डीएनए मिथाइलेशन में होने वाले बदलावों को ट्रैक करते हैं।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य

आज जब आभासी दुनिया का संवाद आमने-सामने की बातचीत की जगह ले चुका है, अकेलापन बहुसंख्य लोगों को अपनी गिरफ्त में लेता जा रहा है। इससे हृदय रोग और स्ट्रोक के खतरे बढ़ रहे हैं। ऐसे में विज्ञान ने सोशल कनेक्शन, फिजिकल और मेंटल हेल्थ के बीच के संबंध पर दिलचस्प प्रकाश डाला है। विभिन्न अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि जिन लोगों के मजबूत समाजिक संबंध होते हैं, उनमें दिल की बीमारी, मधुमेह और ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां बढ़ने की आशंका कम होती है। कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी नियंत्रित रहता है। यानी दोस्ती में निवेश करना संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है।

दोस्त हमारी उपलब्धी का जश्न मनाते हैं और धीरे से हमारी कमियों की ओर इशारा भी करते हैं। इतना ही नहीं, नाकामियों, दुख या बदलाव के समय सच्चे दोस्त हमें सब कुछ 'ठीक' करने की जल्दी नहीं करते, बल्कि हमारे साथ रहते हैं। उनकी मौजूदगी मात्र से सुकून मिलता है। सच्ची दोस्ती जलन से आजाद, आपसी सम्मान और ईमानदारी पर टिकी होती है। अब खुद से पूछें कि क्या हम वैसे दोस्त बन रहे हैं?"

भावनात्मक मजबूती

आप इस सच को भी नकार नहीं सकतीं कि जीवन में दोस्त आते-जाते रहते हैं। अगर आप ऐसी दोस्ती चाहती हैं, जो समय की कसौटी पर खरी उतरे, तो आपको भी कोशिश करनी होगी। जरूरत के समय दोस्तों का साथ देना होगा। खुद से गलती होने पर उसे स्वीकार करना होगा। इसके अलावा दोस्ती बनाए रखने के लिए सहानुभूति और विनम्रता की भी जरूरत होती है।

मेल-जोल से मजबूत होती है इम्युनिटी

क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट, डॉ. आरती आनंद का कहना है कि दोस्ती से मानसिक, शारीरिक और संज्ञानात्मक स्वास्थ्य बेहतर रहता है। साथ ही सामाजिक मेल-मिलाप से भी कई फायदे मिलते हैं, जो आपको मुश्किल पलों में खुश रहने में मदद करते हैं। दूसरों के प्रति हमारी संवेदनशीलता, सहानुभूति और सामाजिक कौशल में सुधार आता है। दोस्त अपनेपन की भावना को मजबूत करने और अपने समुदाय से जुड़ाव महसूस कराने में भी मदद करते हैं। इससे आपका सपोर्ट सिस्टम बढ़ता है और आप महसूस करती हैं कि आपको समझा और सुना जा रहा है। सामाजिक मेल-जोल बढ़ने से इम्युनिटी भी मजबूत होती है। जब आप दोस्त से दिल की बात साझा करती हैं तो तनाव का स्तर घटता है तथा अवसाद का खतरा कम होता है। आपके अंदर उमंग और उत्साह आने से सोच सकारात्मक हो जाती है।

क्या इन नियमों को अपनाकर कोई भी रिश्ता टूटने से बच सकता है?

प्यार फिल्मी सीन जैसा लग सकता है लेकिन प्यार को संभालना और रिश्ते को निभाना रोज के अभ्यास पर निर्भर करता है। कोई भी रिश्ता जो टूट गया है वो किसी एक दिन का परिणाम नहीं है, बल्कि धीरे धीरे खामोशी, अंहकार और अनसुनी बातों के कारण रिश्ता दम तोड़ने लगता है। कई बार कपल किसी बड़े धोखे से नहीं, बल्कि छोटी छोटी अनदेखी आदतों से अपने रिश्ते को खो देते हैं।

किसी रिश्ते को संभाले रखने के लिए बड़े सरप्राइज नहीं, बल्कि रोज का सम्मान, सही लहजा, ईमानदारी और कोशिश जरूरी है जो कि प्यार को टिकाए रखता है। प्यार तब आसान हो जाता है जब अहंकार की जगह अपनापन महसूस होने लगे। जवाब देने से पहले सुनना शुरू कर दें ,जीतने से ज़्यादा साथ निभाने को अहमियत दिया जाने लगे। प्यार तब खत्म हो जाता है जब लोग कोशिश करना छोड़ देते हैं।

रिश्तों को बचाने के लिए कुछ साफ़ और ईमानदार नियम अपनाने चाहिए। ये चार नियम रिश्ते की बुनियाद होते हैं, जो आपके बीच के संबंध को मजबूत, सम्मानजनक और टिकाऊ बनाते हैं। आइए जानते हैं रिश्ते के चार नियम।

पहला नियम- दूसरों के सामने कभी मत लड़िए

अपने रिश्ते को बचाना है तो अहंकार को छोड़ना होगा। दूसरों के सामने झगड़ा करने से बहस तो बढ़ती ही है, साथ ही रिश्ते की इज्जत भी कम हो जाती है। जब आप किसी तीसरे के सामने अपने पार्टनर को नीचा दिखाते हैं, तो आप जीतते नहीं, आप भरोसा खो देते हैं।

क्यों ज़रूरी है यह नियम?

पब्लिक में लड़ाई रिश्ते को असुरक्षित बनाती है।

सम्मान टूटता है, जिसे जोड़ना सबसे मुश्किल होता है।

लोग बात भूल जाते हैं, बेइज़्ज़ती याद रखते हैं।

ध्यान रखें रिश्ता निजी होता है, तमाशा नहीं। मसले घर में सुलझाइए, भीड़ में नहीं।

दूसरा नियम- बिना सुलह किए कभी सोएं नहीं

रिश्ते का दूसरा नियम कहता है कि अगर आपके पार्टनर से आपका लड़ाई हो जाए तो गुस्से में सोने का मतलब है कि रात भर दर्द महसूस करना। अगले दिन ये दर्द बढ़ जाता है। जो बात आज अधूरी रह गई, वही कल दूरी बन जाती है।

क्यों जरूरी है ये नियम?

इससे झगड़ा अगले दिन तक जारी नहीं रहता है।

शारीरिक स्पर्श भावनात्मक सुरक्षा देता है।

यह बताता है, "मैं तुमसे नाराज़ हो सकता हूं, लेकिन तुम्हें खोना नहीं चाहता"

याद रखिए, हर समस्या तुरंत हल नहीं होती, लेकिन एक माफी और एक हग रिश्ते को ज़िंदा रखता है।

तीसरा नियम - मुश्किल हो तो भी बात करते रहिए

चुप्पी रिश्तों को खत्म करने के लिए किसी धीमे जहर की तरह होती है। जब बातचीत बंद होती है, तो अनुमान शुरू होते हैं और वही रिश्तों को खा जाते हैं।

बात करना क्यों ज़रूरी है?

मौन से गलतफहमियां पैदी होती हैं लेकिन संवाद से खत्म भी होती हैं।

भावनाएं दबाने से दूरी बढ़ती है

बोलना डरावना हो सकता है, लेकिन चुप रहना खतरनाक है

जो लोग बात नहीं करते, वे धीरे-धीरे एक-दूसरे के लिए अजनबी बन जाते हैं।

चौथा नियम- एक बुरे दिन के सामने अच्छे दिनों को न भूलें

हर इंसान का बुरा दिन आता है। सवाल यह नहीं कि मूड खराब हुआ, सवाल यह है कि क्या आप उस एक दिन की वजह से पूरे रिश्ते को कटघरे में खड़ा कर देंगे?

इस नियम का मतलब

पार्टनर को उसकी गलती से ज़्यादा, उसकी नीयत से आंकिए।

अच्छे पलों को याद रखिए, सिर्फ़ गलतियों को नहीं।

एक दिन के गुस्से को वर्षों की मेहनत पर भारी न पड़ने दें।

बच्चा करता है लोगों से बदतमीजी तो डांटें नहीं, इन टिप्स से सुधारें आदत

अभिभावक के लिए बच्चे को अच्छे संस्कार देना चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। जब तक बच्चा छोटा होता है, उसे समझाना और सिखाना आसान होता है लेकिन बड़े हो रहे बच्चे की विचार, व्यवहार में बदलाव आने लगते हैं। ऐसे में अक्सर बच्चे दूसरों का अनादर, गैरजिम्मेदारा बर्ताव, अशिष्ट बातें भी कर जाते हैं। बच्चे के बदतमीजी करने पर माता-पिता उसे डांटते हैं लेकिन इससे बच्चे का बर्ताव अधिक अशिष्ट हो सकता है। वह तुरंत तो चुप हो जाएगा लेकिन उनके बर्ताव में बदलाव नहीं आएगा। ऐसे में अगर आपका बच्चा भी अधिक गुस्सैल है और गुस्से में दूसरों से बदतमीजी से बात करता है तो उसे डांटे नहीं, बल्कि उनकी आदत में सुधार लाएं। बच्चे की गलत आदतों को सुधारने के लिए अपनाएं ये तरीके।

बच्चे पर चिल्लाएं नहीं

बच्चे के बर्ताव का कारण अक्सर आसपास का माहौल और उनको दिए जाने वाले संस्कार का हिस्सा हैं। बच्चे देखकर अधिक सीखते हैं। ऐसे में अगर बच्चा अशिष्ट व्यवहार करता है तो उसपर चीखें-चिल्लाए नहीं। बच्चे को प्यार से समझाएं। बच्चे का गुस्सा शांत हो जाएगा तो वह शांति से बात करेगा और आपकी बात को समझेगा।

बहस से बचें

अक्सर बच्चा जिद में बहस करने लगता है। बहस करने की आदत बच्चे में आक्रामकता और गुस्सा बढ़ाती है और वह बहसबाजी में बदतमीजी करने लग जाता है। लेकिन बहस हमेशा दो लोगों के बीच होती है। अगर बच्चा आपसे बहस करे तो उस वक्त शांत हो जाएं। बच्चे से बहस करने से बचें और उनकी बात सुनें। इससे वह भी आपकी बातों को ध्यान से सुनेंगे और जिद कम करेंगे।

बच्चे की मन की बात समझें

बच्चे के बुरे व्यवहार को ठीक करने के लिए उसके व्यवहार की वजह जानें। हो सकता है कि वह किसी बात से असंतुष्ट व नाखुश हो। बच्चे के मन को टटोलें और समझने का प्रयास करें कि वह ऐसा व्यवहार क्यों कर रहा है, ताकि उसकी परेशानी का हल निकालकर उसके व्यवहार में बदलाव लाया जा सके।

संगत पर ध्यान

बच्चे के आसपास का माहौल उसके व्यवहार का कारण है लेकिन अगर घर पर उसे अच्छा माहौल मिल रहा है, फिर भी बच्चा गलत बर्ताव करता है तो जरूर उसकी संगत खराब हो सकती है। बच्चे के दोस्त कैसे हैं, वह अपना वक्त किन लोगों के बीच और किस काम में अधिक बिताता है, टीवी या मोबाइल पर किस तरह के कार्यक्रम देखता है, इस पर नजर रखें, ताकि गलत संगत से उसे दूर कर पाएं।

नियम बनाएं

हर चीज के लिए अनुशासन और नियम होते हैं। बच्चे के लिए भी कुछ नियम जरूर बनाएं। बच्चे को बताएं कि उसे इन नियमों के पालन की जरूरत क्यों हैं। बच्चा जब अनुशासन और नियम का पालन करेगा तो वह गलत बर्ताव करने से बचेगा।

घर पर ऐसे तैयार करें प्याज की कचौड़ी

अगर आप कभी जयपुर गए होंगे तो आपने भी प्याज की कचौड़ी जरूर खाई होगी। जो भी व्यक्ति एक बार ये खास कचौड़ी खा लेगा, वो उसका स्वाद भूल नहीं पाएगा। ऐसे में आप अगर चाहें तो बड़ी ही आसानी से इसे घर पर बना सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको इस तरह की प्याज की कचौड़ी बनाना बताएंगे, जिसको खाकर हर कोई आपकी तारीफ करेगा। इसको बनाने के लिए आपको ज्यादा चीजों की जरूरत नहीं पड़ेगी।

प्याज की कचौड़ी बनान का सामान

1.5 कप बेसन
मैदा 2 बड़े प्याज
पत्तियों के साथ कटा हुआ 2-3 हरी मिर्च
बारीक कटी हुई अदरक हरा धनिया
1/2 चम्मच अजवाइन
1/2 चम्मच हींग
1/2 चम्मच नमक
1/2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
1/2 चम्मच गरम मसाला
1/2 छोटी सी लहसुन की कली
सौंफ

विधि

सबसे पहले एक बड़े बाउल में मैदा, बेसन, नमक और अजवाइन डालें। इसके बाद इन सभी सामग्रियों को अच्छी तरह से मिला लें। अब थोड़ी-थोड़ी देर में पानी डालकर बेसन गूंथें। इसे तैयार करके कुछ देर के लिए अलग रख दें। इसको कुछ देर रखने के बाद स्टफिंग तैयार करें। प्याज की कचौड़ी की स्टफिंग तैयार करने के लिए जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें जीरा, सौंफ और एक चुटकी हींग डालकर भूनें। इसके बाद कढ़ाही में कटे हुए प्याज डालकर तब तक पकाएं जब तक कि प्याज सुनहरा ना हो जाए। इसके बाद प्याज में अदरक का पेस्ट और कटी हरी मिर्च डालकर कुछ देर तक और भूनें। सही से भूनने के बाद इसे ठंडा करने के लिए अलग रखें। ऊपर से हरा धनिया जरूर डालें।

जब स्टफिंग ठंडी हो जाए तो एक लोई लेकर उसे पहले हल्का बेल लें। इसके बाद अब इसमें प्याज की स्टफिंग भरकर चारों तरफ से दबा कर बंद कर दें। आखिर में इसे सुनहरा होने तक सेंके। इसे आप हरे धनिये की चटनी के साथ परोस सकते हैं।

रिश्तों में दूरी क्यों जरूरी है? ये सच जानकर सोच बदल जाएगी

प्यार का अर्थ अक्सर गलत समझ लिया जाता है। हम मान लेते हैं कि जितना ज़्यादा हम साथ रहते हैं, उतना ही गहरा रिश्ता होता है। हर पल साथ रहना, हर बात शेयर करना और हर सांस में साथी की मौजूदगी, इसे ही लोग सच्चा प्यार समझ बैठते हैं। लेकिन सच्चाई थोड़ी अलग होती है। प्यार का मतलब हर वक्त साथ रहना नहीं होता। रिश्ते भी सांस लेते हैं और सांस लेने के लिए स्पेस चाहिए। जहां स्पेस खत्म होता है, वहीं घुटन शुरू होती है।

आज के रिश्तों में सबसे बड़ी गलती यही हो रही है कि लोग अपने पार्टनर संग इतनी ज्यादा करीबी चाहते हैं कि खुद को खो बैठते हैं। मोबाइल, चैट, कॉल और हर पल की अपडेट, इनसब के कारण प्यार अब साथ रहने से ज्यादा नजर रखने का नाम बनता जा रहा है। इसका नतीजा है, रिश्ते में घुटन, शक और चिड़चिड़ापन बढ़ना।

थोड़ी दूरी प्यार को कमजोर नहीं करती, बल्कि उसे मजबूत बनाती है। जीवन में संतुलन के लिए कुछ समय खुद के लिए, कुछ समय दोस्तों के लिए और कुछ समय रिश्ते के लिए देना चाहिए। रिश्ते में दूरी के कई फायदे हैं। दूरी से भावनाओं को समझने का मौका मिलता है, संवाद बेहतर होता है और साथ बिताया गया समय बोझ नहीं लगता है। आइए जानते हैं कि मजबूत रिश्ते के लिए दूरी क्यों जरूरी है और बहुत ज्यादा करीबी का रिश्ते पर क्या असर पड़ता है?

हर वक्त साथ रहना रिश्ते क्यों बिगाड़ देता है?

अपनी पहचान खोने लगती है

जब हर समय पार्टनर के साथ रहने की आदत बन जाती है, तो व्यक्ति अपनी रुचियां, दोस्त और स्पेस खो देता है।

एक ही रिश्ते में सिमटकर रह जाने से व्यक्ति के भीतर खालीपन और चिड़चिड़ापन पैदा होता है।

प्यार आदत में बदल जाता है

लगातार साथ रहने से रोमांच खत्म होने लगता है।

जो चीज़ हमेशा उपलब्ध हो, उसकी कद्र धीरे-धीरे कम हो जाती है।

प्यार में रोमांस कम आदत ज्यादा शामिल हो जाती है।

इस तरह के रिश्ते भावनाओं पर नहीं, जरूरतों पर निर्भर हो जाते हैं।

शक और कंट्रोल बढ़ता है

हर वक्त साथ रहने की चाह अक्सर कंट्रोल में बदल जाती है।

कुछ देर की दूरी कई सवाल खड़े कर देती है, जैसे- कहां हो, किससे हो, क्यों जवाब नहीं दिया। यहीं से रिश्ते जहरीले होने लगते हैं।

बहस और छोटी बातों पर झगड़े

जब दो लोग हर समय एक-दूसरे के स्पेस में होते हैं, तो छोटी-छोटी बातें भी बड़ी लगने लगती हैं।

दूरी इन टकरावों को शांत करती है।

हमेशा साथ रहने पर मनमुटाव ज्यादा होने की संभावना रहती है।

दूरी रिश्ते को क्यों मजबूत बनाती है?

थोड़ी दूरी से साथी की याद आती है।

दूरी से एक दूसरे के लिए सम्मान बढ़ता है।

दूर रहने से बातचीत में गहराई आती है।

यही दूरी प्यार को फिर से ताज़ा करती है।

प्यार का इजहार करना है तो अपनाएं ये प्रपोजल टिप्स

प्यार वो भावना है जो दिल से निकलती हैं, ना कि किसी स्क्रिप्ट से तैयार होती है। प्यार में थोड़ा डर, थोड़ी उम्मीद और पूरी ईमानदारी होती है। आज के दौर में रिश्ते जल्दबाजी में शुरू और खत्म हो जाते हैं, वहां प्यार का सही तरीके से इजहार करना अपने आप एक कला बन चुका है।

अगर आपको कोई पसंद है तो उससे अपने प्यार का इजहार जरूर करें। हालांकि इजहार-ए-मुहब्बत का तरीका कुछ ऐसा हो कि वह आपके प्यार झट से स्वीकार कर लें। प्रपोज करने के कुछ ऐसे प्रभावी तरीके हैं, जिसको सामने वाला कभी हल्के में नहीं लेगा और आपके प्यार की कद्र भी करेगा।

इजहार ए मुहब्बत के लिए परफेक्ट होने की जरूरत नहीं। सच्चा प्यार अक्सर बिना तैयारी के सबसे खूबसूरत लगता है। आइए जानते हैं अपने प्यार का इजहार कैसे करना है, उसके लिए कुछ प्रपोजल टिप्स।

सही समय चुनिए

प्यार का इजहार तभी असर करता है जब सामने वाला मानसिक रूप से तैयार हो। भीड़, तनाव या गुस्से के पल में कही गई बात अक्सर खो जाती है। प्रपोज करने के लिए पहला और सबसे जरूरी है, शांत माहौल, सुकून भरा समय और निजी पल। यही वो क्षण होते हैं, जब दिल की बात सीधे दिल तक पहुंचती है।

शब्द कम हों, सच्चाई ज्यादा

लंबे-लंबे डायलॉग फिल्मों में अच्छे लगते हैं। असल जिंदगी में ईमानदार और सरल शब्द ही असर करते हैं। "मैं तुम्हारे साथ सुरक्षित महसूस करता या करती हूं", इतना कह देना भी कई बार सौ शायरियों से ज्यादा गहरा होता है। प्यार का इजहार करते समय इमानदार और सच्चे शब्दों का चयन करें।

सामने वाले की सोच और सीमाओं का सम्मान करें

प्यार में जल्दबाज़ी अक्सर दूरी बना देती है। इज़हार करते वक्त यह दिखना चाहिए कि आप सामने वाले की सहमति और स्पेस की कद्र करते हैं। याद रखिए, सच्चा प्यार दबाव नहीं बनाता, बल्कि भरोसा देता है।

दिखावा नहीं, अपनापन दिखाइए

महंगे गिफ्ट, बड़ी रिंग या भीड़ भरा सरप्राइज हर किसी को पसंद नहीं आता। कभी-कभी साथ पैदल चलना, पुरानी यादों की बात करना और आंखों में आंखें डालकर कहे गए सच्चे अल्फाज सबसे बड़ा प्रपोजल बन जाता है।

बॉडी लैंग्वेज

आपका लहजा, आंखों का संपर्क और मुस्कान, ये सब आपकी बात से पहले अपना असर छोड़ते हैं। घबराहट स्वाभाविक है, लेकिन आत्मविश्वास यह बताता है कि आप अपने जज़्बात को लेकर ईमानदार और स्पष्ट हैं।

एक्स बेस्टफ्रेंड पर बिना नाम लिए साधा निशाना-'टैलेंटेड बालक नहीं पड़ते विवादों में'

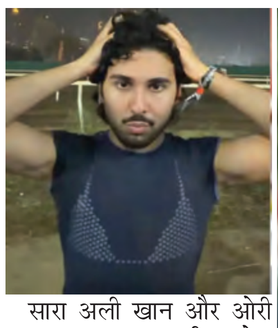

सारा ने ओरी को दिया जवाब

सारा अली खान और ओरी एक समय पर काफी क्लोज फ्रेंड थे. दोनों अक्सर एक साथ नजर आते थे. पार्टी हो या वेकेशन ओरी और सारा अली खान एक-दूसरे संग हैंगआउट करते दिख ही जाते थे, लेकिन अब दोनों के बीच दरार आ गई है. इस विवाद की शुरुआत सोशल मीडिया सेंसेशन ओरी की तरफ से किया गया था. उन्होंने सारा अली खान पर तंज कसा था. ओरी ने कहा था कि ओरी, पलक और अमृता सबसे खराब नाम हैं. हालांकि ट्रोलिंग के बीच उन्हें वो रील डिलीट करनी पड़ी थी.अब सारा अली खान ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है जिसे ओरी पर निशाने की तरह देखा जा रहा है. एक्ट्रेस ने अपने दोस्त साकेत के लिए बर्थडे स्टोरी डाली है जिसमें उन दोनों को वादियों में वेकेशन मनाते देखा जा रहा है.

अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर इस पोस्ट में ऐसा क्या था, तो बता दें कि असली विवाद गाने में है.सारा अली खान ने अपनी इस स्टोरी पर जो गाना लगाया है उसने लोगों का खूब ध्यान खींचा है.

एक्ट्रेस ने अपनी स्टोरी के लिए विक्रम सरकार का गाना 'नाम चले' चुना, जिसमें ऐसे बोल हैं जो आज़ादी से जीने, हिसाब-किताब से बचने और बेवजह के विवादों से दूर रहने की बात करते हैं. गाने के बोल कुछ ऐसे हैं कि टैलेंटेड बालक विवादों में नहीं पड़ते. अब इसे ओरी से जोड़कर देखा जा रहा है.

ओरी ने अपने सोशल मीडिया पर सारा अली खान के साथ विवाद का जिक्र जारी रखा. उन्होंने बताया कि वह एक यूट्यूब सीरीज पर काम कर रहे हैं, जिसमें वह बॉलीवुड एक्टर्स के करियर ग्राफ का विश्लेषण करेंगे. उन्होंने बैकग्राउंड म्यूजिक के तौर पर सेलेना गोमेज का गाना 'पीपल यू नो' इस्तेमाल किया, जिसके बोल बदलते रिश्तों और भावनात्मक दूरी को दर्शाते हैं.

दोनों के बीच टेंशन तब और साफ नजर आया जब ओरी ने हाल ही में एक इंस्टाग्राम रील शेयर की, जिसमें वह ब्रा ग्राफिक वाली टी-शर्ट पहने नजर आए. जब एक यूजर ने कमेंट में पूछा कि ब्रा किसे 'सपोर्ट कर रही है', तो ओरी ने उस कमेंट को पिन किया और जवाब दिया, 'सारा अली खान के हिट्स'. एक अन्य कमेंट में जब यूजर ने कमेंट किया कि शायद सारा अली खान इसपर हंस रही होंगी, तो ओरी ने जवाब दिया, 'उसके करियर पर? जरूर हंस रही होगी'.

ब्लू साड़ी में सारा अर्जुन ने बिखेरा देसी ग्लैमर

फिल्म 'धुरंधर' की शानदार सफलता के बाद एक्ट्रेस सारा अर्जुन लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनय के साथ-साथ सारा अपने फैशन सेंस को लेकर भी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोर रही हैं। वह अक्सर अपनी स्टाइलिश और खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, जो देखते ही देखते वायरल हो जाती हैं। वहीं, हाल ही में फिर सारा ने अपनी नई तस्वीरें शेयर कर इंटरनेट पर कहर बरपाया है। फैंस उनकी इन तस्वीरों पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में रणवीर सिंह की एक्ट्रेस ब्लू कलर की साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं।

एटली ने दीपिका को बताया अपनी लकी चार्म

'जवान' फेम निर्देशक एटली इन दिनों अल्लू अर्जुन के साथ अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चाओं में हैं। हालांकि, अभी तक फिल्म का टाइटल तय नहीं है। अभी इसे 'AA22XA6' के नाम से जाना जा रहा है। बड़े स्तर पर बन रही इस फिल्म में दीपिका पादुकोण भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। अब एटली ने फिल्म को लेकर बात की है। साथ ही उन्होंने दीपिका पादुकोण को अपना लकी चार्म बताया है।

हम दिन-रात फिल्म पर मेहनत कर रहे हैं

एटली ने इस फिल्म को लेकर बताया कि टीम फिल्म पर काफी मेहनत कर रही है। इसके बारे में बात करने के लिए उतनी ही उत्साहित है, लेकिन सही समय का इंतजार कर रही है। हर दिन हमें कुछ न कुछ नया पता चल रहा है। मुझे पता है कि हर कोई फिल्म के बारे में सुनना चाहता है। सच कहूं तो, अपने दर्शकों से भी ज्यादा, मैं उन्हें सब कुछ बताने के लिए उत्सुक हूं। हम इस पर काम करते हुए रातों की नींद हराम कर रहे हैं। मुझे पता है कि यह कोई बहाना नहीं है, लेकिन हम उतने ही उत्साहित हैं। हम सबके लिए कुछ बहुत बड़ा तैयार कर रहे हैं। एक बार यह बन जाए, तो यकीन मानिए, हर कोई इसका भरपूर आनंद उठाएगा।

मां बनने के बाद फिल्म में दिखेंगी एक नई दीपिका

'जवान' के बाद फिर से दीपिका पादुकोण के साथ काम करने पर एटली ने कहा कि हां, वो मेरी लकी चार्म हैं। दीपिका के साथ यह मेरी दूसरी फिल्म है और उनके साथ काम करना बेहद शानदार है। वो लाजवाब हैं। मुझे लगता है कि मां बनने के बाद इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने पर आपको एक बिल्कुल अलग दीपिका देखने को मिलेंगी।

फिल्म में नजर आएगी बड़ी स्टारकास्ट

'AA22XA6' तकनीक और विजुअल इफेक्ट्स से भरपूर एक बड़ा प्रोजेक्ट है। यह एक फ्रेंचाइजी फिल्म है, जो दो पार्ट्स में बनेगी। हालांकि, फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। एटली के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में अभी तक दीपिका पादुकोण और अल्लू अर्जुन की कास्टिंग ही कंफर्म हुई है। हालांकि, इसके अलावा फिल्म में काजोल, रश्मिका मंदाना, जाह्नवी कपूर, मृणाल ठाकुर, राम्या कृष्णन, योगी बाबू और जिम सर्भ के भी अहम भूमिकाओं में नजर आने की चर्चाएं हैं। लेकिन अभी तक इनकी मेकर्स की ओर से पुष्टि नहीं हुई है।

करिश्मा कपूर के पास बांद्रा की हर बिल्डिंग में है एक-एक फ्लैट ! अक्षय कुमार ने किया दावा

एक्ट्रेस करिश्मा कपूर की प्रॉपर्टीज के बारे में अक्षय कुमार ने गेम शो 'व्हील्स ऑफ फॉर्च्यून' में मजाक उड़ाया है। उन्होंने कहा कि लोलो के पास बांद्रा की हर बिल्डिंग में एक फ्लैट है और वह रोज अलग-अलग फ्लैट्स में अपनी रात बिताती हैं। एक्टर अक्षय कुमार अब टीवी पर लौट आए हैं। उनका गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' काफी चर्चा में भी है। बीते एपिसोड में करिश्मा कपूर ने बतौर कंटेस्टेंट शिरकत की। उन्होंने खेल तो खेला ही। साथ ही ढेरों बात की। यहां खिलाड़ी भइया ने लोलो के साथ हंसी-मजाक भी किया और कहा कि एक्ट्रेस के परिवार के पास बांद्रा की हर बिल्डिंग में फ्लैट है। जिस पर एक्ट्रेस ने कहा कि एक्टर तो पूरे जुहू के मालिक हैं।

अक्षय कुमार ने करिश्मा और करीना कपूर, दोनों के साथ काम किया है और दोनों के साथ उनकी बॉन्डिंग की कमाल की है। अब अपने शो में उन्होंने एक्ट्रेस को चिढ़ाते हुए कहा, 'बांद्रा में हर बिल्डिंग में इनका एक फ्लैट है। बिल्डिंग के बाहर लगे बोर्ड पर K Kapoor लिखा है। वो अपना पूरा नाम नहीं लिखते हैं। मां बबीता कपूर के नाम की भी नेप्लेट है, जिस पर B Kapoor लिखा है।'

करिश्मा के बांद्रा की हर बिल्डिंग में फ्लैट?

एक्टर ने आगे मजाक करते हुए कहा, 'जब मैंने इन लोगों से पूछा कि आप लोग इतने फ्लैट्स क्यों खरीद रहे हैं तो उन्होंने कहा कि वह सैंटाक्रूज और खार भी पहुंचना चाहते हैं। लेकिन ये ईमानदार लोग हैं। ये बिल्डिंग के एक फ्लैट से ज्यादा नहीं खरीदते। बाकी के फ्लैट्स ये दूसरे लोगों के लिए छोड देते हैं। करिश्मा हर रोज अलग-अलग फ्लैट्स में सोती है।'

करीना कपूर की प्रॉपर्टी पर अक्षय कुमार

अक्षय की बातें सुनने के बाद करिश्मा ने हंसते हुए कहा, 'कुछ भी। क्या आप जानते हैं, ये तो पूरे जुहू का मालिक है।' बता दें कि ये पहली बात नहीं, जब एक्टर ने कपूर बहनों की प्रॉपर्टी का मजाक बनाया है। उन्होंने 'द ग्रेट इंडियन कॉमेडी सेंट्रल' शो पर भी करीना कपूर के बारे में कहा था कि उनके बांद्रा में कई सारे फ्लैट्स हैं, 'ये दो बहने हैं जो इंडस्ट्री में काम कर रही है। ये औरत बांद्रा की हर बिल्डिंग में एक फ्लैट की मालकिन है। क्या आपको सभी फ्लैट्स का रेंट नहीं मिलता?' तो बेबो ने भी लोलो की तरह जवाब दिया था, 'कुछ भी बोलता है।'

जूनियर एनटीआर-जाह्नवी कपूर की 'देवरा 2' की शूटिंग जल्द शुरू होगी

जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर की फिल्म 'देवरा 2' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है. देवरा के सीक्वल पर अब मेकर्स ने बड़ी अपडेट दी है. लेटेस्ट रिपोर्ट्स के अनुसार जल्द ही 'देवरा 2' की शूटिंग शुरू होने जा रही है. युवासुधा आर्ट्स के प्रोड्यूसर सुधाकर मिक्किलिनेनी ने जनगांव में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान इस बात की पुष्टि की, जिससे दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया है.

एक रिपोर्ट के अनुसार, सुधाकर मिक्किलिनेनी ने बताया कि 'देवरा 2' की शूटिंग मई 2026 से शुरू होनी जा रही है. उन्होंने यह बयान जनगांव के बथुकम्मा कुंटा में हुए एक इवेंट के दौरान दिया. हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि जब लीड स्टार को नई स्क्रिप्ट सुनाई गई, तो उन्हें कहानी में कुछ हिस्से जबरदस्ती जोड़े गए लगे. इसी वजह से प्रोजेक्ट को कुछ समय के लिए टाल दिया गया. फिलहाल मेकर्स की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है.

गौरतलब है कि 'देवराः पार्ट 1' ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन किया था. फिल्म ने पहले ही दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर करीब 82.5 करोड़ रुपये कमाए थे और पहले हफ्ते में वर्ल्डवाइड 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया था. लगभग 260–300 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में कुल 421.63 करोड़ रुपये की कमाई की, जिसमें भारत से 344.5 करोड़ रुपये शामिल थे.

देवराः पार्ट 1 की रिलीज एनिवर्सरी पर मेकर्स ने X (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर सीक्वल के डेवलपमेंट की पुष्टि की थी और फैंस को देवरा 2 के लिए तैयार रहने का संदेश दिया था. इस फ्रेंचाइजी में जूनियर एनटीआर के साथ जाह्नवी कपूर (तेलुगु डेब्यू), सैफ अली खान समेत कई दमदार कलाकार नजर आए थे. वहीं, वर्क फ्रंट पर जूनियर एनटीआर फिलहाल प्रशांत नील की फिल्म NTRNeel (ड्रैगन) पर भी काम कर रहे हैं, जो 25 जून 2026 को रिलीज होने वाली है.

'एनिमल' के दूसरे पार्ट को लेकर रणबीर कपूर ने किया बड़ा खुलासा

बोले- यह बहुत एक्साइटिंग है

रणबीर कपूर इन दिनों संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' और नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इन फिल्मों की चर्चा के बीच रणबीर कपूर ने अपनी फिल्म 'एनिमल' के दूसरे पार्ट को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। यह फिल्म कब शुरू होगी? इस बारे में जानकारी साझा की है।

कब फिल्म 'एनिमल' का सीक्वल शूट करेंगे रणबीर कपूर?

हाल ही में एक इंटरव्यू में रणबीर कपूर ने 'एनिमल' के सीक्वल को लेकर बात की। वह कहते हैं, 'डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा अभी अपनी दूसरी फिल्म बना रहे हैं। ऐसे में वह फिल्म 'एनिमल पार्क' 2027 में शुरू करेंगे। हमारे पास काफी समय है।'

फिल्म की कहानी को लेकर भी दिया बड़ा हिंट

रणबीर कपूर ने आगे कहा, 'संदीप रेड्डी वांगा ने थोड़ा बहुत कहानी के बारे में बताया है। वह इसे तीन हिस्सों में बनाना चाहते हैं। दूसरे हिस्से का नाम 'एनिमल पार्क' है। डायरेक्टर ने कहानी को लेकर पहली ही फिल्म से अपना आइडिया शेयर किया था। यह बहुत एक्साइटिंग है क्योंकि अब मुझे दो किरदार निभाने को मिलेंगे, एक विलेन और हीरो। तो यह बहुत ही एक्साइटिंग प्रोजेक्ट है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं।'

बॉक्स ऑफिस पर हिट थी फिल्म 'एनिमल'

फिल्म 'एनिमल' 100 करोड़ रुपये के बजट में बनी थी। फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 660 करोड़ रुपये का कुल कलेक्शन किया था। फिल्म ने वर्ल्डवाइड भी 915 करोड़ रुपये की कमाई की थी। देखना होगा कि जब 'एनिमल पार्क' रिलीज होगी तो क्या वह भी ऐसा ही बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर पाएगी या नहीं।

'ओ रोमियो' का गीत 'आशिकों की कॉलोनी' देखने के बाद नेटिजेंस ने दी प्रतिक्रिया

शाहिद कपूर की आगामी फिल्म 'ओ रोमियो' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ट्रेलर और एक गाने के बाद अब फिल्म का दूसरा गाना 'आशिकों की कॉलोनी' आज रिलीज हुआ है। इस गाने में शाहिद कपूर और दिशा पाटनी नजर आ रहे हैं। हमेशा की तरह दिशा पाटनी ने जहां अपनी हॉटनेस दिखाई है। वहीं शाहिद कपूर के गाने में जबरदस्त डांस मूव्स देखने को मिल रहे हैं। अब जानते हैं शाहिद और दिशा के गाने पर नेटिजेंस ने दीं कैसी प्रतिक्रियाएं और कैसा लगा 'आशिकों की कॉलोनी' गाना?

शाहिद के डांस मूव्स के फैन हुए नेटिजेंस

जावेद अली और मधुबंती बागची की आवाज में सजे इस गाने को देखने-सुनने के बाद नेटिजेंस की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ को जहां ये गीत काफी पसंद आ रहा है, तो वहीं कई यूजर्स को गाने ने निराश किया है। एक यूजर ने कमेंट में लिखा, 'इस गाने को दिशा पाटनी से भी ज्यादा शाहिद कपूर के लिए देखना बनता है।' वहीं कुछ और नेटिजेंस को भी गाने में शाहिद कपूर का मून वॉक और उनके डांस स्टेप्स काफी पसंद आए हैं।

गुलजार के शब्द और जावेद अली की आवाज आई पसंग

कई यूजर्स ने गुलजार के बोलों और विशाल भारद्वाज के संगीत की भी तारीफ की है। वहीं जावेद अली की आवाज में इस तरह का गाना सुनना भी लोगों को काफी भा रहा है। गाने को देखने के बाद दिशा पाटनी की हॉटनेस से भी ज्यादा चर्चा शाहिद कपूर के डांस मूव्स की हो रही है। एक यूजर का कहना है कि शाहिद कपूर को इस तरह की और फिल्में करनी चाहिए।

कुछ ने गाने को बताया बोरिंग

हालांकि, कुछ यूजर्स को गाना पसंद नहीं आया है। उन्होंने गाने को निराशाजनक और बोरिंग करार दिया है। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, 'पूरा गाना देख ही नहीं पाया। बस आगे बढ़ाता रहा। उबाऊ।' एक अन्य ने कमेंट में लिखा, 'बहुत बुरा... मुझे यकीन है कि फिल्म में दिशा की भूमिका इतनी छोटी है कि अगर उसे और इस उबाऊ आइटम सॉन्ग को पूरी तरह से हटा दिया जाए तो फिल्म बेहतर हो जाएगी।' एक नेटिजन ने कहा, 'आखिरकार मैंने गुलजार साहब का एक बेहद खराब लिखा हुआ गाना सुन लिया। मुझे नहीं लगता कि अब बॉलीवुड में देखने लायक कुछ बचा है।' वहीं एक अन्य ने लिखा, 'मैं 'ओ'रोमियो' के लिए उत्साहित था, लेकिन अब तक जो कुछ भी देखा है, वह निराशाजनक है।'

तेलुगु इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच को चिरंजीवी ने किया खारिज

सिंगर चिन्मयी ने दिया रिएक्शन, सुनाई आपबीती

लोकप्रिय सिंगर चिन्मयी श्रीपदा ने दिग्गज एक्टर चिरंजीवी की उस हालिया टिप्पणी पर सार्वजनिक रूप से प्रतिक्रिया दी है, जिसमें अभिनेता ने तेलुगु इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच के होने से इनकार किया था। चिन्मयी ने चिरंजीवी के इस दावे को खारिज करते हुए अपनी आपबीती सुनाई है। साथ ही दूसरी महिलाओं के अनुभवों को भी शेयर किया है।

चिन्मयी ने कास्टिंग काउच को लेकर क्या कहा?

चिरंजीवी ने हाल ही में हैदराबाद में एक पब्लिक इवेंट में कहा था, 'ऐसा कोई कास्टिंग काउच कल्चर नहीं है, यह इंसान पर निर्भर करता है'। इसके जवाब में चिन्मयी ने अपने और दूसरों के अनुभवों का हवाला देते हुए उनके दावे को गलत बताया। साथ ही चिन्मयी ने इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच को एक लगातार बनी रहने वाली समस्या बताया, जो इस फील्ड में आने वाली कई महिलाओं को प्रभावित करती है।

चिन्मयी बोलीं- इंडस्ट्री में 'कमिटमेंट' का बिल्कुल अलग मतलब

चिनमयी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर कुछ खास घटनाओं के बारे में बताया, जिसमें एक ऐसी महिला की कहानी भी शामिल है जो काम के लिए भारत आई थी और उसे उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। चिन्मयी ने लिखा, 'कास्टिंग काउच बहुत आम है। अगर महिलाएं पूरी तरह से 'कमिटमेंट' नहीं करतीं तो उन्हें

रोल नहीं दिए जाते। यह एक ऐसा शब्द है, जिसका फिल्म इंडस्ट्री में बिल्कुल अलग मतलब होता है।

'यह इंडस्ट्री कोई आईना नहीं है'

सिंगर ने आगे कहा कि फिल्म इंडस्ट्री सिर्फ किसी व्यक्ति के कैरेक्टर का आईना नहीं है। जैसा कि चिरंजीवी ने कहा था, 'यह इंडस्ट्री एक आईने की तरह है। यह दिखाता है कि आप कौन हैं'? इस पर चिन्मयी ने तर्क दिया, 'अब लड़कियां विदेश से फिल्म इंडस्ट्री में काम करने की ख्वाहिश रखती हैं, जहां उनका दुनिया को देखने का नजरिया बड़ा होता है। वे बहुत पढ़ी-लिखी होती हैं और उन्हें पता होता है कि यहां क्या चल रहा है? तो, नहीं, यह इंडस्ट्री कोई आईना नहीं है, जो यह दिखाए कि आप कौन हैं'।

सिंगर ने वैरामुथु का दिया उदाहरण

चिन्मयी ने अपनी आपबीती भी सुनाई। उन्होंने कहा, 'वैरामुथु ने मेरा यौन उत्पीड़न इसलिए नहीं किया, क्योंकि मैं ऐसा चाहती थी। मैं तब टीनएज से बाहर निकली एक एडल्ट थी। मैं एक मेंटर, एक लेजेंडरी गीतकार के तौर पर उनका सम्मान करती थी। और, मुझे नहीं लगा कि वह कोई असुरक्षित बुजुर्ग शख्स है। मेरी मां सचमुच उसी जगह पर थीं - फिर भी उसने मेरा यौन उत्पीड़न किया। ऐसे लोगों के साथ माता-पिता के आस-पास होने से भी कुछ नहीं बदलता। ऐसे शख्स यह मानते हैं कि काम देने के बदले उन्हें कुछ मिलना चाहिए, वे ही समस्या हैं'। बता दें कि चिन्मयी ने गीतकार वैरामुथु के खिलाफ मीटू मूवमेंट के दौरान आवाज उठाई थी। साल 2018 में सिंगर ने खुलासा किया था कि जब वे इंडस्ट्री में नई थीं तो वैरामुथु ने उनके साथ छेड़छाड़ की थी।

इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाली शब्दावली के बारे में बात करते हुए चिन्मयी ने गलतफहमी से बचने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा, 'अगर आप इंग्लिश-एजुकेटेड बैकग्राउंड से हैं और मानते हैं कि 'कमिटमेंट' का मतलब 'प्रोफेशनलिज्म' है। काम पर आना और अपने काम के प्रति कमिटेड होना, तो आप गलत होंगे। आदमी ऐसी पोजीशन में रहते हैं, जहां उन्हें लगता है कि वे इसके हकदार हैं। वे महिलाओं से फेवर की मांग करेंगे और उम्मीद करेंगे'।

'चिरंजीवी शायद उस पीढ़ी सी आते हैं...'

चिन्मयी ने आगे लिखा, 'मैं एक शख्स को जानती हूं, जिसने एक स्टूडियो में एक महिला म्यूजिशियन का शारीरिक उत्पीड़न करने की कोशिश की। लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार और यौन उत्पीड़न एक बहुत बड़ी समस्या है'। पीढ़ियों के अंतर पर बात करते हुए चिन्मयी ने बताया, 'चिरंजीवी गारू उस पीढ़ी से आते हैं, जहां वे सभी अपनी महिला सह-कलाकारों के साथ दोस्त या पारिवारिक दोस्त थे। एक-दूसरे का सम्मान करते थे, दिग्गजों के साथ काम करते थे और वे खुद भी दिग्गज हैं। लेकिन, मौजूदा माहौल में अलग तरह की चुनौतियां हैं।

तबादलों पर रोक की अवधि बढ़ी

भजनलाल सरकार ने लिया बड़ा फैसला

जयपुर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों के तबादलों पर रोक की अवधि बढ़ा दी गई है। भजनलाल सरकार ने 14 फरवरी तक तबादलों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। बता दें कि इसी महीने में ये दूसरी बार है जब भजनलाल सरकार ने तबादलों पर रोक को लेकर आदेश जारी किया है।

प्रशासनिक सुधार विभाग ने 26 जनवरी को आदेश जारी किया। जिसमें कहा गया है कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से राजस्थान में एसआईआर के तहत 14 फरवरी को फाइनल वोटर लिस्ट का प्रकाशन होगा। ऐसे में अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादलों पर 14 फरवरी तक रोक रहेगी।

इनके तबादलों पर लगी रोक

आदेश के अनुसार मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम से जुड़े कलक्टर, बीएलओ लगे हुए शिक्षक, एसडीएम, पटवारी, तहसीलदार और ग्राम सचिव के तबादलों पर प्रतिबंध रहेगा।

विशेष परिस्थिति में तबादले के लिए चुनाव आयोग से लेनी होगी परमिशन

इस आदेश के दायरे में जिला निर्वाचन अधिकारी के रूप में सभी कलक्टर, अतिरिक्त जिला कलक्टर, उपखंड अधिकारी, सहायक कलक्टर आदि के ट्रांसफर पर रोक रहेगी। हालांकि, किसी विशेष परिस्थिति में तबादले करने हो तो चुनाव आयोग से परमिशन लेनी होगी।

पहले 7 फरवरी तक लगाई थी रोक

इससे पहले विभाग की ओर से एक जनवरी को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादलों पर 7 फरवरी को रोक लगाई गई थी।

पंचायत परिसीमन के खिलाफ कांग्रेस की हुंकार

बीजेपी पर लगाया राजनीतिक तोड़फोड़ का आरोप, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

बीकानेर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। बीकानेर में पंचायत पुनर्गठन और परिसीमन को लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। राज्य सरकार द्वारा पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव से ठीक पहले किए गए नए परिसीमन के खिलाफ कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है।

बता दें कि मंगलवार को बीकानेर में देहात कांग्रेस के नेतृत्व में एक बड़ा शक्ति प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जिले भर से कार्यकर्ताओं को जुटाकर सरकार के फैसले के खिलाफ हुंकार भरी जाएगी।

बिश्नोई धर्मशाला से कलेक्ट्रेट तक आक्रोश मार्च

देहात कांग्रेस अध्यक्ष बिशनाराम सियाग के अनुसार, इस विरोध प्रदर्शन की रणनीति

पूरी तरह तैयार कर ली गई है। जिले भर के कांग्रेस कार्यकर्ता सुबह 11 बजे बिश्नोई धर्मशाला में एकत्रित होंगे, जहां से पैदल मार्च करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचेंगे।

कार्यकर्ताओं को इस प्रदर्शन के लिए पिछले कई दिनों से गांव-गांव जाकर लामबंद किया गया है। माना जा रहा है कि इस आंदोलन में हजारों की संख्या में ग्रामीण और कार्यकर्ता शामिल होकर अपनी नाराजगी दर्ज कराएंगे।

कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा सरकार ने आगामी पंचायत चुनाव में राजनीतिक लाभ लेने के लिए नियमों को ताक पर रखकर परिसीमन किया है। बिशनाराम सियाग ने सीधा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा ने उन क्षेत्रों में विशेष रूप से फेरबदल किया है, जहां कांग्रेस मजबूत स्थिति में है।

राजस्थान पंचायत चुनाव : इस तारीख को जारी होगा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन, राज्य निर्वाचन आयोग ने जिलों को दिए महत्वपूर्ण निर्देश

उन्होंने बताया कि नोखा, लूणकरनसर, श्रीडूंगरगढ़, खाजूवाला, पूगल और बीकानेर जैसी प्रमुख पंचायत समितियों के चुनावी क्षेत्रों में ऐसी तोड़फोड़ की गई है, जिससे वहां की भौगोलिक स्थिति और जनसांख्यिकी संतुलन बिगड़ गया है।

प्रदेश नेतृत्व का मिला समर्थन

इस आंदोलन को कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय का भी पूरा समर्थन प्राप्त है। हाल ही में बिशनाराम सियाग और जिले के वरिष्ठ नेताओं ने जयपुर में प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से मुलाकात की थी। डोटासरा ने इस परिसीमन को जनता के साथ धोखा बताते हुए कार्यकर्ताओं को सड़कों पर उतरने के निर्देश दिए थे। कांग्रेस का स्पष्ट मानना है कि सरकार की इस 'मनमर्जी' का जवाब जनता के बीच जाकर ही दिया जा सकता है।

आमजन की सुविधाओं की अनदेखी

विरोध का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिसीमन करते समय ग्रामीणों की सुविधा और भौगोलिक दूरी का ध्यान नहीं रखा गया। कई गांवों को अपनी पुरानी पंचायत समिति से हटाकर ऐसी समितियों में जोड़ दिया गया है जो उनके क्षेत्र से काफी दूर हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह केवल चुनावी गणित बैठाने की कोशिश है, जिससे आम जनता को प्रशासनिक कार्यों के लिए लंबी दूरी तय करनी होगी।

सीमा क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई

जैसलमेर से जासूसी के शक में युवक पकड़ा गया

जैसलमेर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस से कुछ घंटे पहले सीमावर्ती जिला जैसलमेर में सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी और चौंकाने वाली कार्रवाई को अंजाम दिया है। देश की आंतरिक सुरक्षा से जुड़े इनपुट के आधार पर सीआईडी-इंटेलिजेंस ने बॉर्डर एरिया से एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। युवक पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने का संदेह जताया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई जैसलमेर जिले के सांकड़ा थाना क्षेत्र के नेहड़ान गांव में की गई। हिरासत में लिया गया युवक झाबराराम पुत्र भानाराम मेघवाल बताया जा रहा है, जो पिछले चार वर्षों से गांव में ई-मित्र केंद्र का संचालन कर रहा था। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि युवक ने अपने काम की आड़ में

संवेदनशील सूचनाओं तक पहुंच बनाई और उनका दुरुपयोग किया।

जांच एजेंसियों से जुड़े सूत्रों के अनुसार प्रारंभिक पूछताछ और तकनीकी इनपुट में सामने आया है कि संदिग्ध युवक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से पाकिस्तान से जुड़े संपर्कों में था। आशंका जताई जा रही है कि वह एक पाकिस्तानी महिला हैंडलर के संपर्क में आया था।

सूत्रों का कहना है कि इसी संपर्क के जरिए उससे सामरिक और सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल करने का प्रयास किया गया। हालांकि, अभी तक किसी भी केंद्रीय या राज्य स्तरीय सुरक्षा एजेंसी की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

बताया जा रहा है कि खुफिया एजेंसियों को लंबे समय से संदिग्ध पैसों के लेन-देन और विदेशी संपर्कों को लेकर इनपुट मिल रहे थे। इन सूचनाओं के आधार पर एजेंसियों ने युवक की गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू की और पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद 25 जनवरी की रात उसे हिरासत में ले लिया गया। सूत्रों के अनुसार जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने में जुटी हैं कि युवक ने यह गतिविधियां केवल पैसों के लालच में कीं या फिर उस पर किसी प्रकार का दबाव, ब्लैकमेलिंग अथवा मानसिक शोषण किया गया। हनीट्रैप के मामलों में अक्सर आर्थिक लाभ या भावनात्मक जाल के जरिए गोपनीय जानकारियां हासिल की जाती हैं, इसी एंगल से जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

सुरक्षा एजेंसियों ने संदिग्ध के ई-मित्र केंद्र से जुड़े कंप्यूटर, मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल उपकरण जब्त कर फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिए हैं। एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि किन माध्यमों से सूचनाएं साझा की गईं, किस समय और किन लोगों के साथ संपर्क रहा। ई-मित्र केंद्र के संचालन के चलते युवक को सरकारी योजनाओं, दस्तावेजों और आम नागरिकों के डेटा तक पहुंच थी। इस बिंदु को भी जांच का अहम हिस्सा माना जा रहा है कि कहीं इस पहुंच का दुरुपयोग तो नहीं किया गया।

सीआईडी-इंटेलिजेंस की टीम ने संदिग्ध युवक को विस्तृत पूछताछ के लिए जयपुर ले जाया है। वहां केंद्रीय और राज्य स्तरीय सुरक्षा एजेंसियों की संयुक्त पूछताछ होने की संभावना है।

मौसम ने ली करवट, तेज बारिश के साथ गिरे ओले

जयपुर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में मंगलवार को सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ है। पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने से प्रदेश के 8 जिलों में तेज बारिश के चलते ओले गिरे। जिसके चलते सफेद चादर बिछी नजर आई। वहीं, राजधानी जयपुर सहित कई जिलों में मेघगर्जन के साथ झमाझम बारिश हुई। कई जिलों में दोपहर बाद रुक-रुककर बारिश का दौर जारी रहा।

सीकर, चूरू, अलवर, खैरथल-तिजारा, कोटा, सवाई माधोपुर, हनुमानगढ़ और दौसा जिले में सुबह तेज बारिश के साथ 5 से 10 मिनट तक ओले गिरे हैं। ऐसे में किसानों की चिंता बढ़ गई है। वहीं, जयपुर सहित 20 जिलों में बरसात बारिश हुई। ऐसे में सर्दी का सितम बढ़ गया है।

राजस्थान में बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि से किसानों को काफी नुकसान हुआ है। सवाई माधोपुर जिले के मलारना डूंगर, बामनवास

सहित अन्य कई क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि हुई। खैरथल-तिजारा जिले में खैरथल क्षेत्र के कई स्थानों पर चने के आकार के ओले गिरे। कोटा जिले के मंडाना क्षेत्र में भी ओले गिरे।

अलवर जिले के राजगढ़ व रैणी क्षेत्र में भी करीब 10 मिनट तक ओले गिरे। हनुमानगढ़ जिले के नोहर में सुबह करीब 7 मिनट तक ओले गिरे। सीकर जिले में नीमकाथाना क्षेत्र के अजीतगढ़ में 8 मिनट तक ओलावृष्टि हुई। दौसा और चूरू जिले में भी कई जगह ओलावृष्टि हुई।

मौसम विभाग ने भी आज कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा, अलवर, धौलपुर, भरतपुर, दौसा, डीग, जयपुर, सवाई माधोपुर, टोंक, बूंदी, बारां, कोटा और झालावाड़ में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझनूं, सीकर, डीडवाना-कुचामन, अजमेर, भीलवाड़ा, राजसमंद और चित्तौड़गढ़ में बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है।

इन जिलों में गिरी आकाशीय बिजली

सीकर जिले के श्रीमाधोपुर में आकाशीय बिजली गिरने से महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान नीमेड़ा निवासी सोहनी देवी के रूप में हुई है। बिजली गिरने से झुलसी महिला को गंभीर हालत में सीकर रैफर किया गया। लेकिन, महिला ने रींगस के पास रास्ते में ही दम तोड़ दिया। वहीं, कोटा के मंडाना में आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई। इसके अलावा अलवर जिले के राजगढ़ कस्बे एक मकान पर मंगलवार सुबह आकाशीय बिजली गिरी। जिससे मकान की सुरक्षा दीवार टूट गई।

प्रदेश में बारिश और ओलावृष्टि के चलते सर्द हवाएं अब रफ्तार पकड़ेगी। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर की मानें तो प्रदेश में अगले दो दिन घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। प्रदेश में 31 जनवरी से एक और नया पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होगा। जिसके असर के चलते 31 जनवरी और 1 फरवरी को मौसम का मिजाज बदला रहेगा। कई जिलों में बारिश हो सकती है और कहीं-कहीं बादल छाए रहने की संभावना है।

यूजीसी के नए नियम पर मचा बवाल, करणी सेना ने चेताया, राजस्थान में एस-4 का हुआ गठन

जयपुर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में यूजीसी के नए नियम को लेकर बवाल मच गया है। करणी सेना व मारवाड़ राजपूत महासभा ने केंद्र व राज्य सरकार को चेताया। श्री राजपूत करणी सेना के जोधपुर अध्यक्ष मानसिंह मेड़तिया ने कहा, यह कानून सवर्ण समाज को दबाने के लिए लाया गया है। हम इसका पुरजोर विरोध करेंगे। जल्द रणनीति बनाकर प्रदर्शन करेंगे। सामाजिक संगठनों ने चेतावनी दी है कि अगर इन नियमों में बदलाव नहीं किया गया तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। प्रदेश सचिव व संवाद प्रभारी जोधपुर मानसिंह मेड़तिया ने यह भी एलान किया कि 1 फरवरी को जोधपुर बंद किया जाएगा। जिसमें करणी सेना के साथ-साथ अन्य सामाजिक संगठन की भी हिस्सेदारी रहेगी

नया कानून झूठे मामलों में फंसा सकता - मारवाड़ राजपूत महासभा

यूजीसी के नए नियम को मारवाड़ राजपूत महासभा के अध्यक्ष हनुमान सिंह खांगटा ने पूरी तरह गलत बताया और कहा, इस नियम में सवर्ण समाज को दबाया जा रहा है। यदि जल्द बदलाव नहीं हुआ तो हम आंदोलन करेंगे। हनुमान सिंह खांगटा ने आगे कहा, जनरल होना कोई अपराध नहीं है, लेकिन यह कानून हमें झूठे मामलों में फंसा सकता है।

राजस्थान में एस-4 का गठन

इसी बीच राजस्थान के लिए यूजीसी के कदम के खिलाफ एस-4 का गठन हुआ है। जिसमें ब्राह्मण, राजपूत, वैश्य और कायस्थ संगठन एक साथ आए हैं। इस बीच स्वामी आनंद स्वरुप ने X पर एक वीडियो पोस्ट लिखा कि जयपुर में समस्त करणी सेना, कायस्थ महासभा, ब्राह्मण संगठनों और वैश्य संगठनों के साथ मिलकर एक समन्वय समिति का गठन किया गया है जिसका नाम होगा सवर्ण समाज समन्वय समिति, जो देश भर में काम करने वाले समस्त सवर्ण संगठनों (सामान्य श्रेणी) के बीच समन्वय बनाने के लिए कार्य करेगी। जरूरत है आज की यदि सभी सवर्ण संगठन एक नहीं हुवे तो पतन निश्चित होगा और यदि एक हो गए तो धनानंद का विनाश हो जाएगा।

केंद्र सरकार कर सकती है संशोधन

जोधपुर के वरिष्ठ शिक्षाविद प्रो. डॉ. क्षितिज महर्षि ने कहा लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सबको है, पर यूजीसी-2026 को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है। यह गाइडलाइन देशभर के पिछले 5 साल के आंकड़ों के अध्ययन के बाद लाया गया है। अगर भविष्य में इसमें बदलाव की जरूरत पड़ी, तो केंद्र सरकार उसमें संशोधन कर सकती है।

तेंदुए का हमला, रिहायशी क्षेत्र में घुसा

बछड़ी को किया लहूलुहान, इलाके में दहशत

भीलवाड़ा, 27 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के बिजौलियां क्षेत्र में स्थित गोपालपुरा गांव में रिहायशी इलाके में तेंदुए के हमले से एक बार फिर सनसनी फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार तेंदुए ने एक पशु बाड़े में बंधी बछड़ी को शिकार बनाने की कोशिश की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना गोपालपुरा निवासी प्रकाश के घर की है।

शोर-शराबा सुनकर तेंदुआ भागा

रात करीब दो बजे एक तेंदुआ दीवार फांदकर पशुओं के बाड़े में घुस गया और वहां बंधी बछड़ी पर हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया। बछड़ी के पास बंधी गाय ने जब तेंदुए को देखा तो वह डर के मारे जोर-जोर से छटपटाने लगी। गाय की आवाज सुनकर प्रकाश और उनके परिजन तुरंत जाग गए और बाहर आ गए। शोर-शराबा सुनकर तेंदुआ बछड़ी को छोड़कर भाग निकला।

ग्रामीणों में भय व्याप्त

सूत्रों ने बताया कि इस क्षेत्र में तेंदुए द्वारा मवेशियों पर हमले की घटनाएं आए दिन हो रही हैं, जिससे ग्रामीणों में भय व्याप्त है। ग्रामीणों के अनुसार तेंदुए अब जंगल से निकलकर आबादी वाले क्षेत्रों और घरों के भीतर बने बाड़ों तक पहुंच रहे हैं, जिससे न केवल पशुधन बल्कि इंसानों की जान को भी खतरा बना हुआ है। ऐसे हालात को देखते हुए ग्रामीणों ने वन विभाग से पिंजरा लगाकर तेंदुए को जल्द पकड़ने की मांग की है।

10,000 किलो विस्फोटक सामग्री जब्त

क्या था सुलेमान खान का प्लान?

नागौर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर जिले में एक फार्महाउस से करीब 10,000 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट और अन्य विस्फोटक सामग्री जब्त की गई है। मामले में एक शख्स सुलेमान खान को अरेस्ट किया गया है। अधिकारियों के अनुसार राजस्थान में पहली बार इतनी भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री जब्त की गई है। इस मामले लेकर गृह मंत्रालय अलर्ट हो गया है। गृह मंत्रालय की स्पेशल टीम और खुफिया विभाग की टीमें जांच के लिए नागौर जिले के हरसौर गांव पहुंचीं और गिरफ्तार आरोपी सुलेमान खान (58) के फार्म हाउस की जांच की। प्रारंभिक जांच में इस मामले में किसी बड़े नेटवर्क के शामिल होने और किसी बड़ी साजिश की आशंका होने का अंदेशा है। यह पता लगाया जा रहा है कि विस्फोटक कहां से लाया

गया, इसका इस्तेमाल कहां किया जाना था और इसके पीछे किन-किन लोगों की भूमिका रही।

नागौर एसपी मृदुल कछावा का कहना है कि नागौर पुलिस को लंबे समय से खुफिया जानकारी मिल रही थी कि जिले में विस्फोटक पदार्थों की खरीद-बिक्री और बड़े पैमाने पर भंडारण हो रहा है। उन्होंने कहा कि खुफिया जानकारी जुटाने के बाद पुलिस ने 24 जनवरी शनिवार को हरसौर गांव में एक खेत में बने फार्महाउस पर छापा मारा, जहां से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। यहां 187 बोरियों में 9,550 किलो अमोनियम नाइट्रेट, डेटोनेटर, डेटोनेटिंग वायर और अन्य सामग्री मिली। इसके बाद सुलेमान खान को गिरफ्तार कर लिया था।

सुलेमान खान नागौर जिले के हरसौर गांव के एक शांत क्षेत्र में रहता था, जहां उसने अपने फार्महाउस में एक घर बनाया था और विस्फोटक और अन्य सामग्री जमा कर रखी थी। फार्महाउस 45 बीघा जमीन पर बना है, जहां 2-3 कमरों में सामग्री रखी गई थी।

पुलिस के अनुसार सुलेमान खान पहले लीगल विस्फोटक मैगजीन के संचालन का काम करता था। उसे बारूद बनाने, स्टोर करने और सप्लाई करने की पूरी तकनीकी जानकारी थी। लाइसेंस खत्म होने या अन्य कारणों से काम बंद होने के बाद उसने खुद ही अवैध तरीके से बारूद बनाकर बेचना शुरू कर दिया।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हादसा

ट्रक में फंसकर घिसटती गई कार, एक झटके में 4 जिंदगियां खत्म

दौसा, 27 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक बार फिर तेज रफ्तार जानलेवा साबित हुई। पापड़दा थाना क्षेत्र के आलूदा के पास हुए भीषण सड़क हादसे में चार श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक घायल हो गया। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर अफरा-तफरी मच गई और करीब आठ किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतार लग गई।

यह दुर्घटना एक्सप्रेसवे के पिलर संख्या 193 के पास हुई। उज्जैन के महाकाल मंदिर से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की कार तेज गति में थी। आगे चल रहे ट्रक का सही अंदाजा न लग पाने से कार पीछे से उसमें जा घुसी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार ट्रक में फंसकर कई मीटर तक घिसटती चली गई। वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस और स्थानीय लोगों को कार में फंसे लोगों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

हादसे में राहुल गुप्ता (35), पारस अग्रवाल (35), प्रिंस गुप्ता (35) और विक्रम सिंह (30) की मौके पर ही मौत हो गई। कार की पिछली सीट पर बैठे बृजमोहन गुप्ता को मामूली चोटें आईं, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल युवक ने बताया कि प्रभु की कृपा से उसकी जान बच गई।

घटना की सूचना मिलते ही पापड़दा थाना प्रभारी रजत खींची कांस्टेबल महेश कुमार गुर्जर और पुलिस टीम के साथ सबसे पहले मौके पर पहुंचे।

मां की हालत देख बेटी ने तोड़ा दम, बेटी के गम में मां ने छोड़ा शरीर

बेटा ट्रेन के आगे कूदा

सीकर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर जिले में एक 50 साल के शख्स ने ट्रेन के आगे खुद कर सुसाइड कर लिया। मृतक का नाम ओमप्रकाश (50) पुत्र सोहनलाल निवासी लाडनूं है। चौंकाने वाली बात तो यह है कि ओमप्रकाश के सुसाइड करने से पहले उसकी मां और बहन दोनों की मौत हो चुकी थी। दोनों की मौत के बाद सदमे में आकर ओमप्रकाश ने सुसाइड किया। मंगलवार को ओमप्रकाश के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

सीकर के उद्योग नगर थानाधिकारी राजेश कुमार बुडानिया का कहना है कि थाना इलाके में बीती शाम को दासा की ढाणी के पास एक आदमी के ट्रेन से कटने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस वहां पर पहुंच गई। मृतक की पहचान उसके पास मिले आधार कार्ड के जरिए ओमप्रकाश के रूप में हुई। पुलिस ने परिजनों से बातचीत की तो पता चला कि ओमप्रकाश की मां खिरणी (84) सीकर के ही एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट थी। 22 जनवरी को उन्हें अस्पताल में एडमिट किया गया था। इसके बाद 26 जनवरी की दोपहर को उन्होंने दम तोड़ दिया। इससे पहले 26 जनवरी की सुबह जब उनकी बेटी किरण को मां की सीरियस कंडीशन के बारे में पता चला तो उसने दम तोड़ दिया।

पहले बहन और फिर मां की मौत हो जाने की वजह से ओमप्रकाश सदमे में चला गया। उसने अस्पताल में मौजूद अपने परिजनों को मां का शव लेकर लाडनूं भेज दिया और खुद सीकर रुक गया। सीकर में उसने रेलवे ट्रैक पर ट्रेन के सामने कूद कर सुसाइड कर लिया। ओमप्रकाश की शादी नहीं हुई थी। इसलिए वह मां के साथ अपनी बहन के घर पर ही रहता था। ओमप्रकाश का भाई घनश्याम शिक्षा विभाग में अधिकारी है।

पीटीआइ परीक्षा में फर्जीवाड़े के 2 आरोपी बने शिक्षक

दो यूनिवर्सिटी पर भी एसओजी का शिकंजा

जयपुर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में सरकारी नौकरियों के लिए भर्ती परीक्षाओं में फर्जीवाड़े के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। फर्जी मार्कशीट और डमी अभ्यर्थी बैठाकर कई लोगों ने सरकारी नौकरियों पर कब्जा जमाया। लेकिन अब स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की पड़ताल में फर्जीवाड़े की परतें उघड़ने लगी है। ताजा मामला पीटीआइ सीधी भर्ती-2022 से जुड़ा है। शारीरिक शिक्षा अध्यापक सीधी भर्ती-2022 में बैक डेट की फर्जी मार्कशीट लगाकर और डमी कैंडिडेट बैठाकर 2 युवकों ने परीक्षा पास की और सरकारी शिक्षक बन गए। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने अब दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच का दायरा और भी बढ़ा दिया है। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर की ओर से शारीरिक शिक्षा अध्यापक सीधी भर्ती-2022 परीक्षा आयोजित हुई थी। एसओजी को खुफिया सूचना मिली कि परीक्षा में फर्जीवाड़ा कर कई अभ्यर्थियों ने सरकारी नौकरी हासिल की है। एसओजी की ओर से जांच करने पर 2 अभ्यर्थियों की ओर से खुद की जगह डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा पास करने की पुष्टि हुई।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर से संदिग्ध दोनों अभ्यर्थियों के परीक्षा के डॉक्यूमेंट मंगवाकर जांच की गई। जिसमें सिग्नेचर मिसमैच होने पर डमी कैंडिडेट बैठाकर दोनों आरोपियों के एग्जाम पास करने का पता चला।

कार मैकेनिक की दुकान में आग

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार तड़के नामपल्ली पुलिस थाना क्षेत्र के विजयनगर कॉलोनी में एक कार मैकेनिक की दुकान में अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में घना धुआं और दहशत फैल गई। सूचना मिलने पर दमकल, पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीम मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने चार गाड़ियों के साथ आग पर तीन घंटे तक काबू पाया और आसपास की इमारतों में आग फैलने से बचा लिया।

दक्षिण मध्य रेलवे

@SCRailwayIndia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या:ई29 सीटीआरडीएससी_12_2025-26, दि.27-01-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य बिजली अभियंता, निर्माण, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु टेंडरिंग की दो पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्या:1, एनआयटी संख्या: ई29सीटीआरडीएससी_12-2025-26, दि.22-01-2026, कार्य विवरण: टेंडर नं. ई29सीटीआरडीएससी_12-2025-26, दि.22-01-2026, 1.परभणी-परली वैजनाथ सेक्शन के बीच डबलिंग कार्य सहित गंगाखेड यार्ड पर प्रस्तावित यार्ड व्यवस्थाओं के दृष्टिगत'' मौजूदा ओचइ के परिवर्तनों सहित डिजाइन,आपूर्ति,इरेक्शन, परीक्षण एवं 65 स्के.एमएम कैटेनरी तथा 107/150 स्के. एमएम एडीजी कापर वायर, एलटी आपूर्ति ट्रांसफार्मर के साथ 2x25 केवी, 50एचजेड सिंगल फेज ए.सी. ट्रैक्शन ओवरहेड उपकरण की कमीशनिंग करना एवम् 2) दमरे के नांदेड डिवीजन में सिकंदराबाद छोर पर मुदखेड यार्ड से बाय-पास टेक आफ तक डबलिंग लाइन कार्य सहित मुदखेड जंक्शन पर मुदखेड-अदिलाबाद तथा मुदखेड-सिकंदराबाद लाइन्स कनेक्टिंग पर मुदखेड बायपास लाइन कार्य। विवरण: अनुमानित मूल्य रु.15,12,09,525.76, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा/बोली सुरक्षा रु. 9,06,100.00, दस्तावेज मूल्य: आनलाइन में निविदा दस्तावेज को निःशुल्क रूप में डाउनलोड किया जा सकेगा, कार्य पूरा करने की अवधि:09 महिने, बंद करने की तिथि: 19-02-2026 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइट: http://ireps.gov.in पर लागिन करें।

बोलीदाता या बिड्डर द्वारा बोली सुरक्षा राशि को http://ireps.gov.in के माध्यम से जमा करना होगा या भारत के किसी भी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बाण्ड के रूप में प्रस्तुत करना चाहिए। यह गारण्टी बांड जोकि एप्पेंडिक्स-VII नुसार होना चाहिए तथा यह बोली वैधता अवधि से परे, 90 दिन की अवधि तक वैध होना चाहिए। इस मामले में डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, डिपाजिट रीसीप्ट्स, एफ़डीआर आदि के रूप में मैन्युएल पेमेन्ट्स अमान्य हैं।

निविदाकार द्वारा अपने आफर्स को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि से पूर्व पंद्रह दिन अवधि के भीतर प्रस्तुत करना चाहिए।

निविदाकार, किसी भी शुद्धिपत्र (केवल आनलाइन में जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं।

मुख्य बिजली अभियंता/निर्माण/सिकंदराबाद

PUB/1519/26

खुली ई-निविदा सूचना संख्याएं सी./ई.29/इलेक/एम/एससी/35 व 36/ओइडब्ल्यू/ओटी/2025-26, दि.24-01-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.16-02-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्या: 1, ई-निविदा संख्या: ईटेंडर नं.सी/ /इ.29/इलेक/एम/एससी/35/ओइडब्ल्यू/ ओटी/ 2025-26, ईटेंडर नं. इ-एम-एससी-35-ओटी-2025-26, कार्य विवरण: सिकंदराबाद डिवीजन: बिजली रखरखाव विभाग- एमएलवाय-केजेडजे सेक्शन, एसएनएफ-वीकेबी सेक्शन में सर्विस बिल्डिंग्स/कालोनियों आदि को कवर करते हुए ओएच लाइन्स का युजी केबुल्स में रुपांतरण या कन्वर्शन तथा बीआयडीआर-परली सेक्शन में विश्वसनीयता में सुधार करने हेतु बिजली आपूर्ति व्यवस्थाएं। निविदा मूल्य रु. 7,07,17,503.20, पूर्व धरोहर राशि रु.5,03,600.00, सीटीएफ रु.-शून्य, कार्य पूरा करने की अवधि: 6 महिने

क्रम संख्या: 2, ई-निविदा संख्या: ईटेंडर नं.सी/ /इ.29/इलेक/एम/एससी/36/ओइडब्ल्यू/ओटी/2025-26, ईटेंडर नं. इ-एम-एससी-36-ओटी-2025-26, कार्य विवरण: सिकंदराबाद डिवीजन: बिजली रखरखाव विभाग- शेड्यूल ए- एसएनएफ व एचवायबी डिपो क्षेत्राधिकार के तहत स्टाफ क्वार्टर्स व सर्विस बिल्डिंग्स में बहुत पुराने आरसीसीबी/एमसीबी/एमसीसीबी/एलटी पैनल्स का सुधार करना। शेड्यूल बी-एससी डिवीजन में एनर्जी एफीशियंट फैन्स (बीएलडीसी) सहित कन्वेन्शनल सीलींग /वाल माउंटेड/पेडस्टल फैन्स का सुधार करना -- बिजली व्यवस्थाएं। निविदा मूल्य रु.3,58,51,761.80, पूर्व धरोहर राशि रु.3,29,300.00, सीटीएफ रु.-शून्य, कार्य पूरा करने की अवधि: 6 महिने

निविदा शर्ते/अन्य विवरण जोकि वेबसाइट:www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा तत्संबंधित यदि कोई परिवर्तन हों तो उसका अवलोकन किया जा सकता है।

निविदा सूचना को, सीनि. डीइइ (रखरखाव) कार्यालय, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों में देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (रखरखाव)/सिकंदराबाद

PUB/1820/25

खुली निविदा सूचना संख्या: बी-इ29-टीआरडी-टीएनडीआर-37-2025-26, दि.22-01-2026

निविदा संख्या: बी-इ29-टीआरडी-टीएनडीआर-37-2025-26, कार्य विवरण: विजयवाडा डिवीजन-टुनी व एकेपी स्टेशनों पर प्लेटफार्म का सुधार तथा अन्य यात्रियों से संबंधित सुविधाओं सहित वायएलएम स्टेशनों पर टुनी, एकेपी पर सीओपी शेल्टर्स का प्रावधान तथा प्लेटफाम की लंबाई का शेष कार्य। अनुमानित मूल्य रु. 3,36,76,389.28, कार्य पूरा करने की अवधि: 12 महिने, बोली सुरक्षा (पूधरा) रु. 3,18,400.00, बंद करने की तिथि: 13-02-2026, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य

संपूर्ण जानकारी तथा शर्तों हेतु हमारा वेबसाइट: www.ireps.gov.in देखें। महत्वपूर्ण सूचना: यदि निविदा खोलने की तिथि को छुट्टी घोषित होती है तो निविदा को उसके अगले कार्य दिन में खोला जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता /टीआरडी/विजयवाडा

PUB/1821/26

खुली निविदा सूचना संख्या: बी-इ29-टीआरडी-टीएनडीआर-38-2025-26, दि.22-01-2026

निविदा संख्या: बी-इ29-टीडीआर-टीएनडीआर-38-2025-26, कार्य विवरण: विजयवाडा डिवीजन-जीडीवी-एमटीएम सेक्शन: गुडीवाडा तथा मछलीपट्नम रेलवे स्टेशन के बीच /रेलवे किमी 2/8-10 पर एनएच (ओ) के तहत आंध्र प्रदेश राज्य में पास्ड टाउन स्ट्रेच द्वारा सडक का 9+660 से एक बार गुडीवाडा सुधार कार्य सहित एनएच 165 के किमी 231+700 पर जीडीएम-एमटीएम सेक्शन पर एलसी नं. 3इ/एसपीएल 3 के प्रतिस्थापन के चलते तत्संबंधित स्पैन के टू लेन रोड ओवरब्रिज प्रस्तावित निर्माण कार्य के साथ ओएचइ के संबंध में जोड व परिवर्तन कार्य। अनुमानित मूल्य रु.66,21,525.48, कार्य पूरा करने की अवधि: 12 महिने, बोली सुरक्षा (पूधरा) रु. 1,32,400.00, बंद करने की तिथि: 19-02-2026, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य महत्वपूर्ण सूचना: यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित होता है तो निविदा को उसके अगले कार्यदिवस में खोला जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/विजयवाडा

PUB/1822/26

A2303

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स: https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

सिंगरेणी कर्मचारियों के कल्याण को शीर्ष प्राथमिकता : भट्टी

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार सिंगरेणी कर्मचारियों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मंगलवार को यहां एक बयान में उपमुख्यमंत्री ने सिंगरेणी कर्मचारियों के लिए हाल ही में शुरू किए गए कल्याणकारी उपायों का उल्लेख किया और आश्वासन दिया कि सिंगरेनी कर्मचारियों के नाम बदलने से संबंधित मुद्दा जल्द से जल्द हल कर दिया जाएगा। चिकित्सा अयोग्यता (मेडिकल इनवैलिडेशन) के संबंध में, भट्टी विक्रमार्क ने आश्वासन दिया कि कर्मचारियों की बीमारियों से संबंधित सभी मुद्दों को संबंधित मेडिकल बोर्ड के माध्यम से हर संभव तरीके से हल किया जाएगा। कोल इंडिया के मानकों के अनुसार, जिस तरह से सिंगरेणी अधिकारियों को सभी सुविधाएँ (कर संबंधित लाभ सहित) मिलती हैं, सरकार एक समिति गठित करेगी ताकि वही सुविधाएँ सिंगरेनी कर्मचारियों को भी प्रदान की जा सकें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सिंगरेणी कर्मचारियों का सपना पूरा करने के लिए, यानी अपना घर होने का, सरकार आईफोर समिति द्वारा निर्धारित हाउसिंग सहायता प्रदान करेगी। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सभी सिंगरेनी कर्मचारियों को 1.25 करोड़ का दुर्घटना बीमा कवर प्रदान किया गया है , जो देश में कहीं भी अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा कि सिंगरेणी में काम करने वाले 30,000 अनुबंधित कर्मचारियों के लिए 40 लाख रुपए का निःशुल्क दुर्घटना बीमा योजना लागू की गई है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रजा सरकार के सत्ता में आने के बाद सिंगरेनी में 2,539 पदों को भरा गया है। इनमें से 798 बाहरी पद थे और 1,741 नियुक्तियाँ सहानुभूतिपूर्ण आधार पर की गईं।

सीबीसी ने 'गांधी मार्गम' का मंचन किया

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का सेंट्रल ब्यूरो ऑफ कम्युनिकेशन (सीबीसी) ने पीएम केंद्रीय विद्यालय, बोलारम के सहयोग से मंगलवार को भजन 'वैष्णव जन तो' का नाट्य रूपांतर 'गांधी मार्गम' प्रस्तुत किया। यह आयोजन स्वच्छता पखवाड़ा, शहीद दिवस और वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर किया गया।

प्रस्तुति के बाद, बड़ी संख्या में छात्रों की उपस्थिति में स्वच्छता शपथ दिलाई गई। इस पहल का उद्देश्य महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित मूल्य आधारित जीवन को बढ़ावा देना है। सीबीसी के अधिकारी और कर्मचारी, साथ ही विद्यालय के प्रधानाचार्य और शिक्षक कार्यक्रम में भाग लिए। इसी तरह के कार्यक्रम 5 फरवरी तक हैदराबाद के विभिन्न पीएम केंद्रीय विद्यालयों में आयोजित किए जाएंगे।

अंडर-19 वर्ल्डकप; भारत ने जिम्बाब्वे को 204 रन से हराया

विहान का शतक, वैभव सूर्यवंशी की फिफ्टी; कप्तान आयुष म्हात्रे ने 3 विकेट लिए

बुलावायो, 27 जनवरी (एजेंसियां)। अंडर-19 वर्ल्ड कप के सुपर-6 स्टेज में भारत ने जिम्बाब्वे को 204 रन से हरा दिया। बुलवायो में मंगलवार को पहले बैटिंग करते हुए टीम इंडिया ने 352 रन बनाए। जिम्बाब्वे 148 रन पर ही ऑलआउट हो गया। विहान मल्होत्रा ने शतक लगाया। वहीं कप्तान आयुष म्हात्रे और उधव मोहन ने 3-3 विकेट लिए।

क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में जिम्बाब्वे ने बॉलिंग चुनी। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने 23 गेंद पर टूर्नामेंट की तीसरी सबसे तेज फिफ्टी लगाई। विहान मल्होत्रा ने 109 और अभिज्ञान कुंडु ने 61 रन बनाए। जिम्बाब्वे के लिए ततेंदा चिमुगोरो ने 3 विकेट लिए। पनाशे मजाई और कप्तान सिम्बाराशे मुद्ज़ेंगेरेरे को 2-2 विकेट मिले। ध्रुव पटेल ने 1 विकेट लिया।

भारत के लिए गेंदबाजी में उधव मोहन और कप्तान आयुष म्हात्रे ने 3-3 विकेट लिए। आरएस अम्ब्रिश को 2 विकेट मिले। हेनिल पटेल और खिलन पटेल ने 1-1 विकेट लिया। जिम्बाब्वे के लिए लीरॉय चिवाउला ने 62 रन बनाए। कियान ब्लिग्नॉट ने 3% और ततेंदा चिमुगोरो ने 29 रन की पारी खेली। बाकी कोई भी बैटर 10 रन का आंकड़ा भी नहीं छू सका।

सीपी हैदराबाद ने जनरेटिव एआई -आधारित प्रणाली को लॉन्च किया

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस कमिश्नर, हैदराबाद वीसी सज्जनार ने आज शहर की आर्म्ड रिज़र्व (कार) यूनिट के लिए अत्याधुनिक जनरेटिव एआई -आधारित ड्यूटी अलॉटमेंट सिस्टम लॉन्च किया।

लगभग दो महीनों के रिकॉर्ड समय में विकसित यह पहल हैदराबाद पुलिस में उन्नत तकनीक के माध्यम से सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह प्रणाली पारंपरिक मैनुअल अलॉटमेंट प्रक्रिया की जगह लेती है, जो अक्सर समय-साध्य, त्रुटिपूर्ण और पक्षपात के आरोपों का सामना करती थी। एआई -संचालित मॉडल के जरिए, विभाग एक अधिक प्रेरित कार्यबल सुनिश्चित करता है और वरिष्ठ अधिकारियों को प्रशासनिक कार्यों से मुक्त कर मुख्य पुलिसिंग पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है। यह स्कोर-आधारित अलॉटमेंट के लिए "हंगेरियन मेथड" का उपयोग करता है, जो मैनुअल हस्तक्षेप को समाप्त कर निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करता है । अलॉटमेंट वरिष्ठता, रिज़र्व में दिन, पुरस्कार, अनुशासन और स्वास्थ्य स्कोर जैसे उद्देश्यपूर्ण मानदंडों पर आधारित होता है। निर्मित बातचीत योग्य एआई इंटरफेस स्टाफ को अलॉटमेंट और नियमों के बारे में वास्तविक समय में सवाल पूछने और तुरंत स्पष्टीकरण प्राप्त करने की सुविधा देता है, जिससे प्रशिक्षण की आवश्यकता कम हो जाती है। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त एम. श्रीनिवास, और तफ़सीर इकबाल, संयुक्त पुलिस आयुक्त डी. जोएल डेविस, आईपीएस और श्रीमती स्वेता, कार हेडक्वार्टर के उप पुलिस आयुक्त आर. वेंकटेश्वरलू सभी जोन और विभागों के डीसीपी सहित वरिष्ठ अधिकारी और कार्यान्वयन टीम ने भाग लिया।

एम.पी. ईटेला ने 87 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरी सांसद ईटेला राजेन्दर ने मंगलवार को नेरेडमेट रेलवे स्टेशन पर एलसी गेट बीपी नंबर 8, वाजपेयी नगर के स्थान पर रोड अंडर ब्रिज और साफिलगुड़ा रेलवे स्टेशन के पास लिमिटेड हाइट सबवे के निर्माण के लिए आधारशिला रखी। इस अवसर पर मल्काजगिरी के विधायक मरी राजशेखर रेड्डी और अन्य गणयमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। डॉ. आर. गोपालकृष्णन, डिविजनल रेलवे मैनेजर, सिकंदराबाद डिवीजन, के. मुत्याल नायडू, अतिरिक्त डीआरएम (इंफ्रा), सिकंदराबाद डिवीजन, डी.एस. रामाराव, अतिरिक्त डीआरएम , हैदराबाद डिवीजन, ए. श्रीधर, चीफ पब्लिक रिलेशंस ऑफिसर, एससीआर , उदयनाथ कोतला, डिप्टी जनरल मैनेजर, एससीआर और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी मौजूद थे। इस अवसर पर सांसद ईटेला राजेन्दर ने कहा कि आज दो महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी जा रही है, जिनकी कुल लागत 87.28 करोड़ रुपए है। उन्होंने बताया कि वाजपेयी नगर में रोड

अंडर ब्रिज और साफिलगुड़ा रेलवे स्टेशन के पास लिमिटेड हाइट सबवे लोगों की लंबे समय से प्रतीक्षित आकांक्षाएँ हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इन परियोजनाओं का वित्तपोषण रेलवे द्वारा किया जा रहा है ताकि कार्यों का सुचारु और समय पर निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके। सांसद ने यह भी कहा कि रेल बुनियादी ढांचा सुविधाओं में सुधार, आरयूबी और आरोबी निर्माण, एक्सप्रेस ट्रेन ठहराव और रेल पटरियों पर सुरक्षा उपायों में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विधायक मरी राजशेखर रेड्डी ने सभा को संबोधित करते हुए बताया कि वाजपेयी नगर में एलसी नंबर बीपी -8 पर आरयूबी का निर्माण 74.47 करोड़ की लागत से और साफीलगुड़ा में एलएचएस 12.81 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ये विकासात्मक कार्य स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही इच्छा को पूरा करेंगे और उनके लिए अत्यंत लाभकारी होंगे। नए आरयूबी और एलएचएस से सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा मजबूत होगी और गेट पर किसी प्रकार की देरी के बिना सुचारु आवागमन सुनिश्चित होगा। पूर्व में डॉ. आर. गोपालकृष्णन, डीआरएम , सिकंदराबाद डिवीजन ने स्वागत भाषण दिया और परियोजना का विवरण प्रस्तुत किया।

आचार्य अनिल वत्स द्वारा पं महेशचन्द्र शर्मा खण्डेलवाल को ज्योतिष रत्न उपाधि द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव भी उपस्थित थे।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लि. विशाखापट्टनम पर गणतंत्र दिवस पर कार्यकारी निदेशक रमेश कृष्णन झंडारोहण किया गया। अवसर पर अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

सरस्वती माता एवं मातृ-पितृ पूजा संपन्न

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बोंदिली कान्यकुब्ज समाज द्वारा लंगर हाउस, बापू नगर स्थित श्री शिर्डी साईं बाबा मंदिर में सरस्वती माता पूजन एवं मातृ-पितृ पूजा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन समाजसेवी गोपाल बलदवा द्वारा किया गया। इस अवसर पर समाज के बच्चों के बीच नोटबुक का वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम समाज के अध्यक्ष बाला प्रसाद तिवारी के मार्गदर्शन एवं वर्किंग प्रेसिडेंट श्रीमती शोभा पांडे सहित जयशंकर तिवारी, श्रीमती अरुणा दुबे, श्रीमती किरणलता तिवारी, श्रीमती विजयलक्ष्मी, श्रीमती पवन रेखा, श्रीमती लक्ष्मी बाई, श्रीमती समता, श्रीमती ममता, श्री विशाल, श्रीमती आरती तिवारी, श्रीमती पद्मा पांडे, श्रीमती वीना अवस्थी, श्रीमती विजय माला तिवारी, सुदर्शन तिवारी एवं राजेंद्र अग्निहोत्री आदि के संरक्षण में सम्पन्न हुआ।

आलोक तिवारी के नेतृत्व में शुक्ला पंडित एवं तिवारी पंडित ने पूजा सम्पन्न कराई तथा उपस्थितजनों ने बच्चों को आशीर्वाद प्रदान किया। अंत में अन्नप्रसाद का आयोजन किया गया।

विश्व जागृति मिशन के केंद्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौड द्वारा ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। तत्पश्चात साप्ताहिक विडियो सत्संग की श्रृंखला में नागपुर में आयोजित विराट भक्ति सत्संग की सी डी दिखाई गई।

आगामी 15 फरवरी को रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला द्वारा आयोजित जन्म शताब्दी महोत्सव में भाग लेने पद्मश्री गोविंद ढोलकिया, डायमंड किंग सवजीभाई ढोलकिया, पद्मश्री मथुरभाई सवानी, राकेश पटेल, मनहरभाई सांसपरिया, मनहरिया काकडिया, गनपतभाई धामेलिया, छगनलाल देतरोजा आदि को निमंत्रित करते हुए जसमत पटेल, आशोक पटेल, रिद्धीश जागीरदार, शितल पंसारीया एवं अन्य।

पुलिस कर्मियों को प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए

विकाराबाद , 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिला कलेक्टरेट कार्यालय में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर उन 29 पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए जिन्होंने अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रशंसा पत्र जिला कलेक्टर और जिला पुलिस अधीक्षक स्नेहा मेहरा द्वारा प्रदान किए गए। पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में धारुर सर्कल सीआई सीएच . रघुरामुलु और मोमिनपेट एसआई ए . अरविंद को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। डीपीओ कार्यालय से वरिष्ठ सहायक मोहम्मद आयूब, एम. साई प्रसाद और आईटी सेल के कर्मचारी एम. केशवुलु को उनके समर्पित सेवाओं के लिए प्रशंसा पत्र दिया गया। जिले के विभिन्न विशेष विंग्स से, जी. कृष्णा डी(डीसीआरबी), एस . प्रमीला और के मीना (डीएसबी), टी. रामकृष्ण (क्रूज़ टीम), एम. पर्वतेशम (पीसीआर), और पी. चंद्रशेखर (डीटीसी) को भी प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए। सामाजिक सेवा में योगदान के लिए, भरोसा सेंटर की सपोर्ट पर्सन जी हेपज़िबाह और टास्क फोर्स के हेड कॉन्स्टेबल वी. रमेश को भी पुरस्कार सूची में शामिल किया गया। विभिन्न पुलिस थानों में क्षेत्रीय स्तर पर सराहनीय सेवा देने वाले कांस्टेबल और हेड कॉन्स्टेबल को जामील (चेंगोमुल), रमेश वर्मा (कोडंगल), एस . गोपाल और एम. जहांगीर पासा (पारगी), बलराम (मोमिनपेट), नरसिमुलु (विकाराबाद), नरेश (धारुर), जयवर्धन (सीसीएस), जे. साई कृष्ण यादव (तांडूर), बी. अशोक कुमार (करनकोटे), एम. श्रीनिवास (यालाल) और के. नागेंद्र (बशीराबाद)को भी सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, डीएआर हेडक्वार्टर में सेवा देने वाले कर्मियों आर. वेंकैयाह, शेखर, बी. जगम्मा और यू. सत्यनारायण को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

तेलंगाना पॉन ब्रोकर्स एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन का सम्मान समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ताड़बंड स्थित श्री भैरुलाल रांका एस.एस.जैन. हाई स्कूल में तेलंगाना पॉन ब्रोकर्स एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के तत्वावधान मे पोट मार्केट जोन के सदस्य पारसमल रांका, अशोक शेरमल बोहरा, सुरेशचन्द संचेती, उत्तमचन्द कटारिया (अंकल), सुरेशचन्द कोठारी, सुनिलकुमार बोहरा, दिलीप कुमार रांका, घेवरचन्द, पारसमल कोठारी, गोपीकिशन उपाध्याय द्वारा सोमवार 26 जनवरी प्रात: 11:30 बजे विशेष मीटिंग आयोजितकर सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति मे अध्यक्ष बी.पारसमल रांका ने बताया कि विशेष मीटिंग आयोजितकर नवनिर्वाचित सदस्योंं का सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री जैन सेवा संघ के नवनिर्वाचित सदस्य विनोद मखाना, योगेश सोनी, अशोक संचेती, हुक्मीचन्द कोचेटा, अशोक कोठारी, विजय आँचलिया, अशोक सोनी, दिलीप भंडारी, महावीर हॉस्पीटल के चेयरमैन महेन्द्र रांका, जे.आर.एफ. के कार्यकारिणी सदस्य प्रशांत कोचेटा, धर्मेन्द्र नाहर,पवन कटारिया, प्रमोद खीवसरा, सिकन्दराबाद मूर्ती पूजक संघ के अध्यक्ष योगेश गांधी, ऑल इंडिया जे.पी.पी.महिला फाउंडेशन अध्यक्षा श्रीमती आशा कटारिया, शांतीलाल गुगलिया, रोहित सुतलिया, तुशान्त रांका, किशोर बोहरा, करन रांका, राजेन्द्र बोहरा, सचिन मखाना, दिनेश मखाना, पंकज संचेती, दिलीप मखाना, सागरमल लोढा, प्रकाश मुनोथ, कान्तीलाल गुन्देचा, गौतम कटारिया, सहेज पिति, मृदुल गुप्ता, श्वेता सुतलिया, करुणा रांका, मनीशा,ममता, मंजू ओसवाल, प्रकाश कटारिया, सुमेरसिंह, श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के कार्याध्यक्ष शांतीलाल बोहरा, मंत्री सुरेन्द्र कटारिया, एसोसिएशन के सोहनलाल प्रजापत, सुभाष नवीन जैन, पुष्पेन्द्र कुमार प्रजापत, सुरेश समदरिया, प्रकाश कुमावत, हनुमानसिंह राजपुरोहित, रतनलाल काग, राजेश जैन भंडारी, किशोर कुमार प्रजापत, जैन रिलीफ फाउंडेशन के सदस्योंं एवं कार्यक्रम मे पधारे हरिसिंह सेवड़, गजेन्द्रसिंह, सोहनसिंह, लक्ष्मणसिंह, नारायणसिंह, तेजसिंह, हीरसिंह, रामसिंह, दलपतसिंह, शंकरसिंह, पृथ्वीसिंह, छोटुसिंह, सवाईसिंह, बिरबलसिंह, स्वरुपसिंह, नन्दूसिंह, प्रवीणसिंह, मांगूसिंह, नरपतसिंह राजपुरोहित, मयूर पान के महावीर कुमावत, पत्रकार परबत सोलंकी का विशेष सम्मान किया गया। पधारे सभी सदस्योंं के लिए भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे शंकरसिंह राजपुरोहित, जगदीश प्रसाद वर्मा, हरिराम प्रजापत, अशोक कुमार चाणोदिया, गौतमचन्द गुगलिया, गौतमचन्द श्रीश्रीमाल, राजेन्द्रकुमार जैन, जगदीश प्रसाद काग, अमरसिंह राजपुरोहित, राजूसिंह राजपुरोहित, जगदीश चौधरी का विशेष सहयोग रहा। प्रकाश एस.भंडारी ने सभा का संचालन किया। कार्याध्यक्ष शंकरसिंह राजपुरोहित के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

नामपल्ली स्थित श्री बाल वीर हनुमान मंदिर में तेलंगाना वैष्णव समाज द्वारा 77वां गणतंत्र दिवस पर पर झंडा वंदन करते हुए अध्यक्ष विष्णु रामावत, उपाध्यक्ष बाबूलाल टीलावत, संपतदास, ओमप्रकाश, प्रकाश, सीताराम, कुंदन, अजय ,लक्ष्मण, मुकेश एवम् समस्त समाज बंधुगण।

बांग्लादेश के खेल पत्रकारों पर आईसीसी ने लगाई रोक, नहीं कर सकेंगे मैच कवर

खेल डेस्क, 27 जनवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बांग्लादेश की क्रिकेट टीम तो पहले ही बाहर की जा चुकी है, अब खबर है कि आईसीसी ने उसके खेल पत्रकारों पर भी रोक लगा दी है. आईसीसी ने बांग्लादेशी स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट को टूर्नामेंट के कवरेज के लिए एक्रीडेटेशन देने से मना कर दिया है. बड़ी बात ये है कि ऐसा सिर्फ भारत में होने वाले मुकाबले के लिए ही नहीं है, बल्कि जो मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे, वो भी बांग्लादेश के पत्रकार कवर नहीं कर सकेंगे.

हालांकि, इस मसले पर आईसीसी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है. लेकिन, ऐसी रिपोर्ट है कि

बांग्लादेश के खेल पत्रकारों को भारत और श्रीलंका में होने वाले मुकाबले के कवरेज के लिए एक्रीडेटेशन देने से आईसीसी ने इनकार कर दिया है.

टी20 डब्ल्यूसी में बांग्लादेश की जगह खेलेगी स्कॉटलैंड

इससे पहले बांग्लादेश की टीम को भारत में ना खेलने की अपनी जिद पर अड़े रहने के चलते आईसीसी ने टूर्नामेंट से बाहर कर दिया. आईसीसी ने टूर्नामेंट में बांग्लादेश को स्कॉटलैंड से रिप्लेस किया है. आईसीसी ने साफ किया कि टूर्नामेंट के नियमों के मुताबिक सभी टीमों को निर्धारित स्थानों पर खेलना होगा. इस स्थिति में आईसीसी को बांग्लादेश को बाहर करने का कठोर कदम उठाना पड़ा है. आईसीसी ने ऐलान करने से पहले ही बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन को एक ईमेल भेजकर अपने फैसले की जानकारी दे दी थी.

स्कॉटलैंड का शेड्यूल

स्कॉटलैंड ग्रुप सी में बांग्लादेश की जगह लेगी और टूर्नामेंट में अपने मुकाबले उन्हीं तारीख को खेलती दिखेगी, जिस दिन बांग्लादेश के मुकाबले होने थे. स्कॉटलैंड की टीम अपने अभियान का आगाज 7 फरवरी को वेस्टइंडीज के खिलाफ होगा. उसके बाद 9 फरवरी को उसका सामना इटली से होगा. वहीं, 14 फरवरी को स्कॉटलैंड, इंग्लैंड से भिड़ेगी, जिसके बाद वो अपना आखिरी ग्रुप मैच नेपाल के खिलाफ खेलती दिखेगी. स्कॉटलैंड का ये 7वां टी20 वर्ल्ड कप होगा.

40 साल के बल्लेबाज ने ठोका 49 गेंदों में शतक

हरभजन सिंह से हारे शिखर धवन

गोवा, 27 जनवरी (एजेंसियां)। 26 जनवरी से वर्ल्ड लेजेंड्स प्रो टी20 लीग का आगाज हुआ, जिसका पहला मैच दिल्ली वॉरियर्स और दुबई रॉयल्स के बीच खेला गया. दिल्ली वॉरियर्स के कप्तान हरभजन सिंह थे तो वहीं दुबई रॉयल्स की कमान शिखर धवन के हाथों में थी. दोनों टीमों के बीच वर्ल्ड लेजेंड्स प्रो टी20 लीग 2026 का पहला मैच गोवा में खेला गया, जिसमें हरभजन सिंह के वॉरियर्स ने शिखर धवन के रॉयल्स को धूल चटा दी. हरभजन सिंह की टीम की जीत के हीरो वेस्टइंडीज से आने वाले 40 साल के विकेटकीपर बल्लेबाज चाडविक वॉल्टन रहे, जिन्होंने सिर्फ 49 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया.

दुबई रॉयल्स से मिले 197 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली वॉरियर्स ने अपनी पारी का आगाज जबरदस्त अंदाज में किया. चाडविक वॉलटन और श्रीवत्स गोस्वामी की ओपनिंग जोड़ी ने मिलकर टीम को ऐसी शुरुआत दिलाई, जैसा हाल ही में आई फिल्म धुरंधर का बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन रहा था. वॉलटन और गोस्वामी ने मिलकर ओपनिंग विकेट के लिए 159 रन जोड़े. ये जोड़ी तब टूटी जब दुबई रॉयल्स से खेल रहे पीयूष चावला ने श्रीवत्स गोस्वामी को उनके 56 रन के निजी स्कोर पर क्लीन बोल्ड किया.

श्रीवत्स भले ही आउट हो गए. लेकिन, उससे चाडविक वॉलटन के इरादों पर कोई असर नहीं पड़ा. उन्होंने अपना खेल जारी रखा और टीम को जीत दिलाकर ही लौटे. चाडविड वॉलटन ने अपनी नाबाद इनिंग में 62 गेंदें खेली, जिस पर उन्होंने 8 छक्के और 14 चौके की मदद से 128 रन बनाए. 206.45 की स्ट्राइक रेट से खेली इस इनिंग के दौरान चाडविक वॉल्टन ने अपनी सेंचुरी सिर्फ 49 गेंदों पर ही पूरी की.

हरभजन सिंह की कप्तानी वाली टीम दिल्ली वॉरियर्स ने दुबई रॉयल्स से मिले 197 रन के लक्ष्य को 16.3 ओवरों में ही सिर्फ 1 विकेट खोकर हासिल कर लिया. यानी उन्होंने वर्ल्ड लेजेंड्स प्रो टी20 लीग 2026 का ओपनिंग मैच 22 गेंद बाकी रहते, 9 विकेट से अपने नाम किया.

टी-20 वर्ल्डकप के लिए स्कॉटलैंड की टीम घोषित

पाकिस्तानी मूल के सफयान शरीफ के वीजा पर फंसा पेंच

एडिनबरा, 27 जनवरी (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की जगह शामिल हुई स्कॉटलैंड की टीम ने अपने 15 सदस्यीय स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। टीम को इसी हफ्ते भारत के लिए रवाना होना है, लेकिन पाकिस्तानी मूल के तेज गेंदबाज सफयान शरीफ समेत कुछ खिलाड़ियों के वीजा को लेकर सस्पेंस बना हुआ है।

क्रिकेट स्कॉटलैंड को आीसीसी ने भरोसा दिलाया है कि वे भारतीय वीजा जल्द दिलाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक तनाव के कारण अक्सर पाकिस्तानी मूल के नागरिकों को वीजा मिलने में देरी होती है। स्कॉटलैंड का पहला मैच 7 फरवरी को कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ होना है।

क्रिकेट स्कॉटलैंड की मुख्य कार्यकारी ट्रुडी लिंडब्लेड ने

कहा,'वीजा प्रक्रिया हमेशा थोड़ा अनिश्चित होती है, चाहे आपके पास 3 दिन हों या 45 दिन। पिछले 48 घंटों से हमारा पूरा ध्यान इसी पर है ताकि खिलाड़ी समय पर भारत पहुंच सकें। आीसीसी इस मामले में बीसीसीआई और स्थानीय अधिकारियों के साथ तालमेल बिठा रहा है। हमें पूरा भरोसा है कि मैच से पहले सभी को क्लीयरेंस मिल जाएगा।'

सफयान शरीफ का मामला अहम

तेज गेंदबाज सफयान शरीफ का जन्म इंग्लैंड के हडर्सफील्ड में हुआ था। उनके पिता पाकिस्तानी और मां ब्रिटिश-पाकिस्तानी हैं। वे 7 साल की उम्र में स्कॉटलैंड शिफ्ट हो गए थे। इसी पाकिस्तानी कनेक्शन की वजह से उनके वीजा में देरी की आशंका जताई जा रही है। स्कॉटलैंड ने एहतियात के तौर पर 2 ट्रैवलिंग और 3 नॉन-ट्रैवलिंग रिजर्व खिलाड़ी भी रखे हैं, ताकि किसी भी देरी की स्थिति में टीम मैदान पर उतर सके।

टीम में 3 बड़े बदलाव

इस बार स्कॉटलैंड की टीम में 2024 वर्ल्ड कप के मुकाबले तीन बदलाव किए गए हैं।

जैनुल्लाह इहसानः अफगानिस्तान में जन्मे 19 साल के इस तेज गेंदबाज को पहली बार मौका मिला है।

टॉम ब्रूसः न्यूजीलैंड के लिए 17 टी-20 खेल चुके ब्रूस अब स्कॉटलैंड की जर्सी में दिखेंगे।

क्रिस सोल बाहरः 145 किमी/घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकने वाले क्रिस सोल इस बार टीम का हिस्सा नहीं हैं। वे फिलहाल रिक्रूटमेंट सेक्टर में अपने करियर पर ध्यान दे रहे हैं।

बेंगलुरु में खेलना है प्रैक्टिस मैच

बेंगलुरु में वॉर्म-अप मैच टीम को भारत पहुंचने के बाद 2 और 4 फरवरी को बेंगलुरु में अफगानिस्तान और नामीबिया के खिलाफ वॉर्म-अप मैच खेलने हैं। इसके बाद वे कोलकाता जाएंगे। ग्रुप-बी में स्कॉटलैंड के साथ वेस्टइंडीज, इटली, इंग्लैंड और नेपाल की टीमें हैं। टॉप-2 टीमें सुपर-8 के लिए क्वालीफाई करेंगी।

स्कॉटलैंड का 15 सदस्यीय स्क्वॉडः

रिची बेरिंगटन (कप्तान), टॉम ब्रूस, मैथ्यू क्रॉस, ब्रैड करी, ओली डेविडसन, क्रिस ग्रीव्स, जैनुल्लाह इहसान, माइकल जोन्स, माइकल लीस्क, फिनले मैकक्रेथ, ब्रैंडन मैकमुलेन, जॉर्ज मुन्से, सफयान शरीफ, मार्क वाट, ब्रैड व्हील। रिजर्व खिलाड़ीः जैस्पर डेविडसन, जैक जार्विस।

हार्दिक पंड्या के इंटरनेशनल क्रिकेट में 10 साल पूरे

इमोशनल पोस्ट किया, लिखा- यह तो केवल शुरुआत है

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने मंगलवार को इंटरनेशनल क्रिकेट में 10 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने जनवरी 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया था।

पंड्या ने इस उपलब्धि को एक इमोशनल पोस्ट के जरिए शेयर करते हुए कहा कि यह दौर उनके लिए केवल शुरुआत है और वे अभी भी अपने करियर के अगले स्टेज की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने लिखा कि 10 साल की यह यात्रा उनके लिए सीख, संघर्ष और उपलब्धियों से भरी रही है, और वे देश के लिए खेलते हुए आगे भी और योगदान देना चाहते हैं।

आप सभी को मेरा प्यार

पंड्या ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा है, आप सभी को मेरा प्यार, हर चीज के लिए धन्यवाद। धन्यवाद भगवान, उन सभी मुश्किलों और चुनौतियों के लिए जिनकी वजह से मैं यहां तक पहुंच पाया हूं। उन सभी लोगों के भरोसे के लिए। इस जिंदगी को जीने का मौका देने के लिए। इन सालों ने मुझे सिखाया है कि यह तो बस शुरुआत है। मैंने उन रास्तों पर अभी चलना शुरू ही किया है, जिस पर सचमुच में मैं चलना चाहता हूं।

टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन टीम का हिस्सा रहे

उनके करियर में कई उपलब्धियां शामिल हैं। पंड्या ने भारत की टीम को 2024 के टी-20 वर्ल्ड कप और 2025 के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में योगदान दिया, जहां उन्होंने कई अहम पारियां और गेंदबाजी प्रदर्शन दिए।

दाहिने हाथ के इस ऑलराउंडर ने पिछले एक दशक में एक प्रभावशाली सफर तय किया है। बड़ौदा से शुरुआत करते हुए राष्ट्रीय टीम का अहम हिस्सा बनने तक।

उन्होंने कई मौकों पर टीम इंडिया को जीत दिलाई है और बड़े टूर्नामेंटों में अपनी क्षमताओं का लोहा मनवाया है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने दिव्या देशमुख को किया सम्मानित, कहा- देश को अगली शतरंज उपलब्धि का इंतजार

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने महिला शतरंज ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख को 'डायनामाइट न्यूज यंग इंडिया कंट्री अवॉर्ड' से सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दिव्या ने देश का नाम रोशन किया है और अब पूरे देश को उनकी अगली बड़ी उपलब्धि का इंतजार है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'यह पूरे देश के लिए गर्व की बात है। इन बच्चों ने भारत का नाम विश्व स्तर पर रोशन किया है। अब देश को आपकी अगली उपलब्धि का इंतजार है।'

न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभाशाली युवाओं के चयन के लिए डायनामाइट न्यूज की जूरी की भी सराहना की और इस पहल को प्रेरणादायक बताया।

इस अवसर पर वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संजय कोठारी ने भी दिव्या देशमुख की प्रशंसा करते हुए उनके माता-पिता डॉ. नम्रता देशमुख और डॉ. जितेंद्र देशमुख को बधाई दी।

कार्यक्रम में डायनामाइट न्यूज की चेयरपर्सन रानी तिबरेवाल ने मुख्य न्यायाधीश का स्वागत किया, जबकि एडिटर-इन-चीफ मनोज तिबरेवाल आकाश ने पुरस्कार समारोह में शामिल होने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस पुरस्कार के अंतर्गत विजेता को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, शॉल और एक लाख रुपये नकद प्रदान किए जाते हैं। उल्लेखनीय है कि इस पुरस्कार के लिए ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और रुमा देवी को भी चुना गया था, जिन्हें यह सम्मान पहले ही प्रदान किया जा चुका है।

ब्रेडमैन की बैगी ग्रीन कैप 2.92 करोड़ में बिकी

आजाद भारत के खिलाफ पहली सीरीज में पहनी थी, भारतीय गेंदबाज को गिफ्ट की थी

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई के महान क्रिकेट खिलाड़ी सर डोनाल्ड (डॉन) ब्रेडमैन की 'बैगी ग्रीन' कैप की नीलामी हुई है। गोल्ड कोस्ट में हुई इस नीलामी में एक अनाम खरीदार ने इसे 4,60,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 2.92 करोड़ रुपए) में खरीदा। यह वही कैप है, जिसे ब्रेडमैन ने 1947-48 में आजाद भारत के खिलाफ खेली गई पहली टेस्ट सीरीज के दौरान पहना था।

ब्रेडमैन ने यह कैप अपनी अंतिम घरेलू टेस्ट सीरीज (1947-48) के बाद भारतीय टीम के ओपनिंग गेंदबाज श्रीरंगा सोहनी (एस.डब्ल्यू. सोहनी) को गिफ्ट में दे दी थी। सोहनी परिवार ने इसे करीब 75 साल तक सुरक्षित रखा और कभी

सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित नहीं किया।

लॉयड्स ऑक्शंस के सीओओ ली हेम्स ने इस कैप को 'क्रिकेट की दुनिया का सबसे अनमोल खजाना बताया। उन्होंने कहा, 'यह कैप तीन पीढ़ियों से ताले में बंद थी। परिवार का नियम था कि जब कोई सदस्य 16 साल का हो जाता था, तभी उसे सिर्फ 5 मिनट के लिए यह कैप देखने की इजाजत दी जाती थी।'

श्रीरंगा सोहनी ने फेंकी थी आजाद भारत की पहली गेंद

भारतीय क्रिकेटर श्रीरंगा सोहनी ने 1947-48 की सीरीज का केवल पहला टेस्ट मैच खेला था। हालांकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला, लेकिन उन्होंने उस मैच की पहली गेंद फेंकी थी। यह आजाद भारत के क्रिकेट इतिहास की भी पहली गेंद थी। इसी मैच के बाद ब्रेडमैन ने अपनी कैप सोहनी को यादगार के तौर पर दे दी थी।

कैप के अंदर लिखे हैं दोनों दिग्गजों के नाम

इस खास कैप के अंदर डोनाल्ड ब्रेडमैन और श्रीरंगा सोहनी के नाम लिखे हुए हैं। कैप पर ऑस्ट्रेलियाई प्रतीक के नीचे 1947-48 भी कढ़ाई से लिखा गया है। क्रिकेट जगत में अब तक ब्रेडमैन की ऐसी केवल 11 बैगी ग्रीन कैप्स की जानकारी है, क्योंकि उस दौर में खिलाड़ी हर सीरीज के लिए अलग कैप पहनते थे।

शेन वॉर्न की कैप के नाम है वर्ल्ड रिकॉर्ड

नीलामी के इतिहास में सबसे महंगी बैगी ग्रीन कैप का रिकॉर्ड दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न के नाम है। 2020 में वॉर्न की कैप करीब 5.90 करोड़ रुपए (10 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर) में बिकी थी। यह पैसा बुशफायर चैरिटी को दिया गया था। वहीं ब्रेडमैन की 1928 में डेब्यू वाली कैप 2020 में करीब 2.65 करोड़ रुपए में बिकी थी।

ब्रेडमैन का भारत के खिलाफ रिकॉर्ड

1947-48 की उस ऐतिहासिक सीरीज में भारत को 0-4 से हार का सामना करना पड़ा था। डॉन ब्रेडमैन ने उस सीरीज में कमाल की बल्लेबाजी की थी और 178.75 की औसत से 715 रन बनाए थे, जिसमें तीन शतक शामिल थे।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में

मेलबर्न में पारा 40 डिग्री पहुंचने पर एक्सट्रीम हीट पॉलिसी लागू

मेलबर्न, 27 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। मंगलवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल में उन्होंने 18 साल की अमेरिकी खिलाड़ी इवाना जोविक को सीधे सेटों में 6-3, 6-0 से हरा दिया। यह उनके करियर का 14वां ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल है।

वहीं, वर्ल्ड नंबर-3 जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने अमेरिका के युवा खिलाड़ी लर्नर टिएन को चार सेट के कड़े मुकाबले में हराया। रॉड लेवर एरीना में खेले गए इस मैच में ज्वेरेव ने टिएन को 6-3, 6-7 (5-7), 6-1, 7-6 (7-3) से मात दी।

दो बार की चैंपियन सबालेंका पहला सेट करीब एक घंटे में जीता

दो बार की चैंपियन सबालेंका ने पहला सेट करीब एक घंटे में जीता। मैच के दौरान गर्मी इतनी ज्यादा थी कि उनकी जीत से ठीक पहले स्टेडियम की छत बंद करनी पड़ी। यह सबालेंका का लगातार चौथा ऑस्ट्रेलियन ओपन सेमीफाइनल है। अब फाइनल में जगह बनाने के लिए उनका मुकाबला कोको गॉफ या एलिना स्वितोलिना में से किसी एक से होगा।

ज्वेरेव ने पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया, लेकिन दूसरे सेट में अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन ने जबरदस्त वापसी की और टाईब्रेक में 7-5 से सेट जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। तीसरे सेट में ज्वेरेव ने एक अलग ही रफ्तार पकड़ ली। तेज सर्विस और दमदार ग्राउंड स्ट्रोक्स की मदद से उन्होंने यह सेट 6-1 से जीतकर दो सेट बनाम एक की बढ़त हासिल कर ली।

मेलबर्न की तेज गर्मी में टिएन को तीसरे सेट में काफी परेशानी हुई और ज्वेरेव जल्दी ही 3-1 की बढ़त बना ली। चौथे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। टिएन लगातार अपने सर्विस गेम बचाते रहे और सेट टाईब्रेक तक पहुंच गया। हालांकि, निर्णायक मौकों पर ज्वेरेव ने अनुभव का फायदा उठाया और टाईब्रेक 7-3 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

इस जीत के साथ ही अलेक्जेंडर ज्वेरेव सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं, जबकि युवा अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन ने कड़ी टक्कर देकर सभी का ध्यान खींचा।

मंगलवार को मेलबर्न में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इसके बाद आयोजकों को 'एक्सट्रीम हीट पॉलिसी' लागू करनी पड़ी। इसके तहत बाहरी कोर्ट पर चल रहे सभी मैच सस्पेंड कर दिए गए।

हालांकि, मेलबर्न पार्क के तीन मुख्य स्टेडियमों जिनमें रॉड लेवर एरिना शामिल है की छत बंद कर इंडोर कंडीशन्स में मुकाबले पूरे कराए गए।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर केन रिचड्र्सन ने लिया संन्यास

मेलबर्न, 27 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से एक खिलाड़ी के संन्यास की खबर है. ऑस्ट्रेलिया के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज केन रिचर्डसन ने संन्यास ले लिया है. केन रिचड्र्सन ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है.उनका क्रिकेट करियर 17 साल का रहा. रिचड्र्सन ने अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत साल 2013 में श्रीलंका के खिलाफ की थी. वहीं उन्होंने अपने इंटरनेशनल करियर का आखिरी मैच भारत में खेला. 34 साल के केन रिचर्डसन की क्रिकेट से इतनी जल्दी संन्यास की वजह उनकी इंजरी बनी है.

रिचर्डसन ने 2023 में खेला था आखिरी इंटरनेशनल मैच

केन रिचर्डसन के प्रोफेशनल करियर की शुरुआत साल 2009 में हुई थी. इस दौरान 10 साल वो इंटरनेशनल क्रिकेट में सक्रिय रहे. 2013 में अपना इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले रिचर्डसन ने आखिरी

मैच 2023 में भारत के खिलाफ गुवाहाटी में T20 इंटरनेशनल के तौर पर खेला. उनके टी20 इंटरनेशनल करियर की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ साल 2014 में हुई थी.

केन रिचर्डसन ने इंटरनेशनल क्रिकेट में कुल 61 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 84 विकेट अपने नाम किए, इसमें 25 मैच उन्होंने वनडे में खेले हैं, जिसमें 39 विकेट अपने नाम किए हैं. वनडे में उनका बेस्ट प्रदर्शन 68 रन पर 5 विकेट लेने का है. T20 इंटरनेशनल में खेले 36 मैचों में केन रिचर्डसन ने 45 विकेट चटकाए हैं. इस फॉर्मेट में उनका बेस्ट प्रदर्शन 30 रन देकर 4 विकेट लेने का रहा है.

केन रिचर्डसन ने सबसे ज्यादा मैच टी20 फॉर्मेट में खेले

केन रिचर्डसन के ओवरऑल प्रोफेशनल करियर की बात करें तो 17 साल में उन्होंने सबसे ज्यादा 201 टी20 मुकाबले खेले, जिसमें 241 विकेट अपने नाम किए. वो दुनिया भर की टी20 लीग का भी हिस्सा बने. आईपीएल में वो 3 टीमों के साथ जुड़े, जिसमें राजस्थान रॉयल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पुणे वॉरियर्स के नाम शामिल हैं.

आईपीएल और बीबीएल में केन रिचर्डसन का करियर

आईपीएल में 3 टीमों का हिस्सा बनने के बाद भी केन रिचर्डसन सिर्फ 15 मैच ही खेल सके, जिसमें उन्होंने 19 विकेट अपने नाम किए. उन्होंने अपना आखिरी टी20 मैच बिग बैश में 26 दिसंबर 2025 को खेला था. केन रिचर्डसन ने बिग बैश में भी 3 टीमों का प्रतिनिधित्व किया और 118 मैचों में कुल 142 विकेट अपने नाम किए.

सभी क्षेत्रों में महिलाओं को प्राथमिकता दें : किशन रेड्डी

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्वयं सहायता समूह सक्रिय और सशक्त बनें : राज्यपाल

एबीवी फाउंडेशन से स्किल ट्रेनिंग लेने वालों को मिला प्रमाण-पत्र

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी क्षेत्रों में महिलाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

अंतरिक्ष क्षेत्र से लेकर बस्तियों में रहने वाली गरीब महिलाओं तक सहायता पहुँचाई जा रही है। सड़क विक्रेताओं और छोटे व्यापारियों को बिना किसी गारंटी के बैंकों से ऋण उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। वे अटल बिहारी वाजपेयी (एबीवी)फाउंडेशन से स्किल ट्रेनिंग लेने वाले कैंडिडेट्स के लिए एप्रिसिएशन/सर्टिफिकेट डिस्ट्रीब्यूशन प्रोग्राम एनआई - एमएसएमई , यूसुफगुडा, रहमत नगर में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि एक समय था जब बैंक खाता खोलना भी बहुत कठिन हुआ करता था, लेकिन अब जनधन योजना के माध्यम से गरीबों के लिए भी आसानी से बैंक खाते खोले जा रहे हैं।

इस योजना के तहत अब तक 55 करोड़ जनधन खाते खोले जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि जो डिजिटल लेनदेन पहले केवल अमीरों तक सीमित था, वह अब हर घर तक पहुँच चुका है। स्किल सेंटर्स की स्थापना की गई है। 'ड्रोन दीदी' कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। 'लखपति दीदी' योजना के जरिए हर महिला को लाखपति बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य किया जा रहा है। एक क्रांतिकारी निर्णय लेते हुए महिलाओं को खनन (माइनिंग) क्षेत्र में भी काम करने की अनुमति दी गई है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि हाईटेक सिटी के आईटी केंद्रों में लाखों महिलाएँ कार्यरत हैं। हर महिला को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से ही ये सभी कार्यक्रम लागू किए गए हैं।

महिलाएँ किसी भी प्रकार का व्यवसाय करना चाहें, तो मैं उन्हें हर संभव सहयोग देने का आश्वासन देता हूँ। बस्तियों के कम्युनिटी हॉल्स में स्किल सेंटर्स स्थापित कर, आवश्यक किसी भी प्रकार का प्रशिक्षण देने के लिए हम तैयार हैं। इस अवसर पर तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि पहले स्वयं सहायता समूह केवल नाम मात्र के होते थे और भाषणों तक ही सीमित रहते थे। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय और सशक्त बनाया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ गरीबों को पक्के घर उपलब्ध कराए गए हैं। जनधन योजना के माध्यम से बैंक खाते खुलवाए गए हैं। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' में जाति और धर्म से परे, हर व्यक्ति को भागीदार बनाने के उद्देश्य से आगे बढ़ा जा रहा है। महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत होने से पूरा परिवार सशक्त होता है।

यदि महिलाएँ नए कौशल सीखें, तो वे अपने परिवार के साथ-साथ देश को भी एक नई दिशा और दशा दे सकती हैं।

हादसे में बुजुर्ग महिला की मौत, पत्रकार सहित 4 घायल

करीमनगर, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर जिले में सोमवार देर रात एक सड़क हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि एक स्थानीय समाचार चैनल में कार्यरत पत्रकार समेत चार अन्य लोग घायल हो गए। यह घटना करीमनगर कस्बे के बाहरी इलाके थिम्मापुर मंडल के महात्मा नगर में हुई।

जानकारी के अनुसार, कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के सिरपुर कागजनगर से एक परिवार करीमनगर रिश्तेदारों से मिलने आया था। कागजनगर से शाम को रवाना होने के बाद परिवार आधी रात के बाद महात्मा नगर पहुंचा। रिश्तेदारों के घर से करीब 500 मीटर पहले ही यह हादसा हो गया।

बताया गया कि जिस कार में परिवार सवार था, वह एक लॉरी से टकराने से बचने के प्रयास में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि किरण नाम के एक पत्रकार सहित चार लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को जिला मुख्यालय के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

तेलंगाना में पाँच डीए अभी भी लंबित हैं : रामचंदर राव

सरकारी कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभों को लेकर भाजपा का धरना

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के सरकारी कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभ तुरंत जारी किए जाने की मांग को लेकर भाजपा के नेतृत्व में इंदिरा पार्क में एक विशाल धरना आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव तथा राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

धरना कार्यक्रम में भाजपा विधायक, एमएलसी, वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इसके साथ ही सेवानिवृत्त कर्मचारी और पेंशनर्स भी भारी संख्या में उपस्थित हुए। राज्य में कांग्रेस सरकार द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के अधिकारों की अनदेखी के विरोध में नारे लगाए गए। धरने के माध्यम से सेवानिवृत्ति लाभों के लंबित भुगतान को तुरंत जारी करने और राज्य सरकार से शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई। इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि तेलंगाना में सरकारी कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभों के लिए भाजपा द्वारा चलाया जा रहा यह आंदोलन केवल सेवानिवृत्त कर्मचारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्तमान में कार्यरत कर्मचारियों की समस्याओं से भी जुड़ा हुआ है। धरना कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों का हम धन्यवाद करते हैं। 'नीलम-निधियाँ और नियुक्तियाँ' के नारे के साथ तेलंगाना राज्य के लिए आंदोलन हुआ था। राज्य के गठन के बाद लाखों नौकरियाँ मिलने की उम्मीद थी, लेकिन आज भी रोजगार की स्थिति अत्यंत दयनीय है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आज तक उनके लाभ नहीं दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में केसीआर सरकार के दौरान यह आश्वासन दिया गया था कि प्रत्येक कर्मचारी को सेवानिवृत्ति के दिन सम्मानपूर्वक सभी लाभ एक साथ दिए जाएँगे और सेवानिवृत्ति के दिन सरकारी वाहन में घर भेजा जाएगा, लेकिन यह वादा आज तक लागू नहीं हुआ। वर्तमान कांग्रेस सरकार ने पीआरसी, डीए, ग्रेच्युटी, कम्यूटेशन, जीपीएफ, जीआईएस और लीव एनकैशमेंट जैसे सभी सेवानिवृत्ति लाभों को रोक दिया है। देश में कहीं भी पाँच डीए लंबित नहीं हैं, लेकिन तेलंगाना में पाँच डीए अभी भी लंबित हैं। लगभग 2,000 करोड़ रुपये से अधिक के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लाभ लंबित पड़े हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पिछले वर्ष मार्च में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा था कि 'हर महीने 700 करोड़ रुपये जारी करेंगे और एक वर्ष में सभी बिलों का भुगतान कर देंगे, लेकिन अब तक एक भी रुपया जारी नहीं किया गया। सेवानिवृत्ति लाभ न मिलने के कारण कर्मचारी, सेवानिवृत्त कर्मचारी और पेंशनर्स के परिवार गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं। आर्थिक और व्यक्तिगत समस्याओं के कारण कर्मचारी भारी मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। राज्य सरकार की लापरवाही के कारण लगभग 40 सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मानसिक तनाव से मृत्यु होने की घटनाएँ सामने आई हैं।

युवक ने सेल्फी वीडियो बनाकर की आत्महत्या

करीमनगर, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर जिले के चिगुरुमामिडी मंडल अंतर्गत रामंचा गांव में एक युवक ने सेल्फी वीडियो बनाने के बाद आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान नागेल्ली वेंकटेश रेड्डी (29) के रूप में हुई है। वीडियो में उसने अपने माता-पिता और भाइयों के साथ आर्थिक विवादों को आत्महत्या का कारण बताया है।

जानकारी के अनुसार, चिगुरुमामिडी में सुपरमार्केट चलाने वाले वेंकटेश रेड्डी ने सोमवार शाम गांव के बाहरी इलाके में कीटनाशक पी लिया। हालत बिगड़ने पर स्थानीय लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वीडियो में वेंकटेश रेड्डी ने बताया कि सुपरमार्केट के लिए उसने 10 लाख रुपये का निवेश किया था, जबकि परिवार के अन्य सदस्यों ने 12 लाख रुपये लगाए थे। बाद में उन पर 17 लाख रुपये निवेश करने का दावा कर धोखा देने का आरोप लगाया गया।

उसने कहा कि वह पहले ही 4 लाख रुपये लौटा चुका था और शेष राशि के लिए एक साल का समय मांगा था, लेकिन इसके बावजूद उसे सुपरमार्केट में बैठने नहीं दिया गया। आत्मसम्मान को ठेस पहुंचने के कारण उसने यह कदम उठाने की बात कही। वीडियो में उसने अपनी पत्नी मौनिका से माफी मांगते हुए पुलिस से अपील की कि उसके निवेश के 10 लाख रुपये पत्नी को दिलाए जाएं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जूनियर डॉक्टरों ने की बकाया वजीफे के भुगतान की मांग

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीजेयूडीए) ने मंगलवार को राज्य सरकार से जनवरी 2025 से जून 2025 के बीच के बकाया वजीफे का तत्काल भुगतान करने की मांग की है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि बार-बार अनुरोध के बावजूद भुगतान नहीं हुआ तो जूनियर डॉक्टरों के हित में उचित कदम उठाए जाएंगे। टीजेयूडीए ने बताया कि यही स्थिति हाउस सर्जनों और सुपर-स्पेशियलिटी पोस्टग्रेजुएट डॉक्टरों की भी है, जिनका बकाया अब तक लंबित है। सभी बिल जमा होने और विभागीय स्तर पर मंजूरी मिलने के बावजूद भुगतान सरकारी स्वीकृति के अभाव में अटका हुआ है।

एसोसिएशन के अनुसार, लंबे समय से हो रही देरी के कारण राज्य भर के कनिष्ठ डॉक्टरों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनके मनोबल और कार्यक्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। टीजेयूडीए ने कहा कि समय पर भुगतान से न केवल आर्थिक कठिनाइयां कम होंगी, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं में जूनियर डॉक्टरों के योगदान की उचित मान्यता भी मिलेगी।

सड़क हादसा, एक की मौत, एक गंभीर घायल

मंचेरियल, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के हाजीपुर मंडल में मंगलवार तड़के एक सड़क हादसा हो गया। दूध के डिब्बे ले जा रही एक ट्रॉली वैन को मोड़ पर तेज रफ्तार लॉरी ने टक्कर मार दी। हादसे में बिहार के एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हाजीपुर के सब इंस्पेक्टर किरण कुमार के अनुसार, बिहार के दौलतपुर निवासी 26 वर्षीय देवाजी कुमार को हादसे में गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में उत्तर प्रदेश निवासी नरेंद्र कुमार यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल नरेंद्र कुमार यादव को तुरंत मंचेरियल के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने लॉरी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

महिला के साथ मारपीट कर आभूषण छीनने वाले तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद पुलिस और कमिश्नर की टास्क फोर्स की संयुक्त कार्रवाई में एक डकैती गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार किए गए हैं।

यह गिरोह अरिहंत सदन अपार्टमेंट, ईस्ट मरेडपल्ली में शरत नरेश के घर में डकैती की वारदात में शामिल था। आरोपियों ने पीड़िता को जबरन बंद किया, मारपीट की और उसके सोने के गहने छीन लिए। पुलिस उपायुक्त, सिकंदराबाद ज़ोन, हैदराबाद रक्षिता के. मूर्ति के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में गुर्रप्पागारी महेश , चिन्नकोटला पवन कुमार, गीजु सुरेंद्र सभी निवासी, चेकीरेवलापल्ले गांव, आंध्र प्रदेश है। आरोपियों के पास से सोने के आभूषण औप मोबाइल फोन आदि बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी महेश पहले अरिहंत सदन अपार्टमेंट में वॉचमैन के रूप में कार्यरत था। अपनी परिचित जानकारी का फायदा उठाकर पवन और सुरेंद्र के साथ मिलकर डकैती की योजना बनाई। आरोपियों ने बीते 21 जनवरी को पीड़िता के घर में घुसकर उसके सोने के गहने छीने और वहां से फरार हो गए। इसके बाद सभी आरोपी कर्नाटक राज्य में चले गए और चोरी की संपत्ति साझा करने के बाद अलग हो गए। आरोपियों के पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड है। पूर्व में महेश दो अपहरण मामलों में , पवन वर्ष 2019 में बंगलौर में हत्या के मामले में शामिल रहा है।

लालगुडा पुलिस स्टेशन के पांच विशेष दलों और सिकंदराबाद टास्क फोर्स की सतर्कता के कारण, 2% जनवरी की सुबह तीनों आरोपियों को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पास गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से चोरी के सोने के गहने बरामद किए गए। यह अभियान डीसीपी सिकंदराबाद ज़ोन, रक्षिता के. मूर्ति और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

शिक्षा मंत्री बने तो सभी कॉर्पोरेट कॉलेज बंद कर दूंगा: कोमाटिरेड्डी

नालगोंडा, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य मंत्रिमंडल में एक नया विवाद खड़ा करते हुए सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि यदि उन्हें शिक्षा मंत्री बनने का अवसर मिला तो वे राज्य के सभी कॉर्पोरेट कॉलेजों को बंद कर देंगे। उल्लेखनीय है कि शिक्षा मंत्रालय वर्तमान में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के पास है। यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने छात्रों की आत्महत्या के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई और कॉर्पोरेट कॉलेजों में दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में अनुभवी शिक्षक और शोधकर्ता मौजूद हैं, जबकि कॉर्पोरेट कॉलेजों में अयोग्य लोगों को व्याख्याता नियुक्त किया जा रहा है।

कोमाटिरेड्डी ने कहा कि सरकारी शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों को अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में ही पढ़ाना चाहिए। पूर्व कांग्रेस शासन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री एन. किरण कुमार रेड्डी ने अपने कार्यकाल में नालगोंडा के लिए कोई धन स्वीकृत नहीं किया था। मंत्री ने दावा किया कि अगले दो वर्षों में नालगोंडा का कायाकल्प होगा और नगर निगम बनने से केंद्र सरकार से बड़ी धनराशि मिलने में मदद मिलेगी।

पुलिस ने सोने की चेन छीनने वाले दो आरोपियों को दबोचा

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चैतन्यपुरी पुलिस ने तेज़ कार्रवाई करते हुए उन दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने बीते 17 जनवरी को एलबी नगर ज़ोन में महिलाओं से सोने की चेन छीनी थी। पुलिस के अनुसार 17 जनवरी को लगभग सुबह 10:20 बजे, आरोपी बाइक पर एलबी नगर क्षेत्र में आए। उन्होंने उसी बाइक का उपयोग गोंपलापुरम पुलिस स्टेशन क्षेत्र में चोरी करने के लिए किया और हयातनगर, नागोले व चैतन्यपुरी थाना क्षेत्रों में महिलाओं से सोने की चेन छीन ली। इसके बाद उन्होंने पल्सर बाइक को संगीता थिएटर क्रॉस रोड्स, सिकंदराबाद के पास छोड़ दिया और दिल्ली भाग गए। डीसीपी एलबी नगर डॉ. अनुराधा ने बताया कि तीन विशेष टीमों का गठन कर तकनीकी सबूतों को इकट्ठा करने के बाद एक टीम दिल्ली भेजी गई। सतर्क और सुव्यवस्थित कार्रवाई के बाद मुख्य आरोपी डिलीवरी बॉय अक्षय कुमार शर्मा निवासी, सागरपुर, नई दिल्ली और डिलीवरी बॉय रोहित निवासी लक्ष्मण विहार, गुरुग्राम, हरियाणा को पकड़ लिया गया और सभी जब्त संपत्ति बरामद की गई। इन आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपी दिल्ली और महाराष्ट्र (नागपुर) क्षेत्रों में पहले से ही संपत्ति अपराधों में शामिल रहे हैं। आरोपी अक्षय का 2017 से 2025 तक कई मामलों का लंबा रिकॉर्ड है, जिसमें चोरी, डकैती, हथियार अधिनियम के तहत आरोप शामिल हैं। रोहित पर भी 2020 से 2025 तक कई चोरी व डकैती के मामले दर्ज हैं। जांच में यह पता चला कि जुलाई 2025 में दोनों आरोपियों को नागपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया था। जेल से रिहाई के बाद उन्होंने नाचरम, जवाहरनगर, शमीरपेट, हयातनगर, नागोले और चैतन्यपुरी थाना क्षेत्रों में सात चैन स्नैचिंग की। आरोपियों के पास से सोने के आभूषण, दो मोबाइल फोन आदि मिले है। एडिशनल डीसीपी एलबी नगर ज़ोन, बी. कोतेश्वर राव और एसीपी एलबी नगर, ए. कृष्णैया के मार्गदर्शन में तीन विशेष टीमों का गठन किया गया। सीसीटीवी फुटेज, टावर डंप डेटा, सीडीआर विश्लेषण और तकनीकी निगरानी के बाद एक टीम को एस. गुरुस्वामी, डीआई चैतन्यपुरी के साथ दिल्ली भेजा। टीम ने आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया और अपराध को कम समय में सुलझाया। मल्काजगिरी पुलिस कमिश्नर ने चैतन्यपुरी पुलिस की त्वरित और कुशल कार्रवाई की सराहना की और टीम को पुरस्कार देने की घोषणा की।

मेडारम जातरा में बच्चों की सुरक्षा हेतु रिस्टबैंड योजना शुरू

रिस्टबैंड को स्कैन कर बच्चे को तुरंत परिवार से मिलाया जाएगा

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी मेडारम जातरा में भारी भक्तों के आगमन को देखते हुए, हैदराबाद सिटी पुलिस ने बच्चों को भीड़ में खो जाने से बचाने के लिए एक विशेष सुरक्षा पहल शुरू की है। मंगलवार को महात्मा गांधी बस स्टेशन , आफज़लगंज में एक स्टॉल का उद्घाटन किया गया, जहां जातरा के लिए जाने वाले बच्चों को पहचान हेतु विशेष रिस्टबैंड प्रदान किए जाएंगे। स्टॉल का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में डीसीपी गोलकोंडा ज़ोन, हैदराबाद जी. चंद्र मोहन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कई वरिष्ठ अधिकारी कृष्ण गौड़, अतिरिक्त डीसीपी, गोलकोंडा ज़ोन श्याम बाबू, अतिरिक्त डीसीपी , एसआईबी, एस. सुदर्शन, एसीपी, गोशमहाल डिवीजन, एन. रवि, निरीक्षक पुलिस (एचएचओ), आफज़लगुज, जे. श्रीलता, रीजनल मैनेजर, एमजीबीएस उपस्थित रहे । प्रत्येक रिस्टबैंड में एक यूनिक क्यूआर कोड होता है, जो स्टॉल पर बच्चों की जानकारी दर्ज करने के बाद तैयार किया जाता है। क्यूआर कोड में बच्चे का नाम, माता-पिता/अभिभावक का नाम, संपर्क मोबाइल नंबर, और निवास पता शामिल रहेगा। अगर जातरा में भीड़ में कोई बच्चा खो जाता है, तो पुलिसकर्मी या स्वयंसेवक रिस्टबैंड को स्कैन कर बच्चे को तुरंत परिवार के साथ जोड़ सकते हैं। अफ़ज़लगंज पुलिस सभी माता-पिता और अभिभावकों से अपील करती है कि वे एमजीबीएस से यात्रा करने से पहले स्टॉल पर जाएं और अपने बच्चों के लिए रिस्टबैंड प्राप्त करें, ताकि यात्रा सुरक्षित और चिंता-मुक्त रहे।

स्कूली छात्रों में बुनियादी साक्षरता और गणित दक्षता में गंभीर कमी

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में आईटी और फार्मेसी क्षेत्र में प्रगति और अवसरों के बीच, शहर के स्कूलों की स्थिति चिंताजनक पाई गई है। पांच साल स्कूल जाने के बावजूद कक्षा पांच के 92 प्रतिशत छात्र बुनियादी साक्षरता और गणितीय कौशल (एफएलएन) में सक्षम नहीं हैं। एफएलएन मिडलाइन मूल्यांकन (25-30 नवंबर 2025) के अनुसार, छात्रों ने तेलुगु/उर्दू और अंग्रेजी में मौखिक पठन, पठन बोध और लेखन कौशल हासिल नहीं किए हैं।

गणित में जोड़, घटाव, गुणा और भाग के कौशल में भी व्यापक कमजोरी देखी गई है।

हैदराबाद उन तीन जिलों में शामिल है, जहां कक्षा पांच के केवल आठ प्रतिशत छात्र ही एफएलएन में सक्षम हैं। कक्षा चार में 94 प्रतिशत और कक्षा तीन में केवल तीन प्रतिशत छात्र ही दक्षता प्राप्त कर पाए। रिपोर्ट में प्राथमिक कक्षाओं में भाषा और गणित दक्षता की स्थिति भी चिंताजनक बताई गई है।

रमज़ान से पहले घोटा बनाने की तैयारियां शुरू

हैदराबाद, 27 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रमज़ान के महीने के आगमन से पहले हैदराबाद में घोटा बनाने की तैयारियां जोर पकड़ रही हैं। पुराने शहर की चट्टा बाजार सड़क पर स्थित मोहम्मद अनवर की 'घोड़ा' की दुकान पर बड़े-बड़े घोटों की कतार रमज़ान की तैयारी का संकेत देती है। मोहम्मद अनवर लगभग चार दशकों से हलीम बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले हथौड़ा "घोड़ा' बना रहे हैं। रमज़ान शुरू होने से छह सप्ताह पहले ही उनकी कार्यशाला में चहल-पहल मच जाती है। इस दौरान वे लगभग 500 घोटे तैयार कर शहर के होटलों में सप्लाई करते हैं।

अनवर के अनुसार, घोटा हलीम की सभी सामग्रियों को अच्छी तरह पिसने और मांस को बारीक रेशों में परोसने में अहम भूमिका निभाता है। घोटा अलग-अलग आकार और बबूल या गोमांस की लकड़ी से बनाया जाता है। तेलंगाना और कर्नाटक के कई बड़े होटल मालिक रमज़ान से हफ़्तों पहले ही ऑर्डर दे देते हैं। रमज़ान के नए चांद के दिखते ही कार्यशाला बंद हो जाती है और यह अगले साल के लिए 10 महीने तक बंद रहती है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.